www.dainikjayantnews.com
कोटद्वार, शनिवार
6 जून 2026
वर्ष: 49
अंक: 44 पृष्ठ: 6
मूल्य: 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार
www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल
डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

राज्यसभा चुनाव

पूरी हुई पवन खेड़ा की तपस्या, मिला टिकट

● हिमंत से भिड़ने का पार्टी ने दिया बड़ा ईनाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस पार्टी ने पवन खेड़ा को राज्यसभा का टिकट दिया है। इस खबर को महज एक हार्ड न्यूज नहीं कहा जा सकता। वजह यह है कि इस टिकट के पीछे पवन खेड़ा की सालों की तपस्या है। वैसे तो पार्टी की प्रेस कॉन्फ्रेंस और न्यूज चैनलों पर वे सालों से पार्टी का पुरजोर तरीके से पक्ष रखते आ रहे हैं, लेकिन हाल के दिनों में उनकी मानो एक फायरब्रैंड कांग्रेसी के रूप में छवि बन गई है। अब राज्यसभा टिकट के रूप में उन्हें पार्टी आलाकमान से बड़ा ईनाम मिला है। गौरतलब है कि कांग्रेस आलाकमान ने 18 जून को होने वाले राज्यसभा चुनाव के लिए जारी अपनी 7 उम्मीदवारों की सूची में पवन खेड़ा का नाम शामिल किया है। उन्हें कर्नाटक से मैदान में उतारा गया है। इसके साथ ही पवन खेड़ा अपने संसदीय पारी की शुरुआत भी करने जा रहे हैं। उन्हें राज्यसभा टिकट मिलते ही राजनीतिक गलियारों में एक वाक्य खूब प्रसिद्ध हो रहा है–पवन खेड़ा की तपस्या पूरी हुई। कांग्रेस के सबसे मुखर चेहरों में शामिल पवन खेड़ा पिछले कई मौकों पर राज्यसभा टिकट की रेस में बेहद आगे रहे थे, लेकिन चुनावी और क्षेत्रीय समीकरणों के चलते हर बार उनका नाम ऐन वक्त पर कट जाता था। 2022 के राज्यसभा चुनावों में भी खेड़ा को टिकट मिलने की चर्चा थी। हालांकि जब कांग्रेस ने उम्मीदवारों की घोषणा की थी तब उसमें पवन खेड़ा का नाम शामिल नहीं था। इसके तुरंत बाद ही उन्होंने सोशल मीडिया पर एक बेहद भावुक पोस्ट की थी। पोस्ट में लिखा था, शायद मेरी तपस्या में कुछ कमी रह गई। उन्होंने अपनी इस पोस्ट में सीधे तौर पर राज्यसभा टिकट का जिक्र नहीं किया। लेकिन तब उनके पोस्ट ने खूब सुर्खियां बटोरीं। अब जब पवन खेड़ा को राज्यसभा में एंट्री का मौका मिला है तब एक बार यह पोस्ट वायरल हो रहा है।

हिमंत से ली थी सीधी टक्कर

पिछले कुछ महीनों में असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के साथ तीखे राजनीतिक और कानूनी विवादों का सामना करने के बावजूद खेड़ा फ्रंटफुट पर रहकर पार्टी का पक्ष रखते रहे। उनपर गिरफ्तारी की तलवार भी अटकी। पिछले महीने जब हिमंत की पत्नी से जुड़े मानहानि और जालसाजी के एक मामले में सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें अग्रिम जमानत दे दी, तब दिल्ली पहुंचने पर उनका भव्य स्वागत हुआ था। इस दौरान 'शेर आया, शेर आया' के नारे भी लगे। पूरे घटनाक्रम से उनकी जुझारू नेता के रूप में छवि और मजबूत हुई। अब लोग राज्यसभा टिकट को हिमंत बिस्वा से सीधी टक्कर का ईनाम भी कह रहे हैं। कर्नाटक से टिकट मिला है।

हमने नल लगवाए, कोई टोटी चोरी कर रहा है

● ये कहकर मुस्कुराने लगे योगी, पानी बचाने का दिया संदेश

लखनऊ (एजेंसी)। लखनऊ में सीएम योगी ने कहा कि हमें पानी बचाने के लिए काम करना होगा। इसलिए हमने हर घर नल की योजना को बढ़ाया। पता चला कि कोई टोटी चोरी कर रहा है। कोई अन्य तरह से उसका नुकसान कर रहा है। खुला है तो खुला हुआ है। यह कहते हुए सीएम मुस्कुराने लगे। उन्होंने कहा– अगर कोई नल खुला छोड़कर जाए तो उसे टोकना चाहिए। समाज के लोगों का दायित्व है कि वे सरकारी संपत्तियों का नुकसान करने वालों को रोकें। योगी इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में शुक्रवार को पर्यावरण दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में संबोधित कर रहे थे। सियासी गलियारे में लोग इस बयान को सपा मुखिया अखिलेश यादव से जोड़कर देख रहे हैं। दरअसल, टोटी चोरी का मामला 2017 में सपा के यूपी की सत्ता से हटने के बाद सामने आया था। बतौर सीएम अखिलेश को 4-विक्रमादित्य मार्ग पर आवास आवंटित था।

सीएम योगी ने स्कूली बच्चों को 3 सीख दी

योगी ने कहा– कोई भी प्लास्टिक वेस्ट किसी सार्वजनिक स्थान पर न फेंकें। जलस्रोत, वाटिका, जंगल, किसी उपवन में न फेंकें। जल संरक्षण का प्रयत्न करें। हमारे घर में बरसात का पानी आता है। उस पानी का एक-एक बूंद संरक्षित करें। जो भी खाली जगह है, वहां एक पौधा रोपें। किसी पेड़ को क्षति न पहुंचाएं और महत्वपूर्ण कार्यक्रम में 1 पौधा लगाएं। सीएम योगी ने कहा– सिंथेटिक केमिकल मौसम को प्रभावित कर रहे हैं। सिंथेटिक केमिकल है और समय के साथ डि-कंपोज न होने के कारण ऐसी चीजें पर्यावरण में गल नहीं रही हैं, जो पर्यावरण के लिए नुकसानदायक हैं। इससे वर्षा का चक्र ही बदल गया है। अनियमित वर्षा हो रही है।

दोषी है तो फांसी दे दो, सड़क पर तमाशा क्यों?

● कमर में रस्सी बांधकर घुमाने पर हाईकोर्ट सख्त ● वेस्ट बंगाल की बीजेपी सरकार को लगाई फटकार

कोलकाता (एजेंसी)। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि अपराधी होने का आरोप किसी व्यक्ति के मौलिक अधिकारों को समाप्त नहीं करता। इसलिए पुलिस को कानून के दायरे में रहकर कार्रवाई करनी चाहिए और किसी आरोपी को सार्वजनिक रूप से अपमानित नहीं किया जा सकता। पश्चिम बंगाल में भाजपा सरकार के सत्ता में आने के बाद अपराध पर लगाम लगाने के लिए पुलिस की सख्त कार्रवाई को लेकर पूरे राज्य में चर्चा रही है। हालांकि, पुलिस की इस कथित 'अतिसक्रियता' या 'सड़क पर न्याय' (स्ट्रीट जस्टिस) की प्रवृत्ति अब एक बड़े कानूनी और संवैधानिक सवाल के घेरे में आ गई है।

पुलिस किसी का सम्मान नहीं छीन सकती

सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने कानूनी कार्रवाई और सार्वजनिक अपमान के बीच स्पष्ट अंतर रेखांकित किया। अदालत ने माना कि अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करना प्रशासन का अधिकार है, लेकिन इसके नाम पर किसी व्यक्ति की गरिमा और मानवाधिकारों का उल्लंघन नहीं किया जा सकता। जस्टिस जॉय सेनगुप्ता ने पुलिस के इस रवैये की कड़ी आलोचना करते हुए कहा, पुलिस आरोपियों को गिरफ्तार कर सकती है और उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई कर सकती है। अगर वे दोषी पाए जाते हैं तो अदालत उन्हें फांसी तक की सजा दे सकती है लेकिन गिरफ्तारी के नाम पर पुलिस किसी व्यक्ति के आत्मसम्मान और मानवाधिकारों को जानबूझकर नष्ट नहीं कर सकती। अदालत ने राज्य सरकार को निर्देश दिया है कि वह अगले 21 दिनों के भीतर एक एफिडेविट दाखिल करे।

भाजपा सरकार बनने के बाद बदला पुलिस का तरीका

मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व में भाजपा सरकार के गठन और तृणमूल शासन के अंत के बाद राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति सुधारने की प्रक्रिया शुरू हुई है। सरकार का दावा है कि रंगदारी, भ्रष्टाचार और सिंडिकेट राज से जुड़े असामाजिक तत्वों के खिलाफ राज्य पुलिस ने 'जीरो टॉलरेंस' की नीति अपनाई है। हालांकि, हाईकोर्ट में दायर याचिकाओं में आरोप लगाया गया है कि अपराध के खिलाफ कार्रवाई के नाम पर कुछ मामलों में पुलिस ने कानूनी प्रक्रिया की सीमाओं को पार किया है। इसी संदर्भ में अदालत ने आरोपियों को रस्सी बांधकर सार्वजनिक रूप से घुमाने की घटनाओं पर राज्य सरकार से जवाब मांगा है और स्पष्ट किया है कि कानून का पालन करते हुए ही अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए।

तमिलनाडु में भाजपा छोड़ते ही अन्नामलाई ने बनाई नई पार्टी

● अगला चुनाव लड़ने का ऐलान; कहा- मतभेद थे

● आलाकमान ने चुनाव तक रुकने को कहा था

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु बीजेपी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष के अन्नामलाई ने शुक्रवार को नई पार्टी बनाने का ऐलान किया। सोशल मीडिया पर एक वीडियो मैसेज में अन्नामलाई ने कहा कि आज हम एक आंदोलन शुरू करने जा रहे हैं। हमारी राजनीतिक पार्टी तमिलनाडु में 2031 में अगला विधानसभा चुनाव लड़ेगी। मेरे लिए यह तय करना बहुत मुश्किल था कि मैं बीजेपी का सदस्य रहूं या तमिल लोगों से जुड़ा रहूं। मैंने 4 दिसंबर 2025 को पार्टी को बताया कि मैं इस्तीफा देने जा रहा हूं। पार्टी ने मुझसे कहा कि पहले चुनाव हो जाने दें, फिर जाएं। अन्नामलाई ने 2 जून को भाजपा से इस्तीफा दिया था। लेटर शुक्रवार को सामने आया। उन्होंने इस्तीफे की वजह बताते हुए लिखा कि पिछले 18 महीनों से आलाकमान के साथ उनके मतभेद चल रहे हैं। अब उनके विचार एक जैसे नहीं रहे। अन्नामलाई कर्नाटक कैडर के आईपीएस अधिकारी रहे हैं। नौकरी छोड़कर 2020 में भाजपा से जुड़े। पार्टी

ने पहले उन्हें प्रदेश उपाध्यक्ष और फिर अध्यक्ष बनाया। अन्नामलाई के रहते हुए बीजेपी ने 2021 और 2026 विधानसभा चुनाव लड़ा। दोनों ही चुनावों में भाजपा का वोट शेयर 2 फीसदी से ज्यादा नहीं बढ़ सका।

मोदी से प्रभावित होकर भाजपा में आया था– पीएम मोदी जी के नेतृत्व से प्रेरित होकर मैं 6 साल पहले भाजपा में शामिल हुआ था। मेरा मकसद तमिलनाडु में बदलाव लाना और राज्य में राजनीति के तौर-तरीकों को बेहतर बनाना था। मैं बीजेपी नेतृत्व का बहुत आभारी हूं कि उन्होंने मुझ जैसे युवा और अनुभवहीन व्यक्ति पर भरोसा करके बड़ी जिम्मेदारियां और नेतृत्व के पद सौंपे। राज्य की जनता कई दशकों से चली आ रही आम राजनीतिक चर्चाओं से ऊब चुकी थी और बदलाव चाहती थी। पिछले दशक में कई बार बदलाव की लहरें उठीं, लेकिन वे टिक नहीं पाईं।

पिछले 18 महीनों में टॉप लीडरशिप के साथ कुछ मतभेद रहे हैं। तमिलनाडु की राजनीति को आगे बढ़ाने के तरीके को लेकर उनके और पार्टी नेतृत्व के विचार अब मेल नहीं खाते। बीजेपी को टाटा-बाय-बाय कहकर जाने वाले पूर्व आईपीएस के अन्नामलाई से पहले की भी बड़े और हाई-प्रोफाइल समर्पित नेताओं की एक लंबी लिस्ट है। उनमें से कई दोबारा पार्टी में लौटे भी, कुछ ने नई पार्टी बनाई और फिर उसका भाजपा में ही विलय किया, कुछ ने दूसरे दलों की भी राह ली। कुछ ऐसे भी हैं, जो निकले तो ऐसे निकले की दुबारा नहीं आ पाए।

मणिपुर फिर से दहला! तीन ग्रामीणों की हत्या

● भारी हथियारों के साथ आए उग्रवादी, 7 घर फूंके

कांगपोकपी (एजेंसी)। मणिपुर में जातीय तनाव और हिंसा का दौर थमने का नाम नहीं ले रहा है। शुक्रवार तड़के राज्य के कांगपोकपी जिले में एक बड़ा संदिग्ध उग्रवादी हमला हुआ है। इस खौफनाक वारदात में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि 7 घरों को आग के हवाले कर दिया गया। राज्य में कुकी जनजातियों के शीर्ष निकाय कुकी इनपी मणिपुर ने इस घटना की जानकारी दी है। एक प्रेस बयान के मुताबिक, शुक्रवार तड़के करीब 4 बजे भारी हथियारों से लैस उग्रवादियों ने लोइबोल खुल्लेन गांव पर हमला कर दिया। संगठन का आरोप है कि इस वारदात को उग्रवादियों ने अंजाम दिया है।

● **महिलाओं ने निकाला विरोध मार्च, राज्यपाल को सौंपा ज्ञापन–** इससे पहले 28 मई को ऑल मणिपुर नुपी मारुप नाम के संगठन ने बंधकों की रिहाई की मांग को लेकर इंफाल के इरावत भवन पर एक बड़ी विरोध रैली निकाली थी। प्रदर्शनकारियों ने हाथों में बैनर और तख्तियां लेकर अपहरण की घटनाओं को रोकने की अपील की। संगठन इस पर ऐक्टिव है।

हमले में जान गंवाने वालों की पहचान

कुकी स्टूडेंट्स ऑर्गनाइजेशन, साउथ वेस्ट सदर हिल्स की ओर से जारी एक अन्य बयान में मृतकों की उम्र और पहचान की पुष्टि की गई है। इस हमले में जान गंवाने वाले सभी लोग लोइबोल खुल्लेन गांव के ही निवासी थे, जिनकी पहचान इस प्रकार है। गौरतलब है कि मणिपुर में पिछले तीन साल से अधिक समय से जातीय तनाव और हिंसा का माहौल है।

6 नागा बंधकों की रिहाई की मांग तेज

मणिपुर में जारी संकट के बीच अब 6 नागा नागरिकों के अपहरण का मुद्दा गरमा गया है। इन बंधकों की सुरक्षित वापसी के लिए राज्य में लगातार विरोध-प्रदर्शन हो रहे हैं और सरकार पर दबाव बनाया जा रहा है। ऑल नागा स्टूडेंट्स एसोसिएशन, मणिपुर ने शुक्रवार को राज्य सरकार से मांग की है कि वह सभी छह नागा बंधकों को तुरंत रिहा कराए और उन्हें उनके परिवारों को सौंपे।

बरहामपुर से चुनाव लड़ना चाहती हैं ममता बनर्जी!

मांगा यूसुफ से इस्तीफा, पूर्व क्रिकेटर का इनकार

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल चुनावों में करारी हार और विधायकों में विधायकों के बागी गुट बना लेने के बाद ममता बनर्जी अपने सियासी

जीवन में सबसे मुश्किल वक्त से गुजर रही हैं। अटकलें लग रही है कि विधायकों की तरह ही सांसदों में भी बगावत हो सकती है। इसकी अटकलें कोलकाता से दिल्ली तक लग रही हैं। संभावना जताई रही है कि मानसूत्र सत्र से पहले खेला हो सकता है। इस सब के बीच बंगाल की राजनीति में यह चर्चा है कि ममता लोकसभा पहुंचना चाहती हैं।

● **यूसुफ पठान सीट खाली करने को नहीं तैयार–** मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो ममता बनर्जी भले ही बहरामपुर से लड़ना चाहती हैं लेकिन गुजरात के वडोदरा के रहने वाले यूसुफ पठान इसके लिए तैयार नहीं हैं। उन्होंने इस्तीफा देने की संभावना से इनकार कर दिया है। 2024 लोकसभा चुनावों में यूसुफ पठान ने ममता बनर्जी के बल पर ही बहरामपुर से जीत हासिल की थी। तब उन्होंने कांग्रेस के कद्दावर नेता अधीर रंजन चौधरी को हराया था। बहरामपुर सीट 70 फीसदी मुस्लिम बहुल है। यूसुफ पठान को अधीर रंजन चौधरी के सामने 524,516 वोट मिले थे। वह 85 हजार वोटों से चुनाव जीतकर लोकसभा पहुंचे थे।

हाईवे पर पलटा टेंपो ट्रैवलर, महिला की मौत, 4 हायर सेंटर रेफर

चमोली : श्रद्धालुओं को लेकर बदरीनाथ धाम जा रहा एक टेंपो ट्रैवलर बदरीनाथ हाईवे पर पैनी के समीप अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गया। हादसे में एक महिला श्रद्धालु की मौत हो गई जबकि वाहन में सवार 17 लोग घायल हो गए। घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ज्योतिर्मठ लाया गया जहां से चार गंभीर घायलों को हायर सेंटर रेफर किया गया है। जानकारी के अनुसार, गाजियाबाद से श्रद्धालुओं को लेकर बदरीनाथ जा रहा टेंपो ट्रैवलर शुक्रवार सुबह करीब 4:30 बजे पैनी के पास अनियंत्रित होकर पलट गया।

दुर्घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची तथा राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। घायलों को 108 एंबुलेंस सेवा के माध्यम से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ज्योतिर्मठ पहुंचाया गया। कोतवाल देवेंद्र रावत ने बताया कि वाहन में चालक समेत कुल 18 लोग सवार थे। हादसे में आरती देवी (44) की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि अन्य 17 यात्रियों का उपचार किया जा रहा है। सभी यात्री गाजियाबाद के निवासी हैं। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी डॉ. गौतम ने बताया कि घायलों में अर्शी (14), पूनम (45), जसमीत (44) और निधि (44) की हालत गंभीर होने पर प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है। पुलिस दुर्घटना के कारणों की जांच कर रही है। (एजेंसी)

1.76 लाख बूथ पालक, 27633 शक्ति केंद्र

● यूपी में बंगाल जैसी जीत के लिए बीजेपी का मेगा प्लान ● यूपी चुनाव से पहले एक नई टीम बनाना चाहती है भाजपा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल और असम में हुए हालिया विधानसभा चुनाव नतीजों से गदगद भाजपा अब देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश में न सिर्फ जीत की हैट्रिक लगाने का ख्वाब देख रही है बल्कि बंगाल जैसी प्रचंड जीत की कोशिशों में जुट गई है। हालांकि, यूपी में विधानसभा चुनाव होने में अभी करीब एक साल बाकी हैं, लेकिन पार्टी ने अभी से ही तैयारियां शुरू कर दी हैं। पश्चिम बंगाल और असम चुनावों में 'माइक्रो-मैनेजमेंट' मॉडल की सफलता से उत्साहित भाजपा अब इसे उत्तर प्रदेश में बड़े पैमाने पर लागू करने जा रही है। इसी रणनीति के तहत पार्टी ने राज्यभर में लगभग 1.76 लाख 'बूथ पालक' नियुक्त करने और जमीनी स्तर पर संगठन को सक्रिय करने का फैसला किया है। हाल ही में राज्य की राजधानी लखनऊ में भाजपा के 98 संगठनात्मक जिलों के अध्यक्षों की एक उच्च स्तरीय बैठक आयोजित की गई, जिसमें प्रदेश भाजपा अध्यक्ष पंकज चौधरी और संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह ने सभी जिला अध्यक्षों को स्पष्ट निर्देश दिया कि राज्य में 'बंगाल चुनाव मॉडल' को दोहराएं। यानी बंगाल की ही तरह बूथ लेवेल तक प्रबंधन करें। इसके तहत बूथ समितियों, पन्ना प्रमुखों और शक्ति केंद्रों पर नए सिरे से ध्यान केंद्रित करने का निर्देश दिया गया है।

जिलाध्यक्षों को निर्देश, बंगाल मॉडल अपनाएं– पार्टी सूत्रों के मुताबिक, पार्टी ने सभी जिला प्रमुखों को निर्देश दिया है कि वे बूथ समितियों, पन्ना प्रमुखों, शक्ति केंद्रों और स्थानीय स्तर के राजनीतिक अभियानों पर नए सिरे से ध्यान देते हुए उत्तर प्रदेश में बंगाल चुनाव मॉडल को अपनाएं। बीजेपी का लक्ष्य आगामी महीनों में राज्य के सभी 1,62,459 विधानसभा बूथों का आंकलन करना है, जिसमें 1,918 मंडलों में फैले 27,633 शक्ति केंद्र भी शामिल हैं। इस कवायद में मतदाता सूची के विशेष गहन संशोधन के बाद बनाए गए लगभग 14,000 नए बूथ भी शामिल होंगे। पार्टी नेताओं ने जिला इकाइयों को निर्देश दिया कि वे तुरंत बूथ समितियां बनाएं और इन नए जुड़े मतदान केंद्रों के लिए बूथ अध्यक्ष और बूथ देखभाल करने वाले (बूथ पालक) नियुक्त करें।

बीजेपी का मेगा प्लान, चार बातों पर ध्यान– पार्टी ने प्रचंड जीत की रणनीति बनाते हुए चार प्रमुख बातों पर ध्यान दिया है। इसके तहत पन्ना प्रमुखों की नियुक्ति करने, शक्ति केंद्रों की स्थापना करने, बूथों का वर्गीकरण करने और हाइपर-लोकल लेवेल पर चुनाव प्रचार करने का फैसला किया गया है। बता दें कि पन्ना प्रमुख प्रणाली में हरेक पन्ना प्रमुख को एक पन्ने पर दर्ज 30 से 35 मतदाताओं की जिम्मेदारी दी जाएगी।

हाइपर-लोकल लेवेल पर चुनाव प्रचार

इन दोनों उपायों के अलावा सूक्ष्म स्तर तक मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए भाजपा ने बूथों का वर्गीकरण करने का भी फैसला किया है। इसके तहत सभी बूथों को मजबूत, प्रतिस्पर्धी और कमजोर श्रेणियों में बांटा जाएगा ताकि कमजोर क्षेत्रों में अतिरिक्त संसाधन और निगरानी तैनात की जा सके। इसके अतिरिक्त भाजपा हाइपर-लोकल लेवेल पर चुनाव प्रचार करने की योजना पर भी काम कर रही है। इसके तहत स्थानीय मुद्दों के आधार पर बूथ स्तर पर विशेष प्रचार अभियान चलाया जाएगा। लखनऊ से दिल्ली तक बैठकों के दौर में सांगठनिक कामकाज को धार देने के लिए जोन वाइज प्रभारियों की नियुक्ति पर भी विचार चल रहा है। सूत्रों ने बताया कि बैठक में 2024 के लोकसभा चुनावों के दौरान सामने आई कमियों को दूर करने पर भी ध्यान दिया गया। इस कड़ी में भाजपा उन 61 विधानसभा क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दे रही है, जिन्हें पार्टी ने 2017 में जीता था लेकिन 2022 के चुनावों में हार गई थी। जिला अध्यक्षों को इन क्षेत्रों में बूथवार समीक्षा करने और हार के कारणों की पहचान कर सुधारात्मक कदम उठाने को कहा गया है। उन क्षेत्रों में नए सामाजिक समीकरण बनाने के बी निर्देश दिए गए हैं।

मुख्यमंत्री ने नैनीताल को दी 96.71 करोड़ की योजनाओं की सौगात

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को जनपद नैनीताल को 96 करोड़ 71 लाख रुपये की 13 विकास योजनाओं की सौगात दी। जिसमें 67 करोड़ लागत की 6 योजनाओं का लोकार्पण एवं 29.71 करोड़ की 7 योजनाओं का शिलान्यास शामिल है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री द्वारा भीमताल क्षेत्र के विकास हेतु अनेक घोषणा की गई, जिसमें भीमताल में सैनिकों एवं व्यापारियों हेतु एक बहुउद्देश्यीय भवन का निर्माण, भीमेश्वर मंदिर एवं ओखलकांडा पशुपतिनाथ मंदिर को मंदिर माला मिशन में जोड़े जाने, रामगढ़ ब्लॉक के ओढ़ाखांन से मुक्तेश्वर मोटर मार्ग, जीप मार्ग का मिलान, रामगढ़ उप तहसील का शीघ्र संचालन किये जाने के साथ क्षेत्र में प्राधिकरण की समस्या के समाधान हेतु उच्च स्तरीय कमेटी का गठन कर समस्या का समाधान किया जाना शामिल है।

मुख्यमंत्री ने सभी को विश्व पर्यावरण दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यहां की सुंदर झील, चारों ओर फैली हरियाली, पर्वतों की अद्भुत श्रृंखला और प्रकृति की अनुपम छटा हमें केवल आनंद का अनुभव ही नहीं कराती, बल्कि हमें ये भी याद दिलाती है कि प्रकृति

और पर्यावरण ही हमारा वर्तमान भी है और भविष्य भी है। इसलिए इस प्रकृति और पर्यावरण को संरक्षित और सुरक्षित रखना हम सभी का दायित्व है। उन्होंने कहा कि आज का दिन केवल पौधे लगाने या औपचारिक कार्यक्रमों को करने का ही नहीं है, बल्कि आज का दिन आत्मचिंतन करने का भी दिन है। आज का दिन स्वयं से ये पूछने का अवसर है कि हम अपने बच्चों और आने वाली पीढ़ियों को कैसी धरती, कैसा पर्यावरण और कैसा भविष्य सौंपकर जाना चाहते हैं, क्या हम उन्हें स्वच्छ नदियां, हरे-भरे जंगल और शुद्ध वातावरण देंगे, या फिर प्रदूषण, जल संकट और पर्यावरणीय चुनौतियों से भरा भविष्य देकर जायेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि देवभूमि उत्तराखंड का पर्यावरण कैसा हो ये हम सभी के लिए एक महत्वपूर्ण प्रश्न है। क्योंकि अच्छा पर्यावरण न केवल हमारी पहचान है बल्कि हमारी संस्कृति, आस्था और जीवन का आधार भी है। उन्होंने कहा कि हम उस पवित्र भूमि के निवासी हैं जहाँ से माँ गंगा और यमुना जैसी जीवनदायिनी नदियाँ निकलती हैं। जहाँ हिमालय केवल पर्वत नहीं, बल्कि हमारी सभ्यता का प्रहरी है और हम उस संस्कृति के वाहक हैं जिसने हजारों वर्षों पहले ही प्रकृति को पूजनीय माना और पूरी दुनिया को प्रकृति के साथ सह-अस्तित्व का संदेश दिया।

हाईकोर्ट के आदेश पर कब्र से निकाला शव, हल्द्वानी भेजा

काशीपुर। प्रेम प्रसंग से जुड़े एक नाबालिग की संदिग्ध मौत के मामले में हाईकोर्ट के आदेश पर शुक्रवार को शव को कब्र से बाहर निकालकर दोबारा पोस्टमार्टम के लिए हल्द्वानी भेज दिया गया। हत्या और आत्महत्या के बीच सच्चाई सामने लाने के लिए यह कार्रवाई की गई है। कटोराताल नई बस्ती निवासी 17 वर्षीय मुरसलीन उर्फ अनस 16 मई की रात करीब 10 बजे घर से लापता हो गया था।

अगले दिन 17 मई की सुबह उसका शव घर की तीसरी मंजिल पर बनी एक कोठरी में लोहे के पाइप से लटका मिला था। पुलिस ने पोस्टमार्टम कराने के बाद उसी शाम मानपुर रोड स्थित नौगजा कब्रिस्तान में शव को सुपुर्द–ए–खाक कर दिया था।

गोलू मार्केट में बने पिंक टायलेट को जल्द शुरू करें

बागेश्वर। नगर पंचायत की बोर्ड बैठक में स्वच्छता को लेकर महत्वपूर्ण चर्चा हुई। तय किया गया कि गोलू मार्केट में बने पिंक टायलेट को जल्दी शुरू किया जाएगा, ताकि महिलाओं को किसी तरह की

दिक्कतों का सामना न करना पड़े। इसके अलावा बैजनाथ और टीट बाजार में दो नए सामुदायिक शौचालय बनाए जाएंगे। नगर पंचायत अध्यक्ष भावना वर्मा ने स्टाफ और पर्यावरण मित्रों को समन्वय के साथ काम करने को कहा। बैइक में वार्ड सभासदों नेनियमित स्वच्छता की मांग की। राम मंदिर वार्ड के सभासद अंकित जोशी ने कहा कि पर्यावरण मित्र अपनी जिम्मेदारी ठीक से निभाए तो स्वच्छता और कूड़े की समस्या से काफी हद तक निजात मिलेगी। सभासद अनीता देवी ने कहां की प्रति दिन एरिया बदल कर बैजनाथ में नियमित स्वच्छता की जाए। बैजनाथ तिराहे पर शौचालय बना है नगर पंचायत को हैंड ओवर भी हुआ, लेकिन उपयोग में नहीं आया है। ईओ धीरज कांडपाल ने कहा कि गरुड़ नगर पंचायत आदर्श स्थिति में तब आएगा जब नगर पंचायत को समुचित बजट मिलेगा।

संक्षिप्त समाचार

विवाहिता की संदिग्ध मौत, पति पर हत्या का आरोप

अल्मोड़ा। सल्ट विकासखंड की खुमाड़ ग्रामसभा में एक 25 वर्षीय विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। मृतका के परिजनों ने उसके पति पर मारपीट कर हत्या करने का आरोप लगाया है। घटना के बाद आरोपी पति फरार बताया जा रहा है, जिसकी तलाश में पुलिस जुटी हुई है। जानकारी के अनुसार गुरुवार रात घटना की सूचना मिलने पर सल्ट थानाध्यक्ष कश्मीर सिंह पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। शुक्रवार को रानीखेत से क्षेत्राधिकारी भी मौके पर पहुंचे और घटना की जानकारी ली। वहीं तहसीलदार आबिद अली की मौजूदगी में पंचनामा की कार्रवाई पूरी कराई गई। पुलिस के अनुसार प्रारंभिक जांच में महिला की मौत मारपीट के कारण होने की आशंका जताई जा रही है। हालांकि मृत्यु के वास्तविक कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चल सकेगा। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। घटना के बाद आरोपी पति घर से फरार हो गया। पुलिस उसकी तलाश में संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है। अधिकारियों का कहना है कि मामले की सभी पहलुओं से जांच की जा रही है और जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। घटना के बाद क्षेत्र में शोक का माहौल है। ग्रामीणों ने मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

पत्नी की हत्या में जेल में बंद अधिवक्ता का मामला दूसरी पीठ सुनेगी

नैनीताल। दहेज के लिए पत्नी की हत्या करने के जुर्म में आजीवन कारावास की सजा काट रहे अधिवक्ता के मामले में शुक्रवार को हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। वरिष्ठ न्यायाधीश मनोज कुमार तिवारी और न्यायमूर्ति पंकज पुरोहित की खंडपीठ ने अधिवक्ता को अंतरिम राहत न देते हुए मामले को सुनवाई के लिए दूसरी पीठ को भेज दिया। अब मामले की सुनवाई दूसरी पीठ करेगी। अभियुक्त मनीष अरोड़ा अपनी पत्नी की हत्या करने के आरोप में जेल में बंद है। नैनीताल के जिला सत्र न्यायाधीश ने उसे 2019 में आजीवन कारावास की सजा सुनवाई थी। उस पर यह भी आरोप है कि जब मृतक को बीडी पांडे जिला अस्पताल लाया गया था, तो अभियुक्त द्वारा बिना पोस्टमार्टम कराए ही शव को नैनीताल से हरिद्वार ले जाया गया।जबकि यह पूरा पुलिस केस था। पत्नी की मौत अप्राकृतिक तरीके से हुई थी। अस्पताल से ले जाते वक्त अभियुक्त द्वारा डिस्चार्ज स्लिप तक नहीं ली गई। जबरदस्ती शव को अस्पताल से उठाया गया। वहीं, उसकी तरफ से कहा गया कि वह 2019 से जेल में बंद है। अभी तक उसे अग्रिम जमानत तक नहीं मिली है। उसके बूढ़े माता–पिता हैं। कोर्ट ने उसे कोई राहत न देते हुए मामला सुनवाई के लिए दूसरी पीठ को भेज दिया है।

मझोग जंगल में चार बकरों को गुलदार ने बनाया निवाला

विकासनगर। त्यूणी क्षेत्र में चकराता वन प्रभाग के अंतर्गत देवघार रेंज की मझोग वीट में गुलदार के आतंक से ग्रामीणों में दहशत का माहौल बना हुआ है। गुरुवार को गुलदार ने दो पशुपालकों के चार बकरों को अपना शिकार बना लिया। घटना के बाद पीड़ित पशुपालकों ने वन विभाग से मुआवजे की मांग की है। बताया गया है कि रायगी निवासी कृपाल सिंह और छुमरा निवासी अनिल अपनी बकरियों को चराने के लिए मझोग वीट के जंगल क्षेत्र में ले गए थे। शाम को जब चार बकरे घर वापस नहीं पहुंचे तो पशुपालकों ने उनकी तलाश शुरू की। करीब साढ़े सात बजे दलटूनाड जंगल क्षेत्र की झाड़ियों में चारों बकरे मृत मिले। घटना की सूचना स्थानीय जनप्रतिनिधियों और वन विभाग को दी गई। सूचना पर वन वीट अधिकारी बलबीर चौहान मौके पर पहुंचे और निरीक्षण के बाद बताया कि चारों बकरों को गुलदार ने मारा है। उन्होंने कहा कि मामले की रिपोर्ट तैयार कर उच्चाधिकारियों को भेजी जाएगी। ताकि नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जा सके। ग्रामीणों का कहना है कि एक मादा गुलदार अपने शावकों के साथ पिछले कई दिनों से क्षेत्र में घूम रही है, जिससे रायगी, शेडिया, छुमरा, भगवत, भाटगढ़ी, पटाला और मझोग क्षेत्र के लोगों में भय का माहौल है।

कार्बन फुट प्रिंट को लेकर पीएम को भेजी चिट्ठी

देहरादून। हेस्को संस्थापक पर्यावरणविद् पद्मभूषण डॉ.अनिल जोशी ने कार्बन फुट प्रिंट पर जिम्मेदारी तय करने को लेकर विश्व पर्यावरण दिवस पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को एक पत्र भेजा है। उन्होंने पर्यावरण के मद्देनजर पैकेजिंग उत्पाद पर कार्बन फुट प्रिंट दर्ज करने की मांग की है। पत्र में लिखा कि यह विषय पिछले दिनों नई दिल्ली में इंदिरा गांधी नेशनल सेंटर फॉर आर्टस में हुई एक महत्वपूर्ण बैठक में प्रमुखता से उठाया गया था।डॉ.अनिल जोशी ने बताया कि इंडियन नेशनल साइंस अकादमी–आईएनएस अध्यक्ष डॉ.शेखर मांडे, इंदिरा गांधी नेशनल सेंटर फॉर आर्ट्स के निदेशक डॉ.सच्चिदानंद जोशी, आईआईटी दिल्ली और अन्य प्रमुख संस्थानों के प्रमुखों की मौजूदगी में इस बैठक में कार्बन फुट प्रिंट को लेकर कई बातें रखी गई थी। जिसमें यह प्रमुख था कि आम उपयोगी की अनेक वस्तुओं के बारे में आम जनमानस को यह पता ही नहीं रहता कि जिसे वे उपयोग में ला रहे हैं उसके कार्बन फुट प्रिंट कितने हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री को भेजे पत्र में यह कहा है कि हर व्यवसायिक उत्पाद जो बाजार में बिकने को आता है उस पर कार्बन फुट प्रिंट भी अंकित होना चाहिए।

विश्व पर्यावरण दिवस पर आयुर्वेद विभाग का 'हरित योग' अभियान

योग, प्रकृति और स्वास्थ्य का हुआ अद्भुत संगम

बागेश्वर। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आयुर्वेद विभाग बागेश्वर द्वारा जिला आयुर्वेद एवं यूनानी अधिकारी डॉ. निष्ठा शर्मा कोहली के नेतृत्व में 'हरित योग' कार्यक्रम का भव्य एवं प्रेरणादायी आयोजन किया गया। ऐतिहासिक एवं धार्मिक महत्व वाले नीलेश्वर मंदिर परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम ने स्वास्थ्य संवर्धन और पर्यावरण संरक्षण के संदेश को एक साथ जन–जन तक पहुंचाने का सफल प्रयास किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ आदि देव भगवान धन्वन्तरि के समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर उपस्थित अतिथियों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने पर्यावरण संरक्षण तथा स्वस्थ जीवन शैली को अपनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम की शुरुआत से ही परिसर में सकारात्मक ऊर्जा और सामाजिक जागरूकता का वातावरण देखने को मिला। 'हरित योग' कार्यक्रम के अंतर्गत बड़ी संख्या में उपस्थित लोगों को योग के महत्व से अवगत कराया गया तथा सामूहिक योगाभ्यास कराया गया। योग विशेषज्ञों ने बताया कि नियमित योग न केवल शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाता है, बल्कि व्यक्ति को प्रकृति के प्रति संवेदनशील और

जिम्मेदार भी बनाता है। योग सत्र में प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए स्वस्थ जीवन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण मंदिर परिसर में किया गया वृक्षारोपण रहा। पर्यावरण संरक्षण के संकल्प के साथ विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपे गए और उपस्थित जनसमूह को उनके संरक्षण का भी संदेश दिया गया। वक्ताओं ने कहा कि बढ़ते पर्यावरणीय संकट और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों के बीच वृक्षारोपण केवल एक औपचारिकता नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य की आधारशिला है।

योग सत्र के उपरांत आयोजित विशेष गोष्ठी में पर्यावरण संरक्षण, प्रकृति आधारित जीवन शैली तथा नशा मुक्ति जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर सार्थक विमर्श किया गया। वक्ताओं ने कहा कि प्रकृति के साथ सामंजस्य स्थापित कर ही मानव जीवन को स्वस्थ, संतुलित और समृद्ध बनाया जा सकता है। साथ ही युवाओं से नशे जैसी सामाजिक बुराई से दूर रहकर राष्ट्र निर्माण में सकारात्मक भूमिका निभाने का आह्वान किया गया। इस अवसर पर प्रसिद्ध वृक्ष प्रेमी किशन मलडा की गरिमामयी उपस्थिति विशेष आकर्षण का केंद्र रही। उन्होंने आयुर्वेद विभाग द्वारा आयोजित इस अभिनव पहल की सराहना करते हुए कहा कि योग और पर्यावरण संरक्षण को एक मंच पर लाना समय की आवश्यकता है। कार्यक्रम में आयुर्वेद विभाग के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सक्रिय सहभागिता निभाकर आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। कार्यक्रम का कुशल एवं प्रभावशाली संचालन बागेश्वर योग कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डॉ. एजल पटेल द्वारा किया गया। उनके सफल संचालन ने पूरे आयोजन को सुव्यवस्थित और प्रेरणादायी स्वरूप प्रदान किया। विश्व पर्यावरण दिवस पर आयोजित यह 'हरित योग' कार्यक्रम न केवल स्वास्थ्य और पर्यावरण के प्रति जनजागरूकता का सशक्त माध्यम बना, बल्कि समाज को यह संदेश भी दे गया कि स्वस्थ शरीर, स्वच्छ पर्यावरण और जागरूक नागरिकता ही एक समृद्ध एवं सुरक्षित भविष्य की वास्तविक पहचान है।

मुख्यमंत्री की प्राथमिकता बना कार्लीगाड़ पुनर्वास

देहरादून। मुख्यमंत्री धामी, द्वारा कार्लीगाड़ क्षेत्र के पुनर्वास एवं राहत कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता दिए जाने के क्रम में जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान के नेतृत्व में जिला प्रशासन द्वारा आपदाग्रस्त क्षेत्र कार्लीगाड़, सहस्त्रधारा में युद्धस्तर पर कार्य किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री के निर्देशों के अनुपालन में आपदा प्रभावित परिवारों की सुरक्षा, तथा मलबा निष्पादन के उद्देश्य से मशीनरी, मैनपॉवर एवं अन्य संसाधनों में व्यापक वृद्धि की गई है।आपदा प्रभावित परिवारों की सुरक्षा एवं पुनर्वास कार्य मुख्यमंत्री उत्तराखण्ड सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में सभी विभाग समन्वित रूप से कार्य करते हुए राहत, पुनर्वास एवं संरक्षण संबंधी कार्यों को निर्धारित समयसीमा में पूर्ण करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। प्रशासन द्वारा क्षेत्र की निरंतर निगरानी की जा रही है तथा प्रत्येक स्तर पर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है, ताकि प्रभावित परिवारों को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराया जा सके और भविष्य में इस प्रकार की आपदाओं से होने वाले नुकसान को न्यूनतम किया जा सके। मुख्यमंत्री की संवेदनशीलता एवं प्रतिबद्धता के अनुरूप विगत दिवस जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान ने कैबिनेट मंत्री एवं स्थानीय विधायक, मसूरी विधानसभा क्षेत्र के साथ कार्लीगाड़ क्षेत्र का स्थलीय निरीक्षण कर पुनर्वास एवं मलबा हटाने के कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। इस दौरान संबंधित विभागों को कार्यों में और अधिक तेजी लाने तथा निर्धारित समयसीमा के भीतर सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

एलटी शिक्षकों को पदोन्नति में टीईटी अनिवार्यता से मुक्त रखा जाए

विकासनगर। राजकीय शिक्षक संघ ने साल 2011 तक नियुक्त एलटी शिक्षकों की पदोन्नति में टीईटी (शिक्षक पात्रता परीक्षा) की अनिवार्यता को लेकर शासन से समाधान निकालने की मांग की है। शिक्षकों का कहना है कि टीईटी व्यवस्था उत्तराखंड में वर्ष 2011 से लागू हुई थी। इससे पूर्व नियुक्त एलटी शिक्षकों की नियुक्ति के समय टीईटी की कोई अनिवार्यता नहीं थी। ऐसे में वर्षों बाद नई शर्तों को लागू कर पदोन्नति से जोड़ना निष्पक्षता और संवैधानिक अपेक्षाओं के अनुरूप नहीं माना जा सकता। राजकीय शिक्षक संघ के पूर्व जिलाध्यक्ष कुलदीप कंडारी ने कहा कि एक आदेश में 2011 से पूर्व नियुक्त शिक्षकों की पदोन्नति के लिए टीईटी उत्तीर्ण करना अनिवार्य किया गया है, जो कि शिक्षा का अधिकार अधिनियम के मानक के विपरीत है। नियुक्ति के समय शिक्षक की जो योग्यता अनिवार्य थी, उसे शिक्षक पूरी कराता है।

ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाते स्वरोजगार मॉडल का स्थलीय मूल्यांकन

देहरादून। मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन आनन्द बर्द्धन द्वारा जनपद टिहरी गढ़वाल के विकासखंड चम्बा अंतर्गत विभिन्न आजीविका एवं स्वरोजगार संवर्धन से जुड़ी गतिविधियों का स्थलीय निरीक्षण किया गया। यह भ्रमण केवल परियोजनाओं की समीक्षा तक सीमित न रहकर ग्रामीण अर्थव्यवस्था में उभरते आत्मनिर्भरता के मॉडल को समझने और उसे और अधिक सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास के रूप में देखा गया। मुख्य सचिव द्वारा निर्देश दिए गए कि रीप एवं अन्य आजीविका संवर्धन योजनाओं के अंतर्गत संचालित सभी गतिविधियों को और अधिक प्रभावी बनाते हुए महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण एवं स्वरोजगार को प्राथमिकता दी जाए, मिनी फिश प्रोसेसिंग यूनिट सहित सभी निर्माणाधीन परियोजनाओं में गुणवत्ता मानकों का पालन करें एवं स्थानीय उत्पादों की ब्रांडिंग, पैकेजिंग एवं बाजार विस्तार को सुदृढ़ कर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में ठोस प्रयास सुनिश्चित किए जाएं। ग्राम दिखोलगांव में रीप (ग्रामोत्थान) परियोजना एवं आईएफएडी के सहयोग से संचालित ह्नहिमालयन भोजनालयह्न फूड कार्ट के निरीक्षण के दौरान स्वयं सहायता समूह की महिलाओं से संवाद स्थापित किया गया। महिलाओं द्वारा स्थानीय व्यंजनों के निर्माण, विपणन व्यवस्था एवं दैनिक आय से जुड़े अनुभव साझा किए गए।

अतिक्रमण के नाम पर उत्पीड़न का विरोध, लघु व्यापारियों ने सौंपा ज्ञापन

हरिद्वार। नगर निगम प्रशासन द्वारा रेहड़ी–पटरी एवं लघु व्यापारियों को उनके व्यवसायिक स्थलों से हटाए जाने का विरोध किया है। लघु व्यापार एसोसिएशन के प्रांतीय अध्यक्ष संजय चोपड़ा के नेतृत्व में व्यापारियों ने तुलसी चौक से नगर आयुक्त कार्यालय तक पैदल मार्च निकालकर प्रदर्शन किया। इस दौरान व्यापारियों ने अपनी पांच सूत्रीय मांगों को लेकर नगर आयुक्त नंदन कुमार को ज्ञापन सौंपा। शुक्रवार को व्यापारियों ने नगर निगम द्वारा विकसित तीन वेंडिंग जोन ललतारौ पुल, चंडी चौक मार्ग, भगत सिंह चौक सेक्टर–2 बैरियर तथा पुल जटवाड़ा में मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने और पूर्व निर्धारित कियोस्क के आगे छह फुट अतिरिक्त भूमि के उपयोग के लिए स्पष्ट सीमा रेखा तय करने की मांग उठाई। संजय चोपड़ा ने कहा कि उत्तराखंड नगरीय फेरी नीति के अनुसार वेंडिंग जोन में छह फुट अतिरिक्त भूमि के उपयोग की अनुमति है। उन्होंने ललतारौ पुल खोखा–पटरी यूनियन के व्यापारियों के पुनर्वास के लिए प्रशासनिक समिति गठित करने की मांग भी उठाई।

प्लाट बेचने की डील कर 8.35 लाख रुपये हड़पने में चार पर केस

देहरादून। जमीन बेचने में धोखाधड़ी कर चार आरोपियों ने 8.35 लाख रुपये हड़प लिए। पीड़ितों ने अपनी जमीन पर बाउंड्रीवाल कराई तो दूसरे पक्ष ने उसे यह कहकर तोड़ दिया कि जमीन उनकी है। बसंत विहार थाना पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। एसओ बसंत विहार शैंकी कुमार ने बताया कि कालिका विहार फेज–दो, बंजारावाला निवासी मनोज सिंह रावत ने तहरीर दी। बताया कि वर्ष 2022 में अटल थपलियाल निवासी पट्टियोंवाला, विपिन शर्मा और दलीप बिष्ट ने उन्हें और उनके जेठू ताजबर सिंह को हरीश कुमार का एक प्लॉट दिखाया था। यह 115 गज जमीन ईस्ट होप टाउन में थी। आरोपियों ने 8.35 लाख रुपये लेकर ताजबर सिंह के नाम पर वर्ष 2022 में जमीन का बैनामा करा दिया।

मस्जिद सीलिंग के विरोध में कलेक्ट्रेट कूच करने से रोका

देहरादून। मुस्लिम सेवा संगठन ने मसूरी– देहरादून विकास प्राधिकरण (एमडीडीए) के स्तर से थानो जामा मस्जिद को सील किए जाने की कार्रवाई का विरोध किया। शुक्रवार को कई लोग गांधी रोड स्थित पुराने रोडवेज बस स्टैंड पर एकत्रित हुए। लेकिन पुलिस ने सभी को बेरीकेडिंग लगाकर डीएम कर्यालय कूच करने से रोक दिया। दोनों पक्षा में नोकझोंक हुई। इसके बाद सिटी मजिस्ट्रेट प्रत्यूष सिंह को ज्ञापन सौंपकर मांगों से अवगत करवाया गया। संगठन ने कहा कि मस्जिद केवल इबादत का स्थान नहीं, बल्कि क्षेत्र में सामाजिक सहयोग, नैतिक शिक्षा और भाईचारे का केंद्र भी रही है। ऐसे में इस कार्रवाई से स्थानीय लोगों की भावनाएं आहत हुई हैं और कई सवाल खड़े हुए हैं। संगठन के अध्यक्ष नईम कुरैशी और उपाध्यक्ष आकिब कुरैशी ने कहा कि यदि किसी प्रकार का प्रशासनिक, तकनीकी या भूमि संबंधी विवाद था तो उसका समाधान संवाद, नोटिस और वैधानिक प्रक्रिया के माध्यम से किया जाना चाहिए था। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में किसी भी धार्मिक स्थल के संबंध में कठोर कार्रवाई अंतिम विकल्प होनी चाहिए। संगठन ने मांग की कि पूरे प्रकरण की उच्चस्तरीय व निष्पक्ष जांच कराई जाए और सभी पक्षों को सुनकर न्यायपूर्ण समाधान निकाला जाए। इस दौरान कुछ लोग तिरंगा लेकर पहुंचे थे।

मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने विद्यालय, आंगनबाड़ी केन्द्र का किया निरीक्षण

नई टिहरी। मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने अपने दो दिवसीय जनपद भ्रमण कार्यक्रम के दूसरे दिन टिहरी गढ़वाल के बौराड़ी क्षेत्र में स्थित राजकीय मॉडल प्राथमिक विद्यालय, आंगनबाड़ी केन्द्र ढुंगीधार, श्रीदेव सुमन पुस्तकालय एवं बौराड़ी स्टेडियम का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। मुख्य सचिव द्वारा निरीक्षण के दौरान संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि आंगनबाड़ी केन्द्रों में बच्चों के पोषण, स्वास्थ्य जांच एवं टीकाकरण की नियमित एवं प्रभावी मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए, विद्यालयों में मध्यान्ह भोजन योजना, शैक्षणिक गुणवत्ता एवं मूलभूत सुविधाओं का सतत अनुश्रवण कर आवश्यक सुधार समयबद्ध रूप से किए जाएं, श्रीदेव सुमन पुस्तकालय में उपलब्ध पुस्तकों, अभिलेखों एवं पांडुलिपियों का समुचित संरक्षण करते हुए अध्ययन हेतु बेहतर सुविधाएं विकसित की जाएं तथा बौराड़ी स्टेडियम एवं प्रस्तावित खेल सुविधाओं के निर्माण कार्यों को

गुणवत्ता एवं निर्धारित समयसीमा के भीतर पूर्ण किया जाए। निरीक्षण के दौरान मुख्य सचिव ने आंगनबाड़ी केन्द्र ढुंगीधार में बच्चों की संख्या, उपलब्ध खेल सामग्री तथा बच्चों को उपलब्ध कराए जा रहे खाद्य एवं पोषण पदार्थों की विस्तृत जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर उन्होंने गर्भवती एवं धात्री महिलाओं को पोषण किट वितरित की तथा केन्द्र में बच्चों का वजन भी माप करवाया। उन्होंने एएनएम एवं आशा कार्यकर्त्रियों को निर्देशित किया कि वे नियमित रूप से आंगनबाड़ी केन्द्रों तथा बच्चों के घरों तक पहुंचकर बच्चों की स्वास्थ्य जांच एवं टीकाकरण सुनिश्चित करें। इसके उपरांत मुख्य सचिव ने राजकीय मॉडल प्राथमिक विद्यालय का निरीक्षण किया।

उन्होंने विद्यालय में संचालित मध्यान्ह भोजन योजना, बच्चों के लिए उपलब्ध फर्नीचर, उपस्थिति पंजिका एवं अन्य शैक्षणिक व्यवस्थाओं की जानकारी प्राप्त की। विद्यालय के शिक्षकों द्वारा दी गई जानकारी पर उन्होंने संतोष व्यक्त करते हुए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के प्रयासों की सराहना की। मुख्य सचिव ने श्रीदेव सुमन पुस्तकालय का भी निरीक्षण किया।

संक्षिप्त समाचार

बारिश के बाद जलभराव बना लोगों की समस्या

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : जनपद मुख्यालय में शुक्रवार को दो घंटे झमाझम बारिश हुई। क्षेत्र में हो रही लगातार हो रही बारिश के चलते सामान्य जनजीवन प्रभावित होने लगा है। शहर में जल निकासी की समुचित व्यवस्था न होने के कारण जल भराव की समस्या उत्पन्न होने लगी है। शुक्रवार को बारिश के कारण कई स्थानों पर पानी जमा हो गया, जिस कारण लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। लगातार हो रही बारिश के कारण शहर के विभिन्न क्षेत्रों में जलभराव की समस्या गंभीर होती जा रही है। डीएम कार्यालय के समीप, लोअर बाजार, माल रोड, छतरीधार सहित कई प्रमुख क्षेत्रों में सड़कों और आसपास के इलाकों में पानी भर गया है, जिससे स्थानीय निवासियों और व्यापारियों की परेशानियां बढ़ गई हैं। बारिश के दौरान जल निकासी की व्यवस्था प्रभावित होने के कारण कई जगहों पर पानी लंबे समय तक जमा रह रहा है। इससे पैदल चलने वालों के साथ-साथ वाहन चालकों को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। नगर पालिका के सफाई निरीक्षक हेमंत कुमार ने बताया कि बारिश के मौसम में जलभराव की स्थिति से निपटने के लिए पालिका प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। नालों की नियमित सफाई के लिए नाला गैंग टीम बनाई गई है। जिसमें आठ कार्मिक को तैनात किया गया है। ये टीमें शहर के विभिन्न हिस्सों में लगातार सफाई कार्य कर रही हैं, ताकि बारिश के पानी की निकासी सुचारु रूप से हो सके।

यात्रियों को पिलाया शीतल पेय

श्रीनगर गढ़वाल : चारधाम यात्रा के दौरान यात्रियों की सुविधा व सेवा के उद्देश्य से रोटरी क्लब द्वारा ट्रॉपिकल आइसक्रीम के सहयोग से बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर विशेष सेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर लगभग दो हजार यात्रियों को शीतल पेय वितरित किया गया। यात्रियों ने कहा कि इस प्रकार के सेवा कार्य यात्रा को अधिक सुगम व सुखद बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम में समाजसेवी गिरीश पैन्यूली, कोषाध्यक्ष मनीष कोठियाल, कार्यक्रम संयोजक संजय जैन, बृजेश भट्ट, आदि उपस्थित रहे।

जॉब कार्ड के लिए नया खाता खोलना जरूरी

श्रीनगर गढ़वाल : नव गठित ग्राम पंचायत सेमी ग्वाड़ में नए जॉब कार्ड बनाने के लिए ग्रामीणों को नए खाते खोलने पड़ेंगे। पालिका में शामिल होने से पूर्व गठित ग्राम पंचायत में ग्रामीणों के जॉब कार्ड से जुड़े बैंक खातों को पोर्टल नहीं ले पा रहा है जिससे ग्रामीणों को अब नए खाते खुलवाने पड़ रहे हैं। वर्तमान में विकासखंड की ओर से ग्रामीणों के जॉब कार्ड बनाने का कार्य किया जा रहा है। वहीं खंड विकास अधिकारी शिव सिंह भंडारी ने बताया कि गांव में कैंप लगाकर ग्रामीणों के खाते खोले जाएंगे जिससे ग्रामीणों को असुविधा न हो।

भीमबली-गरुड़चट्टी-केदारनाथ पैदल मार्ग पर आवागमन पूरी तरह प्रतिबंधित

रुद्रप्रयाग : जिलाधिकारी विशाल मिश्रा ने तीर्थयात्रियों की सुरक्षा व जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए भीमबली-गरुड़चट्टी-केदारनाथ निर्माणाधीन पैदल मार्ग पर तीर्थयात्रियों एवं आमजन के आवागमन को तत्काल प्रभाव से पूर्णतः प्रतिबंधित करने के निर्देश जारी किए हैं। इस संबंध में पुलिस विभाग, जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी तथा अधिशासी अभियंता, डीडीएमए गुप्तकाशी को आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। जिलाधिकारी ने कहा कि संबंधित निर्माणाधीन पैदल मार्ग पर वर्तमान में निर्माण कार्य प्रगति पर है तथा मार्ग अभी पूर्ण रूप से सुरक्षित एवं उपयोग योग्य स्थिति में नहीं है। निर्माण कार्य के दौरान पहाड़ी क्षेत्रों में लगातार पत्थर गिरने, ढलानों के खिसकने तथा अन्य प्राकृतिक जोखिम बने हुए हैं, जिससे किसी भी समय दुर्घटना होने की आशंका बनी रहती है। ऐसी स्थिति में यात्रियों को उक्त मार्ग से गुजरने की अनुमति देना उनकी सुरक्षा के लिए गंभीर जोखिम उत्पन्न कर सकता है। (एजेंसी)

मारपीट मामले में सीओ ने दर्ज किए बयान

रुद्रप्रयाग : चंद्रापुरी-स्यालसौड़ पुलिस बैरियर पर जनप्रतिनिधियों के साथ अभद्रता और मारपीट के मामले की जांच अंतिम चरण में है। जांच अधिकारी पुलिस उपाधीक्षक विकास पुंडीर ने शुक्रवार को कई लोगों के बयान दर्ज किए। इससे पहले सात लोगों के बयान लिए जा चुके हैं। आज 6 जून को रिपोर्ट सौंपे जाने की संभावना है।

तीन दिन पूर्व स्यालसौड़ बैरियर पर तैनात एक उपनिरीक्षक पर यूकेडी के पूर्व जिलाध्यक्ष डॉ. आशुतोष भंडारी, प्रधान संगठन अगस्त्यमुनि ब्लॉक के अध्यक्ष मनोज वैष्णव और ऋतिक नौटियाल के साथ मारपीट और अभद्रता का आरोप लगा था। घटना के बाद स्थानीय लोगों और जनप्रतिनिधियों ने विरोध जताते हुए संबंधित पुलिसकर्मी के निलंबन की मांग की थी। मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर संबंधित उपनिरीक्षक को तैनाती स्थल से हटा दिया गया है। वहीं घटना की जांच पुलिस उपाधीक्षक रुद्रप्रयाग विकास पुंडीर को सौंपी गई है। सीओ पुंडीर ने बताया कि मामले से जुड़े लोगों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं। सभी पक्षों के बयान लेने के बाद जांच रिपोर्ट पुलिस अधीक्षक को सौंप दी जाएगी। इसके बाद अग्रिम कार्रवाई की जाएगी। (एजेंसी)

पहाड़ी से गिरे पत्थर, घोड़ा संचालक की मौत

रुद्रप्रयाग : केदारनाथ यात्रा मार्ग पर शुक्रवार दोपहर को चीरबासा हेलिपैड के समीप पहाड़ी से अचानक पत्थर गिरने से एक घोड़ा संचालक की मौत हो गई जबकि एक यात्री घायल हो गया। घटना के बाद यात्रा मार्ग पर अफरातफरी का माहौल रहा। जानकारी के अनुसार शुक्रवार 2:54 बजे चीरबासा हेलिपैड के निकट पहाड़ी से पत्थर गिरने लगे। आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदन सिंह रजवार ने बताया कि सूचना पर पुलिस, डीडीआरएफ, वाईएमएफ और आपदा मित्रों की टीम तत्काल मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। पत्थर की चपेट में आने से बड़ासू निवासी घोड़ा संचालक देवेश सिंह (23) की मौके पर ही मौत हो गई जबकि राजस्थान निवासी यात्री विष्णु घायल हो गए। उन्हें प्राथमिक उपचार के लिए गौरीकुंड स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया। उन्होंने बताया कि घायल का इलाज चल रहा है। (एजेंसी)

एआईएटीएफ के अध्यक्ष मनिंदरजीत सिंह बिट्टा ने किए बाबा के दर्शन

श्री सिद्धबली मंदिर में पूजा-अर्चना करते मनिंदरजीत सिंह बिट्टा

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : कोटद्वार पहुंचे अखिल भारतीय आतंकवाद विरोधी मोर्चा (एआईएटीएफ) के अध्यक्ष मनिंदरजीत सिंह बिट्टा ने सिद्धबली धाम पहुंचकर बाबा सिद्धबली के दर्शन किए। कहा कि उन्हें बाबा के दर्शन कर मन की शांति प्राप्त हुई है। उन्होंने पूजा-अर्चना कर बाबा का आशीर्वाद प्राप्त किया।

शुक्रवार को मनिंदरजीत सिंह बिट्टा ने बाबा के दर पर माथा टेका। बाबा का आशीर्वाद लिया और देशवासियों की कुशलता के लिए प्रार्थना की। दर्शन के बाद बिट्टा ने श्री सिद्धबली मंदिर समिति के पदाधिकारियों और सदस्यों से भेंट की। मंदिर समिति ने मनिंदरजीत सिंह बिट्टा का स्वागत किया।

उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट किया। मनिंदरजीत सिंह बिट्टा को आतंकवाद विरोधी सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में जाना जाता है। वर्तमान में वह शहीद सैनिकों और आतंकवादी हमलों के पीड़ित परिवारों की मदद में जुटे हुए हैं।

स्वास्थ्य शिविर का 52 लोगों ने उठाया लाभ

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : प्रखंड रिखणीखाल के अंतर्गत ग्राम पंचायत कांडा के दियोड़ में टीवी मुक्त भारत अभियान के तहत राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें क्षेत्र के 52 ने अपने स्वास्थ्य का परीक्षण करवाया। शिविर का शुभारंभ ग्राम प्रधान विनीता ध्यानी व चिकित्साधिकारी डा. सुरभि यादव ने किया। शिविर में आए लोगों का रजिस्ट्रेशन करवाया गया। तत्पश्चात चिकित्सकों ने शिविर में आए लोगों का छाती का एक्स-रे, ब्लड शुगर, रक्तचाप की जांच की गई। साथ ही जरूरतमंदों को दवाइयां भी वितरित की गई। चिकित्सकों ने लोगों से क्षय रोग से बचाव करने की सलाह दी। साथ ही खानपान पर भी विशेष ध्यान दिए जाने के लिए प्रेरित किया। इस मौके पर महेंद्र सिंह रावत, अंकित बड़थ्वाल, प्रीतम पंवार, आशा, कविता, राम सिंह, गंगा देवी, आशा, कविता, राम सिंह, धनपाल मौजूद रहे।

बारिश की फुहारों से मिली राहत

जल भराव ने खोली सफाई व्यवस्था की पोल

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : कई दिनों से पड़ रही तेज गर्मी और उमस के बीच शुक्रवार को हुई बारिश ने शहरवासियों को बड़ी राहत दी। मौसम में आए बदलाव से तापमान में गिरावट दर्ज की गई और लोगों ने लंबे समय बाद ठंडी हवाओं का आनंद लिया। हालांकि, हल्की बारिश ने शहर की जल निकासी व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर दिए।पिछले सप्ताह से क्षेत्र में गर्मी का असर लगातार बढ़ रहा था। दो दिन पूर्व तापमान 41 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंचने से जनजीवन प्रभावित हो गया था। दोपहर के समय सड़कों पर आवाजाही कम हो गई थी और लोग घरों में रहने को मजबूर थे। उमस के कारण हालात और भी चुनौतीपूर्ण बने हुए थे। शुक्रवार सुबह मौसम ने अचानक करवट ली। आसमान में घने बादल छाने के बाद बूंदाबांदी शुरू हुई, जो कुछ ही देर में तेज बारिश में बदल गई। करीब आधे घंटे तक हुई वर्षा ने वातावरण को पूरी तरह बदल दिया और लोगों को गर्मी से राहत मिली। सुहावने मौसम का आनंद लेने के लिए कई लोग आसपास के पर्वतीय क्षेत्रों की ओर भी निकल पड़े। दूसरी ओर, बारिश ने नगर क्षेत्र की जल निकासी व्यवस्था की कमियों को भी उजागर कर दिया। देवी रोड समेत कई इलाकों में पानी जमा होने से राहगीरों और वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ा। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि अभी यह स्थिति है तो मानसून के दौरान जलभराव की समस्या और गंभीर रूप ले सकती है। नागरिकों ने नगर निगम से नालों और जल निकासी तंत्र की समय रहते प्रभावी सफाई कराने की मांग की है, ताकि बरसात के मौसम में लोगों को अनावश्यक परेशानियों का सामना न करना पड़े।

ओलावृष्टि से सेब के पेड़ो को नुकसान, मुआवजे की मांग

जयन्त प्रतिनिधि। थलीसैंण : पिछले चार-पांच दिनों से पर्वतीय क्षेत्रों में हो रही बारिश और ओलावृष्टि से किसानों को भारी नुकसान हुआ है। थलीसैंण ब्लॉक के ग्राम कोटा सोबरा में तेज ओलावृष्टि से किसान की सेब के पेड़ खराब हो गये है। किसान ने प्रशासन और उद्यान विभाग से उचित मुआवजा और सहायता देने की मांग की है। बुधवार को हुई तेज ओलावृष्टि से सब्जियों, मिर्च और मोटे अनाज की फसलें प्रभावित हुईं। विकासखंड के ग्राम कोटा सोबरा निवासी किसान विनोद ढौंडियाल को सबसे अधिक नुकसान झेलना पड़ा। उन्होंने स्वरोजगार के तहत करीब 30 नाली भूमि पर 1500 फलदार सेब के पौधे लगाए थे। ओलावृष्टि से बचाव के लिए लगाए गए सुरक्षा जाल पर भारी मात्रा में ओले जमा हो गए, जिससे वजन बढ़ने से कई लोहे के खंभे झुक गए। जाल पेड़ों पर गिर पड़ा, जिससे बड़ी संख्या में सेब के पेड़ टूट गए और फसल बर्बाद हो गई। उन्होंने बताया कि इस वर्ष सेब की अच्छी पैदावार की उम्मीद थी, लेकिन प्राकृतिक आपदा ने उनकी मेहनत पर पानी फेर दिया। उन्होंने प्रशासन और उद्यान विभाग से नुकसान का सर्वे कर उचित मुआवजा और सहायता प्रदान करने की मांग की है।

पोस्टर प्रतियोगिता से दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पब्लिक इंटर कॉलेज सुरखेत में विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस दौरान छात्र-छात्राओं ने पोस्टर प्रतियोगिता में भाग लेने के साथ ही फलदार पौधों का रोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया।

विद्यालय की यूथ क्लब, ईको क्लब, राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) तथा यूसर्क विज्ञान चेतना केंद्र के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों ने विद्यालय स्थित अमृत उद्यान वाटिका की साफ-सफाई की और फलदार पौधे लगाकर हरित वातावरण को बढ़ावा देने का संदेश दिया। विद्यालय के प्रधानाचार्य एवं राष्ट्रीय सेवा योजना माध्यमिक शिक्षा गढ़वाल मंडल प्रकोष्ठ, पौड़ी के कार्यक्रम समन्वयक पुष्कर सिंह नेगी ने बताया कि पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया जाता है। उन्होंने बताया कि इसकी शुरुआत वर्ष 1972 में संयुक्त राष्ट्र द्वारा की गई थी। इस अवसर पर आयोजित पोस्टर प्रतियोगिता में छात्र-छात्राओं ने अधिक से अधिक वृक्षारोपण, प्लास्टिक के उपयोग में कमी, जल एवं विद्युत संरक्षण, स्वच्छ पर्यावरण तथा जंगलों को वनाग्नि से सुरक्षित रखने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर आकर्षक संदेश प्रस्तुत किए। विद्यार्थियों ने अपने पोस्टरों के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण को जन-आंदोलन बनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में आदर्श, आदित्य, अर्नव, समय, रोहन, मयंक चौहान, शुभम, नमन, हर्षित, अभिलाषा, अमृता, गुंजन, सानिया और सोनाक्षी सहित अन्य छात्र-छात्राओं ने सक्रिय सहभागिता निभाई। विद्यालय परिवार ने पर्यावरण संरक्षण को जीवनशैली का हिस्सा बनाने का संकल्प भी लिया।

आयोजित प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते विद्यार्थी

राजकीय महाविद्यालय में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर डॉ. पीतांबरदत्त बड़थ्वाल हिमालयन राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर डॉ. डी.एस. नेगी द्वारा पौधारोपण कर किया गया।

इस अवसर पर प्राचार्य प्रो. (डॉ.) डी.एस. नेगी ने पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए वृक्षारोपण अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने सभी छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों से अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा उनके संरक्षण का संकल्प लेने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में वनस्पति विज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. राखी डिमरी, डॉ. रश्मि बहुखंडी, डॉ. दयाकिशन जोशी, डॉ. संदीप किमोठी तथा बी.एड. (स्ववित्तपोषित) विभागाध्यक्ष डॉ. हरीश कुमार सहित महाविद्यालय के शिक्षकगण, कर्मचारी एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। इस मौके पर अरविन्द दुदपुड़ी ने जानकारी देते हुये बताया कि सभी प्रतिभागियों ने परिसर में विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपित कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

आकृति ने राष्ट्रीय आर्म रेसलिंग में जीता स्वर्ण पदक

श्रीनगर गढ़वाल : राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय, गांधीनगर (गुजरात) में आयोजित चौथी नेशनल आर्म रेसलिंग चैंपियनशिप में श्रीनगर की बेटी आकृति कंडारी ने स्वर्ण पदक अपने नाम किया है। उनकी इस उपलब्धि से पूरे क्षेत्र में खुशी का माहौल है। 29 मई से दो जून तक आयोजित प्रतियोगिता में देशभर के विभिन्न राज्यों से आए खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया। कड़े मुकाबलों के बीच आकृति कंडारी ने लगातार बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए फाइनल में जगह बनाई। स्वर्ण पदक मुकाबले में उन्होंने केरल की खिलाड़ी को पराजित किया। आकृति की इस उपलब्धि पर स्थानीय लोगों ने उनकी खुशी जताई व उन्हें शुभकामनाएं दीं। आकृति जिला उद्योग व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष वासुदेव कंडारी की पुत्री हैं। वह इससे पूर्व भी कई राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर अपनी प्रतिभा का परिचय दे चुकी हैं। उनके भाई आर्यन कंडारी भी आर्म रेसलिंग के खिलाड़ी हैं और राष्ट्रीय स्तर पर कई उपलब्धियां हासिल कर चुके हैं।

शिक्षा मंत्री ने पुस्तक का किया विमोचन

श्रीनगर गढ़वाल : मेडिकल कॉलेज श्रीकोट के सभागार में जनपद गढ़वाल: भूगोल से गौरव तक पुस्तक का शिक्षा मंत्री ने विमोचन किया। पुस्तक के संपादक डॉ. प्रमोद नौडियाल ने बताया कि यह पुस्तक संस्थान के प्राचार्य स्वराज सिंह तोमर के मार्ग दर्शन में तैयार की गई है।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी पुत्री का नाम कृषिका सिंह (KRISHIKA SINGH) है। ेरी पुत्री कृषिका सिंह (KRISHIKA SINGH) के सुकन्या बचत खाता संख्या- 4612234242 में मेरी पुत्री का नाम ईशान्वी भिन्न दर्ज हो गया है, जो स्वयं मेरी एकमात्र पुत्री के ही अलग-अलग नाम दर्ज हो गये हैं। उक्त दोनों नामों की मेरी अलग-अलग पुत्रियां नहीं है। मेरी पुत्री के समस्त सरकारी/गैर सरकारी अभिलेखों में मेरी पुत्री का सही नाम कृषिका सिंह (KRISHIKA SINGH) पढ़ा व लिखा जाय।

कुलदीप सिंह पुत्र रविन्द्र सिंह
निवासी वार्ड नं0 07,
काशीरामपुर, नजीबाबाद रोड,
पट्टी सुखरौ, तहसील कोटद्वार,
जिला पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखण्ड।
(0531/21)

गुप्तखाल की ट्रैकिंग कर सकुशल लौटा पहला दल

चमोली : गुप्तखाल ट्रैकिंग मार्ग पर इस वर्ष का पहला ट्रैकिंग दल सफलतापूर्वक अभियान पूरा कर सकुशल लौट आया है। सात सदस्यीय यह दल 26 मई को सीमांत गांव गमशाली से ट्रैकिंग के लिए रवाना हुआ था। समुद्र तल से 5,807 मीटर की ऊंचाई पर स्थित गुप्तखाल देश के सबसे दुर्गम ट्रैकिंग रूटों में माना जाता है। दस दिनों तक चले इस चुनौतीपूर्ण अभियान के दौरान दल ने बर्फ से ढके कठिन रास्तों और प्रतिकूल परिस्थितियों का सामना करते हुए सफलता पूर्वक ट्रैक पूरा किया। दल के गाइड सोबन सिंह मार्तोलिया ने बताया कि गुप्तखाल ट्रैक अपनी कठिन भौगोलिक परिस्थितियों के कारण साहसिक गतिविधियों के शौकीनों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र है। इस दल में दिल्ली, पंजाब, कोलकाता और महाराष्ट्र से आए ट्रैकिंग प्रेमी शामिल थे। उन्होंने बताया कि दल ने गमशाली से आगे बढ़ते हुए माणा पास क्षेत्र के बर्फीले मार्गों को पार किया और निर्धारित रूट पूरा कर सुरक्षित रूप से ज्योतिर्मठ पहुंच गया। अभियान की सफलता से क्षेत्र में साहसिक पर्यटन गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। (एजेंसी)

पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश, पौध रोपण और स्वच्छता अभियानों में जुटे लोग

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर क्षेत्रभर में विभिन्न सामाजिक संगठनों, शिक्षण संस्थानों और वन विभाग की ओर से पौध रोपण एवं स्वच्छता अभियान चलाए गए। इस दौरान लोगों को पर्यावरण संरक्षण, जल स्रोतों के संवर्धन और स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया।

विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूडी ने पौधा रोपण करते हुए लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया। कहा कि भविष्य को बचाने के लिए हमें पर्यावरण संरक्षण पर विशेष ध्यान देना चाहिए। उन्होंने युवाओं को अधिक से अधिक पौधा रोपण के लिए जागरूक किया। वहीं, पूर्व सैनिक संघर्ष समिति ने खोह नदी तट पर पौध रोपण के साथ स्वच्छता अभियान भी चलाया। समिति के पदाधिकारियों ने कहा कि नदी किनारों पर बढ़ते भू-कटाव को रोकने के लिए बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण आवश्यक है। अभियान के तहत पीपल, नीम, शीशम, बांस, आम, अमरूद और कचनार सहित 30 पौधे लगाए गए। पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय भुवन चंद्र खंडूड़ी की स्मृति में भी एक नीम का पौधा रोपा गया। कार्यक्रम में समिति अध्यक्ष महेंद्र पाल सिंह रावत सहित अन्य पूर्व सैनिक मौजूद रहे। हेमनदास सरस्वती शिशु मंदिर, जानकीनगर में भी विद्यार्थियों और शिक्षकों ने विद्यालय परिसर में पौधे लगाए। इस अवसर पर बच्चों को पर्यावरण संरक्षण के महत्व तथा वृक्षों की उपयोगिता की जानकारी दी गई।

उत्तराखण्ड पावर कारपोरेशन लि०
(उत्तराखण्ड सरकार का उपक्रम)
कॉरपोरेट आईडेन्टीटी संख्या : U40109UP2001SG025867/2358
कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, विद्युत वितरण खण्ड, कोटद्वार

निविदा सूचना

विद्युत वितरण खण्ड, कोटद्वार के अन्तर्गत निम्न वर्णित कार्यों के निष्पादन हेतु अनुभवी, उत्तराखण्ड सरकार द्वारा प्रदत्त विद्युत ठेकेदारी 'ए' श्रेणी लाईसेन्स प्राप्त (आयकर, जी0एस0टी0 व ई0पी0एफ0 में पंजीकृत) एवं पंजीकृत ठेकेदारों से मुहरबन्द निविदाएं दो भागों में (प्रथम भाग में धरोहर धनराशि तथा द्वितीय भाग में दरें जो कि निविदा खुलने की तिथि से कम से कम 6 माह के लिए वैध हो) दिनांक 25.06.2026 के 13.00 बजे तक आमन्त्रित की जाती है जो कि उसी दिन 15.00 बजे उपस्थित निविदादाताओं के सम्मुख अधोहस्ताक्षरकर्ता अथवा उनके द्वारा अधिकृत प्रतिनिधि द्वारा सार्वजनिक रूप से खोली जायेगी। निविदा प्रपत्र किसी भी कार्य दिवस में अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय से दिनांक 24.06.2026 को 13.00 बजे तक प्रति निविदा के नकद भुगतान करके प्राप्त किए जा सकते हैं। धरोहर धनराशि किसी भी बैंक/डाकघर की एफडीआर/सीडीआर/राष्ट्रीय बचत पत्र के रूप में अधोहस्ताक्षरकर्ता के पक्ष में बंधक होनी चाहिए। बिना धरोहर धनराशि के निविदा भाग दो नहीं खोली जायेगी। यदि निविदा खुलने के दिन किसी कारणवश कार्यालय बन्द रहता है तो अगले कार्य दिवस को निविदा खोली जायेगी। अधोहस्ताक्षरकर्ता को यह अधिकार है कि वह बिना कारण बताए समस्त अथवा किसी भी निविदा को निरस्त कर सकते हैं।

निविदा संख्या	निविदा प्रपत्र क्रय राशि (जीएसटी अतिरिक्त)	कार्य का विवरण	धरोहर धनराशि (रू0)
14/2026–27	रू0 500/–	बलभद्रपुर अनुभाग के अन्तर्गत जलनिगम फीडर में कंडक्टर के स्थान पर एटी एबी केबिल से बदलने का कार्य।	27000.00
15/2026–27	रू0 500/–	बलभद्रपुर अनुभाग के अन्तर्गत सब स्टेशन फीडर में कंडक्टर के स्थान पर एटी एबी केबिल से बदलने का कार्य।	24000.00
16/2026–27	रू0 250/–	वि0वि0 उपखण्ड प्रथम, कोटद्वार के अन्तर्गत मवाकोट नलकूप एवं कण्वाश्रम नलकूप हेतु लाइन निर्माण का कार्य।	10000.00
17/2026–27	रू0 100/–	वि0वि0 उपखण्ड तृतीय, जयहरीखाल के अन्तर्गत लाइन शिफ्टिंग का कार्य।	5000.00

पत्रांक : 1451/विविखको/टी–6
दिनांक : 05.06.2026

अधिशासी अभियन्ता,
विद्युत वितरण खण्ड, कोटद्वार

विद्युत बिलों के 24x7 आनलाईन भुगतान हेतु www.upcl.org पर जायें
"राष्ट्र हित में बिजली बचाएं" (Customer Care Toll Free no. 1800 419 0405)

सीतापुर पार्किंग प्रबंधन की कार्यप्रणाली पर उठाए सवाल

रुद्रप्रयाग : सीतापुर पार्किंग के संचालन को लेकर चल रहा विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। अब केदार धाम होटल ओनर्स एसोसिएशन ने जिलाधिकारी को ज्ञापन भेजकर पार्किंग प्रबंधन की कार्यप्रणाली, कथित अवैध वसूली और यात्रियों को हो रही परेशानियों की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की। संगठन ने पार्किंग प्रबंधक भारत भूषण पर प्रशासन को भ्रामक जानकारी देने का भी आरोप लगाया है। एसोसिएशन का कहना है कि पार्किंग में अव्यवस्थाओं और यात्रियों को ठकराकर कथित अवैध वसूली के विरोध में हाल ही में रैली निकाली गई थी। आरोप है कि इसके बाद पार्किंग प्रबंधक ने पर्यटन सचिव और जिलाधिकारी को भेजे पत्र में संगठन के अध्यक्ष धर्मेश नौटियाल, सचिव मनोज सेमवाल सहित अन्य पदाधिकारियों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई।संगठन का कहना है कि रैली शांतिपूर्ण थी और कानून का उल्लंघन नहीं किया गया था। एसोसिएशन ने यह भी कहा कि जिस दिन की घटना का उल्लेख शिकायत में किया गया है, उस दिन अध्यक्ष धर्मेश नौटियाल का पैर फ्रैक्चर था और वह रैली में शामिल नहीं थे। एसोसिएशन ने जिलाधिकारी से पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की। (एजेंसी)

संपादकीय

पर्यटन की धुरी दुरुस्त सड़कें

उत्तराखंड की चार धाम यात्रा को शुरू हुए लगभग डेढ़ महीना हो गया है और अब बारिश ने भी मैदानी और पहाड़ी क्षेत्रों में दस्तक दे दी है। बरसात के साथ ही जगह–जगह पर सड़के क्षतिग्रस्त होने लगी है जिससे यात्रा पर भी कहीं प्रभाव नजर आ रहा है। राज्य सरकार ने चार धाम यात्रा से पूर्व सड़क मार्ग को दुरुस्त करने के निर्देश दिए थे और इस पर कार्य भी शुरू किया गया था लेकिन बावजूद इसके कई स्थानों पर आज भी सड़कों की स्थिति अच्छी नहीं कहीं जा सकती। प्रदेश के विकास की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी सड़क व्यवस्था आज भी अनेक चुनौतियों से जूझ रही है। पहाड़ी भूगोल, बढ़ता यातायात दबाव, अनियोजित निर्माण और प्राकृतिक आपदाएं सड़कों की स्थिति को लगातार प्रभावित कर रही हैं। चारधाम यात्रा के दौरान हर वर्ष लाखों श्रद्धालु उत्तराखंड पहुंचते हैं। ऐसे में सड़कें केवल परिवहन का माध्यम नहीं बल्कि प्रदेश की अर्थव्यवस्था और पर्यटन की जीवनरेखा हैं। इसके बावजूद कई प्रमुख मार्गों पर गड्ढे, भूस्खलन, संकरी सड़कें और जाम की समस्या आम हो चुकी है। हाल के महीनों में विभिन्न रिपोर्टों में चारधाम मार्ग के कई हिस्सों पर अधूरे निर्माण कार्य और भूस्खलन की आशंका जताई गई है। पर्वतीय क्षेत्रों में सड़क निर्माण एक कठिन कार्य है, लेकिन निर्माण के बाद नियमित रखरखाव भी उतना ही आवश्यक है। बरसात शुरू होते ही कई मार्ग क्षतिग्रस्त हो जाते हैं, जिससे स्थानीय लोगों और यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। कई बार सड़क दुर्घटनाओं के पीछे खराब सड़कें और सुरक्षा प्रबंधों की कमी भी एक बड़ा कारण बनती हैं। उत्तराखंड में सड़क सुधार के लिए अनेक योजनाएं चलाई जा रही हैं। हाल ही में भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों की मरम्मत और सड़क सुधार के लिए सैकड़ों करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। लेकिन केवल बजट स्वीकृत करना पर्याप्त नहीं है। आवश्यकता इस बात की है कि निर्माण कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित की जाए और समयबद्ध तरीके से परियोजनाएं पूरी हों।हिमालयी क्षेत्र अत्यंत संवेदनशील है। सड़क निर्माण में पर्यावरणीय संतुलन और वैज्ञानिक तकनीकों का उपयोग अनिवार्य होना चाहिए। अनियंत्रित कटान और अवैज्ञानिक निर्माण भविष्य में और अधिक भूस्खलन तथा आपदाओं को जन्म दे सकते हैं। उत्तराखंड की सड़क व्यवस्था को केवल यात्रा सुविधा के रूप में नहीं, बल्कि प्रदेश के समग्र विकास के आधार के रूप में देखने की जरूरत है। सुरक्षित और पर्यावरण–अनुकूल सड़कें ही पर्यटन, व्यापार, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बना सकती हैं। सरकार, प्रशासन और निर्माण एजेंसियों को मिलकर यह सुनिश्चित करना होगा कि देवभूमि की सड़कें भी उसकी प्रतिष्ठा के अनुरूप हों। यदि उत्तराखंड को पर्यटन और विकास के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों तक पहुंचाना है, तो सड़कों की दशा में सुधार सर्वोच्च प्राथमिकता बनना चाहिए।

चिंतन–मनन

दया, प्रेम, करुणा हमारी मूल प्रवृत्तियां हैं

मनुष्य-जीवन नाना प्रकार के प्रपंचों और प्रवृत्तियों का पुंज है। हम सब में अनेक भाव-कुभाव प्रत्येक पल मन-हृदय से टकराते रहते हैं। हमारा जीवन इन्हीं अच्छाइयों-बुराइयों के बीच व्यतीत होता रहता है। प्रेम और घृणा, उपकार और अपकार भी हमारे जीवन के अनिवार्य अंश हैं। जीवन में उपकार की प्रवृत्ति का अत्यंत महत्व है। दया, प्रेम, करुणा हमारी मूल प्रवृत्तियां हैं। इन्हीं से उपकार की भावना जाग्रत होती है। उपकार से व्यक्ति श्रेष्ठ बनता है। किसी आपदा में पड़े व्यक्ति का आप उपकार करके देखें। उसका तो कल्याण होगा ही, किंतु इससे आपका मन प्रसन्नता से भर जाएगा। आपका रोम-रोम प्रफुल्लित हो उठेगा और आपके अंग-अंग में सैकड़ों सुमन खिलकर मुस्कराने लगेंगे। 1निःस्वार्थ उपकार में मिला सुख आपके जीवन को सार्थक कर देगा। कभी-कभी आप हम देखते हैं कि अचानक संकट की घड़ी में जब केवल भगवान का सहारा होता है, तब कोई आकर आपकी ऐसी सहायता कर देता है जिसकी आपने कल्पना भी नहीं की होती। सहायता करने वाला व्यक्ति मात्र भगवत प्रेरणा के चलते ही अयाचित उपकार करके आपको चकित कर देता है, किंतु ऐसा करके उसे जो संतुष्टि मिलती है वही उसका समुचित पुरस्कार है। सच्चे मन और बिना किसी लालच के किया गया उपकार श्रेष्ठ माना गया है। इस उपकार के बदले में किसी प्रकार के प्रतिउपकार से आप यदि ऐसा कुछ करते हैं तो उसे श्रेष्ठता की श्रेणी में नहीं रखा जा सकता। हमारे यहां संतों ने कहा है कि यदि कोई आपका अपकार भी करे तो भी आप उसका उपकार ही करें। अपकार की भावना में हिंसा की अभिव्यक्ति होती है और उपकार में प्रेम और त्याग की। यह प्रेम आपको ईश्वरीय पथ की ओर ले जाता है और अपकार की भावना से मन में प्रतिशोध उत्पन्न होता है जो पतन का परिचायक है। यह हमें ईश्वर से विमुख करता है। उपकार की सहज प्रवृत्ति सब में कुछ न कुछ अंश में होती है। यह साधु-पुरुषों की संगति से बढ़ती है। यदि हम किसी का उपकार करते हैं तो यह मानव-जीवन की बड़ी उपलब्धि है। किसी के दुख में सहायक बनकर आप उससे जो आशीर्वाद प्राप्त करते हैं वह आपके दोनों लोकों को संवारता है। यह जीवन क्षण भंगुर है। इसमें आप यदि अपने सार्मथ्य के अनुसार किसी व्यथित व्यक्ति की सहायता करके उसे उबार लेते हैं तो इसका फल ईश्वर की ओर से आपको अवश्य मिलेगा।

आँकड़ों की कसौटी पर खरा उतरा 'पीएम सूर्य घर : मुफ्त बिजली योजना'

विनोद कुमार सिंह

हरित ऊर्जा,आर्थिक बचत और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक सफल जनआंदोलन...

भारत आज जिस विकसित राष्ट्र के स्वप्न को साकार करने की दिशा में अग्रसर है,उसमें ऊर्जा आत्मनिर्भरता एक अत्यंत महत्वपूर्ण आधारशिला के रूप में उभर रही है। किसी भी देश की आर्थिक प्रगति,औद्योगिक विकास, पर्यावरणीय संतुलन और नागरिक जीवन की गुणवत्ता काफी हद तक उसकी ऊर्जा व्यवस्था पर निर्भर करती है। बीते वर्षों में भारत ने ऊर्जा उत्पादन के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ हासिल की हैं,लेकिन बढ़ती जनसंख्या,तीव्र शहरीकरण और निरंतर बढ़ती बिजली मांग ने नीति निमार्ताओं के सामने नई चुनौतियाँ भी खड़ी की हैं। ऐसे समय में प्रधानमंत्री सूर्य घर : मुफ्त बिजली योजना केवल एक सरकारी योजना नहीं,बल्कि ऊर्जा क्षेत्र में जनभागीदारी पर आधारित एक व्यापक परिवर्तनकारी अभियान के रूप में सामने आई है।जून 2026 में इस योजना के दो वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर उपलब्ध आधिकारिक आँकड़े, जमीनी अनुभव और लाभार्थियों की प्रतिक्रियाएँ इस बात की पुष्टि करती हैं कि यह योजना देश में स्वच्छ ऊर्जा क्रांति की मजबूत आधारशिला बन चुकी है। फरवरी 2024 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रारंभ की गई इस महत्वाकांक्षी योजना का उद्देश्य केवल सौर ऊर्जा को बढ़ावा देना नहीं था, बल्कि आम परिवारों को ऊर्जा उत्पादक बनाना,उनके बिजली व्यय को कम करना तथा देश को स्वच्छ और टिकाऊ ऊर्जा व्यवस्था की ओर अग्रसर करना भी था। दो वर्षों के भीतर इस योजना ने जिस गति से प्रगति की है, वह इसे स्वतंत्र भारत की सबसे महत्वपूर्ण ऊर्जा योजनाओं में स्थान दिलाती है।योजना की मूल अवधारणा अत्यंत सरल किंतु दूरगामी प्रभाव वाली है। देश के एक करोड़ परिवारों की छतों पर सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित कर उन्हें अपने उपयोग की बिजली स्वयं उत्पन्न करने में सक्षम बनाना तथा अतिरिक्त बिजली को ग्रिड में भेजकर आय अर्जित करने का अवसर उपलब्ध कराना इसका प्रमुख लक्ष्य है।केंद्र सरकार ने इस महत्वाकांक्षी कार्यक्रम के लिए 75 हजार करोड़ रुपये से अधिक का प्रावधान किया है। यह राशि केवल एक वित्तीय निवेश नहीं बल्कि ऊर्जा आत्मनिर्भर भारत की दिशा में किया गया दीर्घकालिक राष्ट्रीय निवेश है।दो वर्षों के भीतर प्राप्त उपलब्धियाँ इस योजना की सफलता की कहानी स्वयं बयान करती हैं। मार्च 2026 तक देशभर में 26 लाख से अधिक रूफटॉप सोलर संयंत्र स्थापित किए जा चुके थे और लाभार्थियों को लगभग 18 हजार करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता सीधे उनके बैंक खातों में हस्तांतरित की जा चुकी थी। इससे स्पष्ट है कि योजना केवल कागजों तक सीमित नहीं रही, बल्कि करोड़ों नागरिकों के जीवन में प्रत्यक्ष परिवर्तन का माध्यम बनी है। उल्लेखनीय तथ्य यह भी है कि देश में प्रतिदिन लगभग 4500 नए सौर संयंत्र स्थापित किए जा रहे हैं। यह गति दशार्ती है कि आम जनता के बीच योजना की स्वीकार्यता लगातार बढ़ रही है।यदि इस योजना की सफलता को केवल स्थापित संयंत्रों की संख्या से नहीं बल्कि उसके सामाजिक और आर्थिक प्रभाव से देखा जाए तो तस्वीर और भी प्रभावशाली दिखाई देती है। आज देश में लाखों परिवार ऐसे हैं जिनके बिजली बिल में उल्लेखनीय कमी आई है। सरकारी सर्वेक्षणों से यह तथ्य सामने आया है कि योजना से जुड़े लगभग 71 प्रतिशत परिवारों ने अपने बिजली व्यय में स्पष्ट बचत का अनुभव किया है। यही नहीं, लाखों परिवार ऐसे भी हैं जिनका मासिक बिजली बिल शून्य या नगण्य स्तर तक पहुँच गया है।ऐसे समय में जब घरेलू बजट पर महंगाई का दबाव बना हुआ है, बिजली बिल में होने वाली यह बचत सीधे परिवारों की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने का कार्य कर रही है।

इस योजना का एक महत्वपूर्ण पक्ष यह भी है कि इसने ऊर्जा क्षेत्र को लोकतांत्रिक स्वरूप प्रदान किया है। लंबे समय तक बिजली उत्पादन केवल बड़े बिजलीघरों, सरकारी संस्थाओं और निजी कंपनियों तक सीमित रहा। आम नागरिक बिजली का उपभोक्ता मात्र था।प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना ने इस व्यवस्था को बदलने का प्रयास किया है।अब नागरिक केवल बिजली उपभोक्ता नहीं बल्कि ऊर्जा उत्पादक भी बन रहा है।यह परिवर्तन केवल तकनीकी नहीं बल्कि आर्थिक और सामाजिक दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है।योजना की सफलता का एक बड़ा कारण इसकी पारदर्शी और डिजिटल कार्यप्रणाली भी है। आवेदन से लेकर स्वीकृति, स्थापना,निरीक्षण और सब्सिडी वितरण तक की अधिकांश प्रक्रिया ऑनलाइन कर दी गई है।इससे पारदर्शिता बढ़ी है और भ्रष्टाचार तथा अनावश्यक देरी की संभावनाएँ कम हुई हैं।लाभार्थियों को सीधे बैंक खातों में सहायता राशि प्राप्त होने से व्यवस्था पर विश्वास भी मजबूत हुआ है।

राज्यों के प्रदर्शन पर दृष्टि डालें तो गुजरात इस योजना का सबसे सफल मॉडल बनकर सामने आया है। राज्य में पाँच लाख से अधिक रूफटॉप सोलर संयंत्र स्थापित हो चुके हैं और लाखों परिवार इसका लाभ प्राप्त कर रहे हैं। महाराष्ट्र तथा उत्तर प्रदेश भी तेजी से आगे बढ़े हैं। राजस्थान, केरल, तमिलनाडु और हरियाणा जैसे राज्यों ने भी उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की है।इन राज्यों की सफलता बताती है कि जहाँ प्रशासनिक सक्रियता, जनजागरूकता और वितरण कंपनियों का सहयोग बेहतर रहा, वहाँ योजना के परिणाम भी अधिक प्रभावशाली रहे हैं।हालाँकि उपलब्धियाँ जितनी उत्साहजनक हैं,चुनौतियाँ भी उतनी ही वास्तविक हैं।सर्वेक्षणों में पाया गया कि बड़ी संख्या में लोग अभी भी रूफटॉप सोलर प्रणाली की तकनीकी कार्यप्रणाली को पूरी तरह नहीं समझते। अनेक परिवार इसे बिजली कटौती के समय बैकअप स्रोत मानते हैं,जबकि सामान्य ग्रिड आधारित प्रणाली बिना बैटरी के ऐसा नहीं कर सकती। इसी प्रकार अनेक संभावित लाभार्थियों को उपलब्ध ऋण सुविधाओं और वित्तीय विकल्पों की जानकारी भी नहीं है। इसलिए योजना के अगले चरण में जागरूकता और तकनीकी परामर्श की भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण हो जाएगी।

पर्यावरणीय दृष्टि से भी इस योजना का महत्व असाधारण है। भारत ने वैश्विक मंचों पर स्वच्छ ऊर्जा विस्तार और कार्बन उत्सर्जन में कमी का संकल्प लिया है। यदि योजना अपने निर्धारित लक्ष्य तक पहुँचती है तो आने वाले वर्षों में अरबों यूनिट हरित बिजली का उत्पादन होगा और करोड़ों टन कार्बन उत्सर्जन कम करने में सहायता मिलेगी।यह केवल सरकारी लक्ष्य नहीं बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ और सुरक्षित पर्यावरण सुनिश्चित करने का प्रयास है।

प्रधानमंत्री सूर्य घर : मुफ्त बिजली योजना के दो वर्षों का मूल्यांकन करते समय यह स्पष्ट दिखाई देता है कि इसकी सफलता का आधार केवल सरकारी वित्तीय सहायता नहीं है।इसकी वास्तविक शक्ति जनविश्वास,तकनीकी विश्वसनीयता और प्रत्यक्ष आर्थिक लाभ में निहित है।जब कोई परिवार अपने बिजली बिल में बचत अनुभव करता है, तब वह स्वयं इस योजना का सबसे प्रभावी प्रचारक बन जाता है।

नशाः राष्ट्र की जड़ों को खोखला करने वाली चुनौती

ललित गर्ग

भारत आज विश्व की सबसे युवा आबादी वाले देशों में अग्रणी है। देश की लगभग 65 प्रतिशत जनसंख्या 35 वर्ष से कम आयु की है। यह युवा शक्ति भारत की सबसे बड़ी सामर्थ्य, सबसे बड़ी पूंजी और उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला है। विज्ञान, तकनीक, उद्योग, शिक्षा, खेल और नवाचार के क्षेत्र में भारत की उपलब्धियों के पीछे इसी युवा शक्ति का योगदान है। किंतु विडंबना यह है कि आज यही युवा वर्ग नशे के बढ़ते जाल में फंसता जा रहा है। नशा अब केवल व्यक्तिगत कमजोरी या स्वास्थ्य संबंधी समस्या नहीं रह गया है, बल्कि यह राष्ट्रीय सुरक्षा, सामाजिक स्थिरता, आर्थिक विकास और सांस्कृतिक मूल्यों के लिए गंभीर चुनौती बन चुका है। देश के विभिन्न भागों में समय-समय पर करोड़ों और अरबों रुपये मूल्य के मादक पदार्थों की बरामदगी यह प्रमाणित करती है कि नशे का कारोबार संगठित अपराध का एक विशाल अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क बन चुका है। विशेष रूप से पंजाब, जम्मू-कश्मीर, राजस्थान, गुजरात तथा पूर्वोत्तर राज्यों में सीमापार से होने वाली तस्करी ने स्थिति को और अधिक गंभीर बना दिया है। सुरक्षा एजेंसियों द्वारा लगातार हेरोइन, अफीम, चरस, कोकीन तथा सिंथेटिक ड्रग्स की बड़ी खेपों को पकड़ा जाना इस बात का संकेत है कि भारत को नशे के बड़े बाजार के रूप में देखा जा रहा है।

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो तथा विभिन्न सरकारी रिपोर्टों के अनुसार देश में लाखों युवा किसी न किसी प्रकार के मादक पदार्थों के सेवन के आदी हैं। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा कराए गए एक व्यापक अध्ययन में यह तथ्य सामने आया था कि करोड़ों भारतीय तंबाकू, शराब और अन्य नशीले पदार्थों का सेवन करते हैं तथा उनमें बड़ी संख्या युवाओं की है। चिंता की बात यह है कि स्कूल और कॉलेज स्तर तक नशे की पहुंच बढ़ रही है। अनेक राज्यों में ऐसे मामले सामने आए हैं, जहां किशोरों को ड्रग्स के वितरण और तस्करी में इस्तेमाल किया गया। नशे के बढ़ते संकट का एक राष्ट्रीय सुरक्षा पक्ष भी है। अनेक सुरक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि पाकिस्तान प्रत्यक्ष युद्ध में लगातार असफल होने के बाद भारत को अस्थिर करने के लिए आतंकवाद, नकली मुद्रा और नशे की तस्करी जैसे छद्म युद्ध के हथियारों का उपयोग करता रहा है। पंजाब में लंबे समय से सीमा पार से ड्रोन और अन्य माध्यमों द्वारा मादक पदार्थों की तस्करी के मामले सामने आते रहे हैं। अब जम्मू-कश्मीर में भी नशे के बढ़ते प्रभाव को इसी व्यापक परिप्रेक्ष्य में देखा जा रहा है। आतंकवाद की कम होती गतिविधियों के बीच नशे का फैलाव एक नए खतरे के रूप में उभर रहा है, जिसका उद्देश्य युवा पीढ़ी को कमजोर करना और समाज की ऊर्जा को नष्ट करना है। इसी संदर्भ में जम्मू-कश्मीर में प्रारंभ किया गया 'नशामुक्त जम्मू-कश्मीर' अभियान महत्वपूर्ण माना जा रहा है। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा के नेतृत्व में चल रहा यह अभियान प्रशासनिक कार्रवाई के साथ-साथ सामाजिक सहभागिता पर भी बल देता है। इसकी सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसमें शैक्षणिक संस्थानों, सामाजिक संगठनों, धार्मिक समूहों तथा आम नागरिकों को जोड़ने का प्रयास किया गया है। कुलगाम सहित कई क्षेत्रों में विभिन्न समुदायों द्वारा इस अभियान को समर्थन दिया जाना इस बात का संकेत है कि नशे जैसी समस्या का समाधान सामूहिक प्रयासों से ही संभव है। वास्तव में नशे का सबसे दुखद और भयावह प्रभाव युवा पीढ़ी पर पड़ता है। युवा जीवन ऊर्जा, सृजन और सपनों का प्रतीक होता है, किंतु नशा इन सभी संभावनाओं को नष्ट कर देता है। एक बार नशे की गिरफ्त में आने के बाद व्यक्ति धीरे-धीरे अपनी शारीरिक क्षमता, मानसिक संतुलन, आर्थिक स्थिति और सामाजिक प्रतिष्ठा खोने लगता है। उसका आत्मविश्वास कमजोर पड़ जाता है और वह अवसाद, तनाव तथा अपराध की दुनिया की ओर बढ़ सकता है। यही कारण है कि नशा केवल व्यक्ति को नहीं, पूरे परिवार को प्रभावित करता है। परिवार की आर्थिक स्थिति बिगड़ती है, पारिवारिक संबंध टूटते हैं और सामाजिक जीवन में अस्थिरता बढ़ती है।

नशे के विस्तार के पीछे केवल तस्करी जिम्मेदार नहीं है। इसके सामाजिक, आर्थिक और मनोवैज्ञानिक कारण भी कम महत्वपूर्ण नहीं हैं। बेरोजगारी, भविष्य की अनिश्चितता, बढ़ती प्रतिस्पर्धा, पारिवारिक तनाव, सामाजिक विघटन, अकेलापन, मानसिक अवसाद और गलत संगति युवाओं को नशे की ओर धकेलती है। आधुनिक उपभोक्तावादी संस्कृति ने भी कृत्रिम सुख और त्वरित आनंद की मानसिकता को बढ़ावा दिया है। जब जीवन में लक्ष्य, दिशा और सकारात्मक प्रेरणा का अभाव होता है, तब व्यक्ति नशे जैसे विनाशकारी विकल्पों की ओर आकर्षित हो सकता है। नशे और अपराध का संबंध भी अत्यंत गहरा है। अनेक अध्ययनों से यह स्पष्ट हुआ है कि चोरी, लूट, हिंसा, सड़क दुर्घटनाओं और अन्य अपराधों के पीछे नशे की भूमिका बढ़ती जा रही है। नशे की डोज प्राप्त करने के लिए युवा अपराध की राह पर उतर जाते हैं। इससे कानून-व्यवस्था प्रभावित होती है और समाज में असुरक्षा का वातावरण बनता है। सरकारें इस चुनौती से निपटने के लिए अनेक स्तरों पर प्रयास कर रही हैं। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो, राष्ट्रीय जांच एजेंसी, सीमा सुरक्षा बल तथा राज्य पुलिस की संयुक्त कार्रवाइयों से कई बड़े ड्रग नेटवर्क ध्वस्त किए गए हैं। पंजाब, राजस्थान, गुजरात और जम्मू-कश्मीर में विशेष अभियान चलाकर तस्करों पर शिकंजा कसा गया है।

इस संदर्भ में सामाजिक और आध्यात्मिक आंदोलनों की भूमिका विशेष रूप से महत्वपूर्ण हो जाती है। कानून भय पैदा कर सकता है, लेकिन जीवन में सकारात्मक परिवर्तन केवल जागरूकता और आत्मानुशासन से ही आता है। आचार्य तुलसी ने अणुव्रत आंदोलन के माध्यम से नशामुक्ति को एक व्यापक सामाजिक अभियान का स्वरूप दिया था। उन्होंने संयम, सदाचार और आत्मनियंत्रण के आधार पर लाखों लोगों को व्यसनमुक्त जीवन की प्रेरणा दी। अनेक क्षेत्रों में उनके अभियान ने उल्लेखनीय परिणाम दिए। आचार्य महाश्रमण ने भी अपनी ऐतिहासिक अहिंसा यात्रा के दौरान भारत और पड़ोसी देशों में लाखों लोगों को नशा त्यागने की प्रेरणा दी। उनकी पदयात्राओं का एक महत्वपूर्ण उद्देश्य समाज में नैतिक चेतना जगाना और युवाओं को व्यसनमुक्त जीवन की ओर प्रेरित करना रहा। हजारों किलोमीटर की यात्राओं में उन्होंने गांव-गांव और शहर-शहर जाकर लोगों को यह संदेश दिया कि नशामुक्ति केवल स्वास्थ्य की सुरक्षा नहीं, बल्कि आत्मविकास, पारिवारिक सुख और राष्ट्र निर्माण का आधार है।

आज आवश्यकता इस बात की है कि नशे के विरुद्ध बहुआयामी रणनीति अपनाई जाए। सीमाओं पर निगरानी और तकनीकी सुरक्षा को और मजबूत किया जाए। ड्रोन के माध्यम से होने वाली तस्करी को रोकने के लिए आधुनिक उपकरणों का उपयोग बढ़ाया जाए। नशा तस्करों के विरुद्ध त्वरित न्यायिक प्रक्रिया सुनिश्चित की जाए ताकि अपराधियों में कानून का भय पैदा हो। स्कूलों और कॉलेजों में नशा विरोधी शिक्षा को नियमित पाठ्यक्रम और गतिविधियों का हिस्सा बनाया जाए। युवाओं के लिए रोजगार, खेल, कौशल विकास और सांस्कृतिक गतिविधियों के अवसर बढ़ाए जाएं ताकि उनकी ऊर्जा सकारात्मक दिशा में प्रवाहित हो सके। इसके साथ ही पुनर्वास केंद्रों की संख्या और गुणवत्ता में भी सुधार आवश्यक है।

आज पंजाब, जम्मू-कश्मीर और अन्य प्रभावित राज्यों के लिए नशामुक्ति केवल सामाजिक सुधार का कार्यक्रम नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा और राष्ट्र निर्माण का विषय बन चुका है। यह लड़ाई केवल सरकार या पुलिस नहीं जीत सकती। परिवार, विद्यालय, धार्मिक संस्थाएं, सामाजिक संगठन, मीडिया और जागरूक नागरिकों को मिलकर इसे जनआंदोलन बनाना होगा। जिस प्रकार स्वच्छ भारत अभियान ने जनभागीदारी से सफलता प्राप्त की, उसी प्रकार नशामुक्त भारत का सपना भी सामूहिक संकल्प और निरंतर प्रयासों से ही साकार हो सकता है। भारत की युवा शक्ति देश की सबसे बड़ी संपदा है। यदि यह शक्ति नशे की गिरफ्त में चली गई तो राष्ट्र की प्रगति बाधित होगी, लेकिन यदि इसे स्वस्थ, संस्कारित, जागरूक और लक्ष्यनिष्ठ बनाया गया तो भारत विश्व के सामने एक नई शक्ति के रूप में उभरेगा। इसलिए नशे के विरुद्ध संघर्ष केवल एक सामाजिक अभियान नहीं, बल्कि राष्ट्र के भविष्य को सुरक्षित करने का संकल्प है।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

अन्नामलाई का नई पार्टी बनाने का निर्णय आवेश में लिया गया फैसला नहीं, लंबे चिंतन का निष्कर्ष दिखाई देता है

नीरज कुमार दुबे

अन्नामलाई ने खुलकर कहा कि उनके भीतर लंबे समय से यह संघर्ष चल रहा था कि वह पहले भारतीय हैं या तमिल। यह बयान केवल भावनात्मक अभिव्यक्ति नहीं, बल्कि तमिलनाडु की राजनीति के उस मूल द्वंद्व को सामने लाता है जिसमें राष्ट्रीय दलों को अक्सर क्षेत्रीय अस्मिता के सामने संघर्ष करना पड़ता है।

तमिलनाडु की राजनीति में एक नया भूचाल उस समय आ गया जब भारतीय जनता पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष के. अन्नामलाई ने पार्टी से इस्तीफा देकर अपने नए राजनीतिक आंदोलन की घोषणा कर दी। यह फैसला तमिलनाडु की जमी हुई राजनीतिक संस्कृति को चुनौती देने वाला एक बड़ा संदेश है। अन्नामलाई ने जिस साफगोई, साहस और वैचारिक दृढ़ता के साथ अपने फैसले को सामने रखा है, उसने यह स्पष्ट कर दिया है कि वह अब किसी दल के सीमित दायरे में नहीं, बल्कि तमिल समाज की व्यापक आकांक्षाओं के प्रतिनिधि के रूप में उभरना चाहते हैं। अन्नामलाई ने खुलकर कहा कि उनके भीतर लंबे समय से यह संघर्ष चल रहा था कि वह पहले भारतीय हैं या तमिल। यह बयान केवल भावनात्मक अभिव्यक्ति नहीं, बल्कि तमिलनाडु की राजनीति के उस मूल द्वंद्व को सामने लाता है जिसमें राष्ट्रीय दलों को अक्सर क्षेत्रीय अस्मिता के सामने संघर्ष करना पड़ता है। उन्होंने बताया कि चार दिसंबर 2025 को ही उन्होंने पार्टी नेतृत्व को इस्तीफे का फैसला बता दिया था, लेकिन उनसे चुनाव तक रुकने का अनुरोध किया गया। इससे यह भी स्पष्ट होता है कि भारतीय जनता पार्टी का शीर्ष नेतृत्व उनकी लोकप्रियता और प्रभाव को लेकर कितना सजग था।

पूर्व पुलिस अधिकारी रहे अन्नामलाई ने भारतीय जनता पार्टी में सकारात्मक बदलाव के उद्देश्य से प्रवेश किया था। उन्होंने कहा कि पार्टी में रहते हुए उन्होंने कभी तमिलनाडु की पहचान से समझौता नहीं किया। पिछले अठारह महीनों में संगठनात्मक मामलों को लेकर उनकी असहमति लगातार बढ़ती गई। यही कारण है कि उन्होंने अब एक स्वतंत्र राजनीतिक रास्ता चुनने का फैसला किया है। यह निर्णय किसी आवेश का परिणाम नहीं, बल्कि लंबे चिंतन और रणनीतिक तैयारी का हिस्सा दिखाई देता है।

अन्नामलाई ने अपने नए आंदोलन ₹वी द लीडर₹ की घोषणा करते हुए साफ कर दिया कि उनका उद्देश्य केवल एक और राजनीतिक दल खड़ा करना नहीं, बल्कि राजनीति की भाषा

और संस्कृति को बदलना है। उन्होंने परिवारवाद और व्यक्तिपूजा की राजनीति पर सीधा हमला बोलते हुए कहा कि किसी भी विधायक, सांसद या मंत्री का पद स्थायी नहीं होना चाहिए। यह बयान तमिलनाडु की उस परंपरागत राजनीति पर करारा प्रहार है जिसमें कुछ परिवारों और सीमित चेहरों के इर्दगिर्द सत्ता घूमती रही है।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि अन्नामलाई ने राजनीति में तकनीकी विशेषज्ञों, युवाओं और सामान्य नागरिकों की भागीदारी पर जोर दिया है। उन्होंने युवाओं से राजनीति में आने की अपील करते हुए कहा कि अब आम आदमी की नई पीढ़ी की राजनीति की नींव रखी जा रही है। यह सोच उन्हें पारंपरिक नेताओं से अलग करती है। देखा जाये तो तमिलनाडु में जहां लंबे समय से भावनात्मक नारों और जातीय समीकरणों के आधार पर राजनीति चलती रही है, वहां अन्नामलाई प्रशासनिक दक्षता, नैतिकता और प्रतिभा आधारित नेतृत्व की बात कर रहे हैं। यही उनकी सबसे बड़ी ताकत बन सकती है।

उनके आंदोलन के अंतर्गत कोयंबटूर में डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम सेंटर फोर एथिक्स एंड पॉलिटिक्स की स्थापना का फैसला भी बताता है कि वह केवल चुनावी राजनीति नहीं, बल्कि वैचारिक और नैतिक प्रशिक्षण की स्थायी व्यवस्था खड़ी करना चाहते हैं। यह दृष्टिकोण तमिलनाडु की राजनीति में एक नई बौद्धिक धारा पैदा कर सकता है। उनके आह्वान के कुछ ही समय बाद हजारों लोगों का उनके राजनीतिक आंदोलन से जुड़ना यह संकेत देता है कि जनता के एक हिस्से में बदलाव की बेचैनी पहले से मौजूद थी।

बताया जा रहा है कि अन्नामलाई ने भाजपा नेतृत्व के सामने दो स्पष्ट विकल्प रखे थे। एक तो उन्हें पर्याप्त स्वायत्तता और अधिकारों के साथ कम से कम सात वर्षों तक प्रदेश नेतृत्व दिया जाए, या फिर उन्हें स्वतंत्र राजनीतिक राह चुनने दी जाए। यह मांग उनके आत्मविश्वास और दूरदृष्टि दोनों को दशार्ती है। साथ ही इस्तीफे का ऐलान करने से पहले दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन से उनकी मुलाकात तथा पार्टी नेतृत्व द्वारा उन्हें मनाने की कोशिश इस बात का प्रमाण है कि अन्नामलाई की अहमियत से भाजपा नेतृत्व वाकिफ है।

वैसे तमिलनाडु की मौजूदा राजनीति भी अन्नामलाई के लिए अवसर लेकर आई है। हालिया विधानसभा चुनावों में द्रविड दलों को झटके लगे और अभिनेता विजय की पार्टी ने अप्रत्याशित सफलता हासिल की। इससे यह स्पष्ट हो गया कि राज्य की जनता अब पारंपरिक राजनीतिक ढांचे से बाहर विकल्प तलाश रही है। अन्नामलाई का मानना है कि राष्ट्रीय दलों के लिए यहां सीमित राजनीतिक जगह है, इसलिए एक मजबूत क्षेत्रीय विकल्प ही जनता की आकांक्षाओं को सही दिशा दे सकता है। उनकी यह समझ राजनीतिक रूप से बेहद व्यावहारिक और दूरदर्शी मानी जा रही है।

उधर, भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष ने भले ही कहा हो कि अन्नामलाई के जाने से पार्टी को कोई नुकसान नहीं होगा, लेकिन राजनीतिक वास्तविकता इससे अलग दिखाई देती है। अन्नामलाई ने तमिलनाडु में भाजपा को ऊर्जा, आक्रामकता और जनस्वीकार्यता दी थी। अब उनके अलग होने से भाजपा के सामने नेतृत्व और जनाधार दोनों की चुनौती खड़ी होगी। दूसरी ओर, अन्नामलाई यदि अपने आंदोलन को संगठित ढंग से आगे बढ़ाते हैं तो वह तमिलनाडु की राजनीति में तीसरी शक्ति के रूप में तेजी से उभर सकते हैं।

बहरहाल, यह स्पष्ट है कि अन्नामलाई ने केवल पार्टी नहीं छोड़ी, बल्कि तमिलनाडु की राजनीति को नई दिशा देने की चुनौती स्वीकार की है। उनकी राजनीति में साहस है, वैचारिक स्पष्टता है और बदलाव की बेचैनी भी है। आने वाले वर्षों में यह देखना बेहद दिलचस्प होगा कि क्या उनका यह आंदोलन तमिलनाडु की राजनीति में वैसा ही परिवर्तन ला पाएगा जिसकी वह कल्पना कर रहे हैं। फिलहाल इतना तय है कि अन्नामलाई ने राजनीति के मैदान में एक नई बहस छेड़ दी है और इस बहस को नजरअंदाज कर पाना किसी के लिए आसान नहीं होगा।

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान में फ्रांसीसी महिला से गैंगरेप करने वाले 2 दोषियों की फांसी की सजा बरकरार

लाहौर, एजेंसी। पाकिस्तान की लाहौर हाईकोर्ट ने 2020 के चर्चित मोटरवे गैंगरेप केस में दो दोषियों की फांसी की सजा बरकरार रखी है। दोषियों ने फ्रेंच महिला पर्यटक को उसके तीन बच्चों के सामने कार से बाहर निकालकर गन पॉइंट पर गैंगरेप किया था। मार्च 2021 में एंटी टेररिज्म कोर्ट ने दोनों को गैंगरेप, अपहरण, लूट और आतंकवाद से जुड़े आरोपों में दोषी ठहराते हुए फांसी की सजा सुनाई थी। इसके बाद दोनों आरोपियों ने लाहैर हाईकोर्ट में फैसले के खिलाफ अपील की। अब लाहौर हाईकोर्ट ने दोषी आबिद अली और शफकत अली की अपील खारिज कर दी है। यह घटना सितंबर 2020 में सियालकोट–लाहौर मोटरवे पर हुई थी। फ्रांसीसी मूल की महिला अपने तीन बच्चों के साथ सफर कर रही थी, तभी उसकी कार का पेट्रोल खत्म हो गया। जांच के मुताबिक, महिला कार के अंदर मदद का इंतजार कर रही थी। इसी दौरान आरोपियों ने कार का शीशा तोड़ा, महिला को बाहर घसीटा और बंदूक की नोक पर बच्चों के सामने गैंगरेप किया। आरोपियों ने नकदी, गहने और बैंक कार्ड भी लूट लिए थे।

ट्रेनिंग के दौरान ब्रिटिश नेवी का हेलिकॉप्टर क्रैश, तीन सैनिकों की मौत

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन की रॉयल नेवी का एक हेलिकॉप्टर बुधवार को ट्रेनिंग के दौरान क्रैश हो गया। हादसे में हेलिकॉप्टर में सवार तीन सैनिकों की मौत हो गई। यह दुर्घटना इंग्लैंड के डेवोन इलाके में सुबह करीब 4 बजे हुई, जब हेलिकॉप्टर एक खेत में गिरा। रॉयल नेवी के प्रमुख जनरल ग्विन जेनकिंस ने कहा कि मर्लिन एमके–4 हेलिकॉप्टर में सवार तीन क्रू मेंबर इस हादसे में जान गंवा बैठे। हादसा कैसे हुआ, इसका अभी पता नहीं चल पाया है। मामले की जांच जारी है। रॉयल नेवी के मुताबिक मर्लिन एमके–4 हेलिकॉप्टर में आमतौर पर चार लोग सवार होते हैं और यह 24 सैनिकों को ले जा सकता है। इसका इस्तेमाल समुद्र में गश्त, बचाव अभियान, सामान पहुंचाने और पनडुब्बियों की निगरानी जैसे कामों में किया जाता है। ब्रिटेन के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि मृत जवानों के परिवारों को घटना की जानकारी दे दी गई है। ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने इस हादसे को बेहद दुखद बताया और जवानों के परिवारों के प्रति संवेदना जताई।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की सीट नहीं मिलने के पीछे रूस का विरोध : जर्मन विदेश मंत्री

वाशिंगटन डीसी, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की अस्थायी सदस्यता के चुनाव में जर्मनी को हार का सामना करना पड़ा है। जर्मन विदेश मंत्री योहान वाडेफुल ने इस नतीजे को 'कड़वी हार' बताते हुए कहा कि यूक्रेन और इजराइल के समर्थन में जर्मनी के रुख तथा रूस के विरोध की वजह से उसे पर्याप्त समर्थन नहीं मिल सका। बुधवार को हुए मतदान में पश्चिमी यूरोपीय और अन्य देशों के समूह की दो सीटों के लिए चुनाव हुआ। इसमें पुर्तगाल को 134 और ऑस्ट्रिया को 131 वोट मिले, जबकि जर्मनी को केवल 104 वोट मिले। वाडेफुल ने कहा कि रूस नहीं चाहता था कि जर्मनी की आवाज सुरक्षा परिषद तक पहुंचे। उन्होंने आरोप लगाया कि रूस ने जर्मनी के खिलाफ माहौल बनाने की कोशिश की। हालांकि, रूस ने इन आरोपों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। जर्मन विदेश मंत्री ने यह भी कहा कि मध्य पूर्व संघर्ष में इजराइल के प्रति जर्मनी की विशेष जिम्मेदारी और उसके समर्थन का भी चुनावी परिणाम पर असर पड़ा हो सकता है। उन्होंने कहा कि जर्मनी कई मुद्दों पर स्पष्ट और सिद्धांत आधारित रुख अपनाता है, जिससे सभी सदस्य देश सहमत नहीं होते। चुनाव में किर्गिस्तान, त्रिनिदाद और टोबैगो तथा जिम्बाब्वे भी सुरक्षा परिषद के नए अस्थायी सदस्य चुने गए। जर्मनी की हार को चांसलर फ्रेडरिक मर्ज के लिए एक झटका माना जा रहा है। विपक्षी दलों का कहना है कि मर्ज अंतरराष्ट्रीय मंच पर जर्मनी की भूमिका मजबूत करने का केवल दावा करते रहे हैं। दूसरी ओर मर्ज ने चुनाव परिणाम को स्वीकार करते हुए ऑस्ट्रिया और पुर्तगाल को बधाई दी और कहा कि जर्मनी बहुपक्षीय व्यवस्था का भरोसेमंद स्तंभ बना रहेगा।

डोनाल्ड ट्रंप ने किया टॉड ब्लैंच को अटॉर्नी जनरल बनाने का एलान

वाशिंगटन, एजेंसी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को घोषणा की कि वह टॉड ब्लैंच को अटॉर्नी जनरल के पद पर नामित करेंगे। ब्लैंच, जो ट्रंप के पूर्व निजी वकील रह चुके हैं, ने कार्यवाहक भूमिका में न्याय विभाग का नेतृत्व करते हुए रिपब्लिकन राष्ट्रपति के एजेंडे को आक्रामक रूप से आगे बढ़ाया है। व्हाइट हाउस में एक रात्रिभोज के दौरान, ट्रंप ने कहा कि उनकी योजना गुरुवार को औपचारिक रूप से ब्लैंच को नामित करने की है। यह जानकारी व्हाइट हाउस के एक सहायक द्वारा सोशल मीडिया पर साझा किए गए एक वीडियो के अनुसार है।

ट्रंप के खिलाफ बागी हुए उनके ही सांसद, विपक्षी दल से मिलाया हाथ; अब रुकेगा ईरान युद्ध?

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को बड़ा झटका लगा है। अमेरिकी प्रतिनिधि सभा ने एक ऐसा प्रस्ताव पास कर दिया है, जो ईरान के खिलाफ चल रहे युद्ध में ट्रंप की शक्तियों को सीमित कर देगा। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि इस प्रस्ताव को पास कराने के लिए ट्रंप की अपनी रिपब्लिकन पार्टी के सांसदों ने भी बगावत कर दी और विपक्षी दल डेमोक्रेट्स के साथ मिलकर वोट किया।

क्या है प्रस्ताव में और कैसे हुई वोटिंग : प्रतिनिधि सभा में इस 'वॉर पॉवर्स रेजोल्यूशन' (युद्ध शक्ति प्रस्ताव) के पक्ष में 215 और विरोध में 208 वोट पड़े। ट्रंप के लिए सबसे बड़ी चिंता की बात यह रही कि चार रिपब्लिकन सांसदों ने पार्टी लाइन से हटकर डेमोक्रेट्स के पक्ष में वोट किया। वहीं, किसी भी डेमोक्रेट सांसद ने इस प्रस्ताव के खिलाफ वोट नहीं किया।

ट्रंप को क्या निर्देश : इस प्रस्ताव के तहत राष्ट्रपति ट्रंप को साफ निर्देश दिया गया है कि जब तक अमेरिकी संसद (कांग्रेस) औपचारिक तौर पर युद्ध की घोषणा नहीं करती या सैन्य बल के इस्तेमाल की मंजूरी नहीं देती, तब तक अमेरिकी सैनिकों को ईरान से वापस बुलाया जाए। प्रस्ताव के प्रायोजक प्रतिनिधि ग्रेगरी मीक्स ने इसे एक 'बड़ा टर्निंग पॉइंट' बताते हुए कहा कि अब रिपब्लिकन सांसद भी उन स्थानीय लोगों की आवाज सुन रहे हैं, जो मिडिल ईस्ट में एक और अंतहीन युद्ध नहीं चाहते।

क्या अब सच में रुक जाएगा ईरान युद्ध : भले ही यह प्रस्ताव पास हो गया है, लेकिन इसे फिलहाल 'प्रतीकात्मक' ही माना जा रहा है। इसे कानून बनने और पूरी तरह लागू होने के लिए अभी सीनेट से भी पास होना होगा। सबसे बड़ी बाधा खुद व्हाइट हाउस है, क्योंकि राष्ट्रपति ट्रंप के पास वीटो का अधिकार है जिससे वह इस बिल को ब्लॉक कर सकते हैं।

हालांकि, यह वोटिंग दिखाती है कि तीन महीने से चल रहे इस युद्ध को लेकर खुद रिपब्लिकन पार्टी में कितनी चिंता बढ़ गई है। बता दें कि इसी साल 28 फरवरी को अमेरिका और इजरायल ने ईरान पर संयुक्त हमले शुरू किए थे, जिसके बाद जून में अब यह युद्ध अपने चौथे महीने में प्रवेश कर चुका है।

इन फैसलों पर भी ट्रंप के खिलाफ गए अपने ही सांसद : ईरान युद्ध ही नहीं, कई अन्य मुद्दों पर भी रिपब्लिकन सांसद ट्रंप के खिलाफ खड़े नजर आ रहे हैं।

यूक्रेन को सैन्य मदद: प्रतिनिधि सभा ने 'यूक्रेन सपोर्ट एक्ट' पर वोटिंग का रास्ता साफ कर दिया है। रूस के खिलाफ लड़ रहे यूक्रेन को सैन्य मदद देने वाले इस कदम के समर्थन में भी 6 रिपब्लिकन और एक निर्दलीय सांसद ने वोट किया।

वेपनाइजेशन' फंड का विरोध: राजनीतिक सहयोगियों को फायदा पहुंचाने के लिए ट्रंप द्वारा बनाए जा रहे 'वेपनाइजेशन' फंड की योजना के खिलाफ भी रिपब्लिकन सांसदों ने बगावत की। खुफिया प्रमुख की नियुक्ति पर नाराजगीः बिल पुल्टे को नेशनल इंटेलिजेंस का कार्यवाहक निदेशक बनाने पर भी रिपब्लिकन सांसदों ने ट्रंप की तीखी आलोचना की है। सांसदों का कहना है कि पुल्टे के पास राष्ट्रीय सुरक्षा का कोई अनुभव नहीं है।

चुनाव से पहले विपक्ष को मिला बड़ा हथियार : डेमोक्रेट्स का कहना है कि अमेरिकी संविधान के मुताबिक सिर्फ संसद ही युद्ध की घोषणा कर सकती है, राष्ट्रपति नहीं। विपक्ष ने आरोप लगाया है कि बिना किसी साफ रणनीति के ट्रंप ने देश को एक लंबे युद्ध में धकेल दिया है।

इस युद्ध का असर अमेरिकी अर्थव्यवस्था पर भी दिख रहा है। युद्ध शुरू होने के बाद से ही अमेरिका में गैस, खाने-पीने की चीजों और अन्य उत्पादों की कीमतें आसमान छूने लगी हैं। अप्रैल में थोक महंगाई दर चार साल के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई। नवंबर में होने वाले मिडटर्म चुनाव से पहले डेमोक्रेट्स ने इस महंगाई को अपना सबसे बड़ा चुनावी मुद्दा बना लिया है।

दूसरी तरफ, ट्रंप प्रशासन लगातार इस बात पर अड़ा है कि अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए और ईरान को परमाणु हथियार बनाने से रोकने के लिए यह युद्ध बेहद जरूरी है। वहीं, रिपब्लिकन समर्थकों का कहना है कि डेमोक्रेट्स यह सब सिर्फ राजनीतिक फायदे और ट्रंप को कमजोर करने के लिए कर रहे हैं।

कुवैत ने मिसाइल और ड्रोन हमलों को किया नष्ट, ईरान का अमेरिकी बेस पर हमले का दावा

कुवैत सिटी, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच जारी शांतिवार्ता खटाई में पड़ती जा रही है. एक बार फिर दोनों देशों के बीच शांति प्रयासों के बीच तनाव बढ़ता जा रहा है. जानकारी के मुताबिक ईरान ने बुधवार 3 जून को कुवैत और बहरीन में अमेरिकी सेना के ठिकानों को निशाना बनाया. ड्रोन और मिसाइलों से जमकर हमले किए. वहीं, जवाबी कार्रवाई में अमेरिकी सेना ने भी ईरान के कुछ ठिकानों पर बमबारी की.

दोनों देशों के हालातों पर बात करते हुए एक कुवैती आर्मी के जनरल स्टाफ ने कंफर्म किया कि लोगों ने जिन धमाकों की रिपोर्ट की है, वे सीधे तौर पर टैक्टिकल यूनिट्स के डिफेंसिव ऑपरेशन से जुड़े थे, जो आने वाले वेक्टर्स को न्यूट्रलाइज कर रहे थे. मिलिट्री कमांड ने पुष्टि करते हुए कहा कि कुवैती एयर डिफेंस अभी दुश्मन के मिसाइल और ड्रोन हमलों का सामना कर रहे हैं. आर्मी के जनरल स्टाफ ने कहा कि अगर धमाके की आवाजें सुनाई देती हैं, तो वे एयर डिफेंस सिस्टम के दुश्मन के हमलों को रोकने का नतीजा हैं.

अमेरिकी सेंट्रल कमांड के अधिकारी ने बताया कि तेहरान के ड्रोन और मिसाइलों से किए हमले सफल नहीं हुए. उन्हें बीच रास्ते में ही नष्ट कर दिया गया. वे अपने लक्ष्य तक नहीं पहुंच सके. बता दें, बहरीन पर भी 3 मिसाइलें दागी गईं, लेकिन

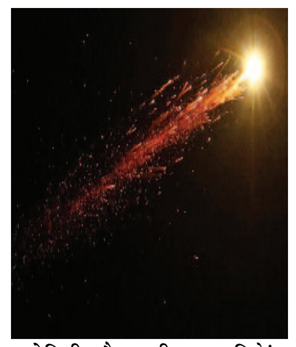

अमेरिकी और बहरीन एयर डिफेंस सिस्टम ने सभी को इंटरसेप्ट कर लिया. सुरक्षा प्रोटोकॉल को मजबूत करते हुए, रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता कर्नल सऊद अब्दुलअजीज अल-ओतैबी ने नागरिकों और विदेशी निवासियों, दोनों से बहुत ज्यादा सावधानी बरतने और कोई भी अजीब मलबा मिलने पर तुरंत 112 हॉटलाइन पर इमरजेंसी सर्विस को बताने की अपील की.

कर्नल अल-ओतैबी ने लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की, और कहा कि वे सिर्फ सरकार के मंजूर इन्फॉर्मेशन नेटवर्क से ही खबरों की पुष्टि करें और सुरक्षा के नियमों का सख्ती से पालन करें. मिलिट्री लीडरशिप ने इस निर्देश पर फिर से जोर देते हुए कहा कि आर्मी का जनरल स्टाफ सभी से सहयोग करने और सभी की सुरक्षा और सेफ्टी बनाए रखने के लिए जारी गाइडलाइंस का पालन करने की अपील करता है. बता दें, हमले के बाद पूरे कुवैत में अलार्म बज रहे हैं।

ईरान के परमाणु हथियार प्रदर्शन की चेतावनी वाली खबरों को रुबियो ने बताया बेबुनियाद

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने उन खबरों को खारिज कर दिया है जिनमें दावा किया गया था कि पाकिस्तान ने अमेरिका को एक संदेश भेजकर चेतावनी दी थी कि अगर मौजूदा संघर्ष और बढ़ा, तो ईरान अपनी परमाणु क्षमता का प्रदर्शन कर सकता है। रुबियो ने साफ कहा कि ट्रंप प्रशासन तक ऐसा कोई संदेश नहीं पहुंचा था। यह मामला बुधवार (स्थानीय समयानुसार) को हाउस फॉरेन अफेयर्स कमेटी की सुनवाई के दौरान सामने आया। प्रतिनिधि स्कॉट पेरी ने रुबियो से पूछा कि क्या पाकिस्तान के विदेश मंत्री ने उन्हें व्यक्तिगत रूप से यह संदेश दिया था कि यदि तनाव और बढ़ता है, तो ईरान परमाणु हथियार होने का प्रदर्शन करने के लिए तैयार है। ऐसी खबरें सार्वजनिक रूप से सामने आई हैं। इस पर रुबियो ने दावे को नकार दिया।

उन्होंने कहा, 'मैंने ऐसी कोई रिपोर्ट नहीं देखी है और मुझे ऐसे किसी संदेश की जानकारी भी नहीं है।' जब पेरी ने दोबारा सवाल किया और मीडिया रिपोर्टों का हवाला दिया, तब भी रुबियो ने इस बात से खुद को अलग रखा। उन्होंने कहा, 'अगर ऐसा कोई संदेश भेजा गया होता, तो मुझे हैरानी होती। अगर ऐसा हुआ होता, तो मुझे इसकी जानकारी जरूर होती।' यह बातचीत उस समय हुई जब कांग्रेस में ईरान के साथ चल रही बातचीत को लेकर भी सवाल पूछे जा रहे थे। कई महीनों के सैन्य तनाव के बाद अमेरिका एक नए समझौते की कोशिश कर रहा है, जिसका उद्देश्य ईरान की परमाणु गतिविधियों पर सीमाएं तय करना है। पेरी ने यह भी पूछा कि अगर कूटनीतिक बातचीत विफल हो जाती है और ईरान परमाणु क्षमता का प्रदर्शन करने या परीक्षण करने की धमकी देता है, तो प्रशासन की प्रतिक्रिया क्या होगी। रुबियो ने कहा कि ऐसा कदम ईरान की मंशा को लेकर पहले से मौजूद चिंताओं को सही साबित करेगा। उन्होंने कहा कि? मुझे लगता है कि इससे वही साबित होगा जो हम पहले से उनके बारे में मानते रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति में राष्ट्रपति को दूसरे विकल्पों पर विचार करना पड़ सकता है। रुबियो ने कहा, 'मुझे लगता है कि तब राष्ट्रपति को इस परिस्थिति में उपलब्ध दूसरे विकल्पों पर आगे बढ़ना होगा।

बेरूत पर हमला हुआ तो ईरान सैन्य जवाब देने को तैयार : अराघची

तेहरान, एजेंसी। ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने चेतावनी दी है कि अगर इजरायल बेरूत पर हमला करता है, तो ईरान जवाबी कार्रवाई करेगा। उन्होंने कहा कि तेहरान ने सभी पक्षों को साफ बता दिया है कि वह लेबनान की राजधानी पर किसी भी हमले को बर्दाश्त नहीं करेगा और ऐसा कदम फिर से युद्ध शुरू होने की वजह बन सकता है। बुधवार को (स्थानीय समयानुसार) लेबनान के टीवी चैनल अल मयादीन को दिए गए एक इंटरव्यू में अराघची ने कहा कि ईरान की सेना पूरी तरह तैयार है और अगर बेरूत पर हमला होता है तो वह इजरायल के खिलाफ कार्रवाई कर सकती है। सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, अराघची ने आरोप लगाया कि इजरायल ने हाल के दिनों में ईरान और लेबनान दोनों जगह युद्धविराम

का उल्लंघन किया है। उन्होंने कहा कि मौजूदा संघर्ष में ईरान और लेबनान की स्थिति एक-दूसरे से जुड़ी हुई है, इसलिए किसी भी युद्धविराम या समझौते में दोनों देशों को शामिल किया जाना चाहिए।

उन्होंने बताया कि तेहरान और वॉशिंगटन के बीच संदेशों के आदान-प्रदान के जरिए बातचीत जारी है, लेकिन अभी तक कोई बड़ी प्रगति नहीं हुई है। दोनों पक्ष आपस में भेजे गए मसौदों की समीक्षा कर रहे हैं और अंतिम समझौते का रूप तैयार करने की कोशिश कर रहे हैं।

उन्होंने दोहराया कि ईरान 'सम्मान और गरिमा पर आधारित शांति और सुरक्षा' चाहता है और युद्ध नहीं चाहता। उन्होंने कहा कि तेहरान ने बातचीत के प्रस्तावों का सकारात्मक जवाब दिया है, हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि ईरान की सेना किसी भी समय फिर से सैन्य अभियान शुरू करने के लिए तैयार है और लंबे समय तक युद्ध लड़ने की क्षमता रखती है।

पिछले कुछ हफ्तों में ईरान और अमेरिका ने पाकिस्तान की मध्यस्थता के जरिए शांति की शर्तों से जुड़े कई प्रस्तावों का आदान-प्रदान किया है। दोनों देश युद्ध खत्म करने के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) को अंतिम रूप देने पर काम कर रहे हैं। ईरान की अर्ध-सरकारी समाचार एजेंसी तस्नीम ने सोमवार को रिपोर्ट दी थी कि लेबनान में इजरायल की ताजा कार्रवाइयों के विरोध में तेहरान ने वॉशिंगटन के साथ मध्यस्थों के जरिए संदेशों का आदान-प्रदान रोक दिया है। कुछ ही घंटों बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस खबर का खंडन करते हुए कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत तेजी से जारी है।

कैपिटल हिंसा मामले में दोषी व्यक्ति पेंटागन में नियुक्त

पेंटागन, एजेंसी। अमेरिका में 6 जनवरी 2021 को कैपिटल भवन पर हुए हमले के मामले में दोषी ठहराए गए एक व्यक्ति को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने पेंटागन में महत्वपूर्ण पद पर नियुक्त किया है। इस फैसले को लेकर राजनीतिक विवाद शुरू हो गया है। पेंटागन के अनुसार, एलियास इरिजारी को रक्षा विभाग के नीति कार्यालय में राजनीतिक नियुक्ति के तहत जिम्मेदारी दी गई है। यह कार्यालय रक्षा मंत्री को राष्ट्रीय सुरक्षा, सैन्य रणनीति और रक्षा योजनाओं से जुड़े मामलों में सलाह देता है। इरिजारी 6 जनवरी 2021 को अमेरिकी संसद भवन (कैपिटल) पर हुए हमले में शामिल था। उस समय वह दक्षिण कैरोलिना के एक सैन्य कॉलेज का छात्र था। अदालत के दस्तावेजों के अनुसार, वह टूटी हुई खिड़की से कैपिटल भवन में दाखिल हुआ, परिसर के अंदर घूमता रहा और तस्वीरें भी लीं। बाद में उसने अवैध प्रवेश के आरोप को स्वीकार कर लिया था। साल 2023 में अदालत ने उसे अवैध रूप से प्रवेश करने के मामूली अपराध में 14 दिन की जेल की सजा सुनाई थी। सजा से पहले उसने अदालत में अपने किए पर पछतावा जताते हुए कहा था कि उसके कार्यों से उसे, उसके परिवार और देश को शर्मिंदगी उठानी पड़ी।

पेंटागन के कार्यवाहक प्रेस सचिव ने कहा कि इरिजारी एक योग्य और देशभक्त युवा पेशेवर हैं तथा विभाग को उनकी नियुक्ति पर गर्व है। हालांकि, इस फैसले की आलोचना भी हो रही है। सीनेट की खुफिया समिति के वरिष्ठ डेमोक्रेट सदस्य मार्क वार्नर ने सवाल उठाया कि कैपिटल हिंसा में दोषी व्यक्ति को राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े कार्य कैसे सौंपे जा सकते हैं। यह पहला मामला नहीं है। ट्रंप प्रशासन में कैपिटल हमले से जुड़े अन्य लोगों को भी सरकारी पद दिए गए हैं। जनवरी में व्हाइट हाउस लौटने के बाद ट्रंप ने 6 जनवरी हमले से जुड़े लगभग 1,600 आरोपियों के मामलों में माफी, सजा में राहत या मुकदमे खत्म करने जैसे कदम उठाए थे। इससे यह मुद्दा अमेरिकी राजनीति में फिर चर्चा का विषय बन गया है।

जी-7 शिखर सम्मेलन में शामिल होंगे राष्ट्रपति ट्रंप : वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पुष्टि की है कि वह इस महीने फ्रांस में होने वाले जी-7 शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे। यह सम्मेलन 15 से 17 जून तक फ्रांस के एवियन-ले-बैंस शहर में आयोजित किया जाएगा। ऐसे समय में यह बैठक हो रही है, जब ईरान को लेकर अमेरिका और उसके पारंपरिक सहयोगी देशों के बीच मतभेद बढ़े हुए हैं। ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर अपनी यात्रा की जानकारी साझा की। उन्होंने कहा कि वह 14 जून को व्हाइट हाउस परिसर में आयोजित होने वाली यूएफसी विश्व चैंपियनशिप फाइट्स देखने के बाद सीधे फ्रांस रवाना होंगे। ट्रंप ने इस आयोजन को अमेरिकी इतिहास की सबसे मनोरंजक रातों में से एक बताया। हाल के दिनों में ट्रंप ने जर्मनी, फ्रांस और ब्रिटेन जैसे प्रमुख जी-7 देशों की आलोचना की थी। इसी कारण शुरुआत में उनके जी-7 सम्मेलन में शामिल होने को लेकर अनिश्चितता बनी हुई थी। यह सम्मेलन ट्रंप के लिए खास माना जा रहा है, क्योंकि फरवरी में अमेरिका और इस्राइल द्वारा ईरान के खिलाफ संयुक्त सैन्य अभियान शुरू किए जाने के बाद यह पहली बार होगा जब वह कई वैश्विक नेताओं से आमने-सामने मुलाकात करेंगे।

इमरान खान की रिहाई को लेकर उनकी ही पार्टी में बगावत, कई विधायक बोले- बयानबाजी से नहीं आएंगे जेल से बाहर

पेशावर, एजेंसी। पाकिस्तान की सत्तारूढ़ पार्टी पाकिस्तान तारीक-ए-इंसाफ में आंतरिक कलह खुलकर सामने आ गई है। खैबर पख्तूनख्वा के कई नाराज विधायकों ने पार्टी नेतृत्व पर तीखा हमला बोलते हुए जेल में बंद संस्थापक इमरान खान की रिहाई के लिए प्रभावी प्रयास नहीं करने का आरोप लगाया है।

विधायकों ने की आपात बैठक : डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, हालिया कैबिनेट विस्तार में पद नहीं मिलने से नाराज विधायकों ने पेशावर में एक आपात बैठक की और पार्टी अध्यक्ष बैरिस्टर गोहर अली को एक पत्र भेजा। पत्र में कहा गया कि इमरान खान की रिहाई और उनके स्वास्थ्य को लेकर पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों में गहरी चिंता है।

पार्टी नेतृत्व पर क्या आरोप लगे : विधायकों ने आरोप लगाया कि इमरान खान की रिहाई के लिए चलाया जा रहा आंदोलन केवल बयानबाजी, सीमित विरोध प्रदर्शनों और प्रतीकात्मक गतिविधियों तक सिमटकर रह गया है। उन्होंने नेतृत्व से अधिक प्रभावी, संगठित और परिणाम देने वाली नई रणनीति बनाने की मांग की।

खैबर पख्तूनख्वा सरकार के कामकाज पर उठे सवाल : पत्र में खैबर पख्तूनख्वा सरकार के कामकाज पर भी गंभीर सवाल उठाए गए। विधायकों ने भ्रष्टाचार, भाई-भतीजावाद, संसाधनों के कथित अनुचित वितरण और निर्वाचित प्रतिनिधियों से बिना सलाह लिए फैसले करने के आरोप लगाए। उन्होंने प्रशासन में

पारदर्शिता, योग्यता आधारित व्यवस्था और संस्थागत अनुशासन लागू करने की मांग की।

नाराज नेताओं ने स्पष्ट किया कि वे इमरान खान की विचारधारा और पार्टी के विजन के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं व किसी गुट या व्यक्ति विशेष के एजेंडे का हिस्सा नहीं हैं। साथ ही उन्होंने इमरान खान समेत जेल में बंद पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं के लिए प्रभावी कानूनी सहायता तथा उनके परिवारों के समर्थन की व्यवस्था करने की भी मांग की।

कैबिनेट में जगह नहीं मिलने से विधायक असंतुष्ट : रिपोर्ट के मुताबिक, करीब 20 विधायक कैबिनेट में जगह नहीं मिलने से असंतुष्ट हैं। इन विधायकों ने मुख्यमंत्री सोहेल अफरीदी द्वारा बुलाई गई संसदीय बैठक का बहिष्कार किया और इसके बजाय रावलपिंडी स्थित अदियाला जेल के बाहर प्रदर्शन करने पहुंचे। वहीं, पार्टी अध्यक्ष बरिस्टर गोहर अली ने फिलहाल इस आंतरिक विरोध पर सार्वजनिक प्रतिक्रिया नहीं दी है। बताया जा रहा है कि वे इन दिनों पाकिस्तान-अधिकृत गिलगित-बाल्टिस्तान में पार्टी के चुनाव अभियान में व्यस्त हैं।

स्थानीय चुनाव में 12 प्रांत जीते, फिर भी अधूरी रही खुशी; सियोल में मात खा गई ली की पार्टी

सियोल, एजेंसी। दक्षिण कोरिया में बुधवार को हुए स्थानीय चुनावों में राष्ट्रपति ली जे म्युंग की सत्तारूढ़ डेमोक्रेटिक पार्टी ने अधिकांश सीटों पर जीत दर्ज की। लेकिन राजधानी सियोल के मेयर पद की सबसे अहम लड़ाई हार गई। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, यह परिणाम राष्ट्रपति ली के लिए मिला-जुला संदेश है, क्योंकि उनकी पार्टी ने बड़ी सफलता हासिल की, लेकिन सबसे प्रतिष्ठित चुनावी मुकाबला गंवा दिया।

डेमोक्रेटिक पार्टी ने 12 पदों पर जीत हासिल की : करीब सभी मतों की गिनती पूरी होने तक डेमोक्रेटिक पार्टी ने 16 में से 12 मेयर और प्रांतीय गवर्नर पदों पर जीत दर्ज की। वहीं मुख्य विपक्षी पीपल पावर पार्टी (क्क्क) ने चार सीटें जीतीं, जिनमें सियोल मेयर का पद भी शामिल है। डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता जंग चुंग-राय ने सियोल में हार को दर्दनाक बताया, हालांकि अन्य क्षेत्रों में मिली जीत के लिए मतदाताओं का आभार जताया।

राष्ट्रपति ली के एक वर्ष पूरे होन के दिन हुआ चुनाव : यह चुनाव राष्ट्रपति ली के कार्यकाल का एक वर्ष पूरा होने के दिन हुआ। ली को अभी भी 60 प्रतिशत से अधिक जनसमर्थन प्राप्त है। उनकी सरकार को अमेरिका और जापान के साथ संबंधों को संतुलित रखने वाली व्यावहारिक कूटनीति, मजबूत शेयर बाजार और सरकारी फैसलों में पारदर्शिता बढ़ाने के प्रयासों का लाभ मिला है।

सियोल पर किसने जीत हासिल की : हालांकि सियोल मेयर पद पर डेमोक्रेटिक पार्टी के उम्मीदवार चोंग वोन-ओ शुरुआती रुझानों में आगे थे, लेकिन मतगणना आगे बढ़ने के साथ मौजूदा मेयर ओह से-हून ने बढ़त बना ली और अंततः जीत दर्ज की।

जीत के बाद ओह से-हून ने कहा कि सियोल के नागरिकों ने यह सुनिश्चित किया है कि देश किसी एक दिशा में अत्यधिक न झुके और लोकतंत्र का संतुलन बना रहे। वहीं डेमोक्रेटिक पार्टी के उम्मीदवार चोंग वोन-ओ ने हार स्वीकार करते हुए कहा कि वे जनता के फैसले को विनम्रता से स्वीकार करते हैं।

चुनाव के दौरान क्या गड़बड़ी हुई : चुनाव के दौरान सियोल के कुछ मतदान केंद्रों पर मतपत्रों की कमी के कारण मतदान अस्थायी रूप से रोकना पड़ा, जिसके बाद विवाद खड़ा हो गया। पीपीपी ने इस घटना को मतदाताओं के अधिकारों का उल्लंघन बताते हुए जांच के आधार पर दोबारा चुनाव कराने की मांग की, जबकि डेमोक्रेटिक पार्टी ने इसे खारिज कर दिया।

सबसे चर्चा में किसकी जीत रही : इस बीच, संसद के उपचुनावों में भी डेमोक्रेटिक पार्टी ने 14 में से नौ सीटें जीतकर अपनी संसदीय बढ़त और मजबूत कर ली। हालांकि सबसे चर्चित जीत पूर्व पीपीपी नेता हान डोंग-हून की रही, जिन्होंने निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में बुसान से जीत दर्ज की। हान डोंग-हून ने जीत के बाद कहा कि वे दक्षिण कोरिया के रूढ़िवादी खेमे का पुनर्निर्माण करेंगे और सरकार पर लोकतांत्रिक संतुलन बनाए रखने का दबाव बनाए रखेंगे। विशेषज्ञों का मानना है कि स्थानीय स्तर पर डेमोक्रेटिक पार्टी की बढ़ती पकड़ राष्ट्रपति ली को क्षेत्रीय नीतियों को लागू करने में मदद करेगी, लेकिन सियोल की हार यह संकेत देती है कि विपक्ष अभी भी देश की राजनीति में महत्वपूर्ण ताकत बना हुआ है।

कैलिफोर्निया में 10 लोगों को बंधक बनाया, FBI ने संदिग्ध को किया ढेर

बेकर्सफील्ड , एजेंसी। अमेरिका के कैलिफोर्निया राज्य के बेकर्सफील्ड शहर में एक व्यक्ति ने कार्यालय भवन के भीतर 10 लोगों को बंधक बना लिया। यह गतिरोध 15 घंटे से अधिक समय तक चला। पुलिस के अनुसार, संदिग्ध ने बैंक भवन में खुद को लोगों के साथ बंद कर लिया था। घटना की सूचना बम की धमकी मिलने के बाद मिली थी। बुधवार तड़के एफबीआई की कार्रवाई के दौरान संदिग्ध मारा गया। पुलिस ने बताया कि सभी बंधकों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया और किसी को चोट नहीं पहुंची। मामले की जांच जारी है।

हल्दी एवं अदरक प्रसंस्करण विधियां

खुदाई करने से 2 दिन पूर्व खेत की हल्की सिंचाई कर दी जाती है और फिर जुताई करके अथवा दांतेदार यंत्र की मदद से खुदाई की जाती है। हल्दी के पूर्ण विकसित पंजे (क्लम्प) को बाहर निकाल लिया जाता है। फिर इस पंजे में लगी मिट्टी एवं रेशे वाली जड़ों को हंसिया या चाकू की मदद से काटकर हटा दिया जाता है।

हल्दी की फसल की खुदाई पौधों में लगी हुई पत्तियों के सूखकर गिर जाने पर की जाती है। खुदाई करने से 2 दिन पूर्व खेत की हल्की सिंचाई कर दी जाती है और फिर जुताई करके अथवा दांतेदार यंत्र (डिगिंग फोर्क) की मदद से खुदाई की जाती है। हल्दी के पूर्ण विकसित पंजे (क्लम्प) को बाहर निकाल लिया जाता है। फिर इस पंजे में लगी मिट्टी एवं रेशे वाली जड़ों को हंसिया या चाकू की मदद से काटकर हटा दिया जाता है। हल्दी के पंजे में दो प्रकार की गांठे मिलती हैं-

- पंजे के मध्य में एक ज्यादा मोटी एवं सख्त गांठ जिसका आकार ढ़ोलक जैसा होता है इसे मातृ प्रकंद कहते हैं और
- पतली उंगलियों जैसी 8 से 15 तक प्रकंद, जिनको पुत्री प्रकंद कहते हैं। खुदाई के तुरंत बाद इन दोनों प्रकार की गांठों को अलग-अलग कर लिया जाता है। मातृ प्रकंद का उपयोग सामान्यतः अगली फसल की बुवाई के लिए किया जाता है। बुवाई से अधिक मात्रा होने पर इसका अलग से प्रसंस्करण करते हैं। पुत्री प्रकंद को भी बोने के लिए भंडारित किया जाता है और अतिरिक्त मात्रा को प्रसंस्कृत किया जाता है।

हल्दी का प्रसंस्करण

हल्दी के मातृ एवं पुत्री प्रकंदों का प्रसंस्करण चार अवस्थाओं में पूर्ण किया जाता है।

उबालना

हल्दी के प्रकंदों को उबालने के लिये मिट्टी के बर्तन अथवा लोहे के बड़े व कम गहरे बर्तनों का प्रयोग किया जाता है। यदि गुड़ बनाने वाली उथली कड़ाही हो तो उसका भी प्रयोग किया जा सकता है। इस बर्तन में हल्दी रखने के बाद इसमें पानी भरा जाता है जिससे कि सभी प्रकंद अच्छी तरह से डूब जायें। इसके बाद हल्दी की पत्तियों की एक मोटी परत से प्रकंद को ढंक दिया जाता है।

इसमें चूने का पानी या सोडियम बाई-कार्बोनेट या सोडियम कार्बोनेट का घोल मिलाने से तैयार हल्दी का रंग आकर्षक पीला बनता है। अब हल्दी को उबालने की क्रिया प्रारंभ की जाती है। हल्दी को धीमी आंच में तब तक उबाला जाता है जब तक कि उसमें झाग और हल्दी की खुशबू न आने लगे। बीच-बीच में दो-चार प्रकंदों को बाहर निकालकर उनको उंगलियों से दबाकर उनके मुलायम हो जाने की परीक्षा की जाती रहती है। जब प्रकंद मुलायम होकर उंगलियों से दबने लगे, तब उबालने की क्रिया बंद कर दें।

सुखाना

हल्दी के उबले हुए प्रकंदों को पानी से बाहर निकालकर पतली परतों से पक्के फर्श में फैलाकर सूर्य ताप में सुखाएं। सामान्यतः उबली हुयी गांठों के सूखने में 7 से 10 दिन लग जाते हैं। सूखने पर प्रकंद सख्त और कड़क हो जाते हैं जिनको तोड़ने पर एक धात्विक आवाज आती है।

छिलके उतारना

अब इन सूखे हुये प्रकंदों के ऊपरी सतह में लगे छिलकों को कठोर फर्श में रगड़ कर या बांस से बनी चटाई या टोकनी में रगड़कर हटाया जाता है। ऐसा करने से प्रकंद चिकने, साफ और जड़ रहित हो जाते हैं। हल्दी की मात्रा अधिक होने पर छिलके उतारने का कार्य मशीन द्वारा किया जाता है।

प्रकंदों को रंगना

छिलका उतारी गयी सूखी हल्दी को रंगने का कार्य उपभोक्ताओं को आकृष्ट करने के लिए किया जाता है। रंगने का कार्य बांस की टोकनी में सूखी हल्दी को रखकर धीरे-धीरे उसमें रंगने का मिश्रण मिलाते एवं हिलाते हुए किया जाता है। ऐसा करने से हल्दी अच्छी दिखने लगती है। 1000 किग्रा हल्दी को रंगने के लिए फिटकरी (एलम) 40 मिग्रा, हल्दी चूर्ण 2 किग्रा, अरंडी का तेल 140 मिली, सोडियम बाई सल्फाइड 30 ग्राम एवं सान्द्र हाईड्रोक्लोरिक अथवा सान्द्र सल्फ्यूरिक अम्ल 30 मिली का प्रयोग किया जाता है।

मिश्रित मछली पालन अपनाने पर परम्परागत तरीके के प्रयोग से मिलने वाले उत्पादन की अपेक्षा 10-12 गुना अधिक मत्स्य उत्पादन मिलता है। इस विधि में तलाबों में विभिन्न आहार वाली अच्छी किस्म में कार्प प्रजातियों के मछली बीज उचित अनुपात एवं वजन मे संचयन कर जैविक एवं रसायनिक खाद का उचित मात्रा में प्रयोग किया जाता है तथा परिपूरक आहार भी दिया जाता है।

मत्स्य पालन से बढ़ेगा मुनाफा

मत्स्य उत्पादन के संसाधन

प्रदेश में मछली पालन के लिये कुल 1.589 लाख है। जलक्षेत्र उपलब्ध है। जिसमें अब तक कुल 1.432 लाख है। जलक्षेत्र विकसित किया जा चुका है। इसमें ग्रामीण तालाबों के कुल जलक्षेत्र 0.735 लाख है। जलक्षेत्र में से 0.636 लाख है। जलक्षेत्र का विकास कर मत्स्य पालन के अंतर्गत लाया जा चुका है।

मिश्रित मछली पालन

मिश्रित मछली पालन व्यवसाय,बेरोजगार युवकों के लिये आर्थिक स्थिति में सुधार करने हेतु एक महत्वपूर्ण साधन है। मिश्रित मछली पालन अपनाने पर परम्परागत तरीके के प्रयोग से मिलने वाले उत्पादन की अपेक्षा 10-12 गुना अधिक मत्स्य उत्पादन मिलता है। इस विधि में तलाबों में विभिन्न आहार वाली अच्छी किस्म में कार्प प्रजातियों के मछली बीज उचित अनुपात एवं वजन मे संचयन कर जैविक एवं रसायनिक खाद का उचित मात्रा में प्रयोग किया जाता है तथा परिपूरक आहार भी दिया जाता है। सामान्यतः मिश्रित मछली पालन में पाली जाने वाली प्रजातियां कतला, राहू, मृगल, कामनकार्प, ग्रास कार्प, सिल्वर कार्प है। वर्तमान में मिश्रित मछली पालन ग्राम पंचायतों के तालाबों में किया जा रहा है। परंतु खाद एवं परिपूरक आहार न देने के कारण उत्पादन में समुचित वृद्धि नहीं हो रही है। अतः स्वयं की भूमि में तालाब निर्माण कराकर व उनमें, मिश्रित मछली पालन कर, लगभग 6000-8000 किग्रा/हेक्टर उत्पादन प्राप्त किया जा सकता है। प्रदेश में वर्ष 2007-2008 तक स्वयं की भूमि में नवीन तालाब कुल 1834 तालाब जलक्षेत्र 1240.51 हेक्टर का निर्माण कर मिश्रित मछली पालन आधुनिक तरीके से किया जा रहा है।

एकीकृत मछली पालन

एकीकृत मछली पालन का पालन का आशय मछली पालन के साथ-साथ दूसरे उत्पादन जैसे बतख पालन, मुर्गीपालन, सूकर पालन एवं कृषि बागवानी के साथ समन्वयन से है। मिश्रित मछली पालन में जैविक एवं रसायनिक खाद तथा परिपूरक आहार के प्रयोग से अधिक उत्पादन के साथ-साथ उत्पादन मूल्य भी बढ़ जाता है। इस आर्थिक समस्या के समाधान के मछली पालन को विभिन्न इकाईयों जैसे- मुर्गी, बतख, कृषि बागवानी, मवेशी पालन के साथ जोड़ने की व्यवस्था की जाती है। जिससे कृषकों को मछली पालन से आय के साथ-साथ अन्य उत्पादों के समन्वयन से अतिरिक्त आय मिलती है। इस अंतरबद्धता के कारण मवेशी पालन, बागवानी या कृषि से परित्यक्त पदार्थो का उपयोग मछलियों के लिए परिपूरक आहार या खाद के रूप में उपयोग होता है तथा दूसरी ओर तालाब के जल तथा उसके बंध और मछली पालन से उत्पन्न व्यर्थ पदार्थो का उपयोग कृषि एवं मछली पालन में किया जाता है। ऐसी व्यवस्था से लागत खर्च में काफी कमी आ जाती है।

वर्तमान में उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार छत्तीसगढ़ प्रदेश में वर्ष 2008-09 तक कुल 3552 एकीकृत मत्स्य पालन की इकाईयां स्थापित की जा चुकी हैं। जिसमें बतख सह मछली पालन की 1101 इकाईयां स्थापित की गई है। इसी तरह मुर्गी सह मछली पालन की 881 इकाईयां, सूकर सह मछली पालन की 222, फलोद्यान सह मछली पालन की 424, डेयरी सह मछली पालन की 272, धान सह मछली पालन की 446, एवं बकरी सह मछली पालन की 206 इकाईयां स्थापित की जा चुकी है। मत्स्य कृषकों के रूझान को देखते हुए बतख सह मछली पालन एवं मुर्गी सह मछली पालन एवं फलोद्यान सह मछली पालन छत्तीसगढ़ में

सबसे अधिक उपयोगी पाया गया है। एकीकृत मत्स्य पालन के अंतर्गत बतख सह मछली पालन से प्रोटीन उत्पादन के साथ-साथ बतखों के मलमूत्र का उचित उपयोग होता है। बतख सह मछली पालन में प्रति हेक्टर 1 वर्ष में 400 किग्रा मछली, बतख से 15000 अण्डे तथा 500 किग्रा बतख के मांस का उत्पादन किया जा सकता है। इस प्रकार से मछली पालन में न तो जलक्षेत्र मे कोई खाद, उर्वरक डालने की आवश्यकता है और न ही मछलियों को पूरक आहार देने की आवश्यकता है। मछली पालन पर लगने वाली लागत में 50-60 प्रतिशत की कमी हो जाती है।

पाली जाने वाली मछलियां एवं बतख एक दूसरे के अनुपूरक होती है। बतखें पोखर के कीड़े, मकोड़े, टेडपोल, घोंघे, जलीय वनस्पति पर नियंत्रण रखती है। बतखों को अपने भोजन का 50 प्रतिशत भाग जलक्षेत्र से ही प्राप्त हो जाता है। तालाब में बतख के तैरते रहने से वायुमंडल की आक्सीजन पानी भी मिलती रहती है। इसी प्रकार बतख सह मछली पालन से तालाब में अतिरिक्त खाद डालने की आवश्यकता नहीं पड़ती है एवं बतखों को साफ सुरक्षित परिवेश एवं उत्तम प्राकृतिक भोजन भी उपलब्ध हो जाता है। प्रति हेक्टर 200-300 नग बतख रखना पर्याप्त होता है।

मुर्गी पालन में भी पोल्ट्री लीटर को पोखर में खाद के रूप में डाला जाता है। मुर्गी सह मछली पालन से प्रति हेक्टर वर्ष 60,000 अंडे, 500-600 किग्रा, मुर्गी का मांस तथा 3500 किग्रा मछलियों का उत्पादन किया जाता है। 1 हेक्टेयर के लिए 500 मुर्गियां रखना पर्याप्त होता है। एकीकृत मछली सह मुर्गी पालन में मछली, मुर्गी के अण्डे तथा मांस की प्राप्ति से अधिक आय होती है तथा तालाबों में मछलियों के लिये अतिरिक्त फीड देने की आवश्यकता नहीं होती, क्योंकि मुर्गियों द्वारा विसर्जित व्यर्थ पदार्थो में पाये जाने वाले नाइट्रोजिनस पदार्थो से इसकी पूर्ति हो जाती है। फलोद्यान सह मछली पालन में तालाब के मेढ पर अरहर, टमाटर, कुंदरू, तेल युक्त सब्जियां, पपीता, भांटा, मिर्च, लौकी, फूलों के पौधे आदि लगाये जा सकते हैं जिससे किसान सम्पूर्ण क्षेत्र का समुचित उपयोग कर अतिरिक्त आय कमा सकते हैं।

... तो खास होगी पुदीना की फसल

काला कीट : पुदीना की बेहतर फसल लेने के लिए कीटों को पहचानना और उन्हें नियंत्रित करना बेहद जरूरी है. प्रमुख कीट और उनका नियंत्रण उपाय निम्नानुसार है :-

यह काले रंग का बीटल होता है। विकसित कीट 5-7 मिलीमीटर लम्बा होता है। पोदीने के जब केवल 5-7 पत्तियाँ निकली होती है तो यह कीट उनकी सभी पत्तियों को काटकर खा जाता है। मैलाथियान 300 से 500 मिलीलीटर प्रति हेक्टेयर की दर से पानी में घोल बनाकर छिड़काव करना चाहिये।

सफेद मक्खी

यह पौधों की निचली पत्तियों पर नीचे की सतह पर रहती है। वह पौधों से रच चूसती है तथा कीट विभिन्न प्रकार के विषाणु भी एक पौधे से दूसरे पौधे में पहुंचाते हैं।

नियंत्रण

फास्फोमिडान 200 से 400 मिली या मैलाथियान 300 से 500 मिलीलीटर प्रति हेक्टेयर की दर से पानी में मिलाकर छिड़काव करना चाहिये।

सेमीलूपर

सूंडी पत्तियों को काटकर खाती है और गोल या टेढा छेद बनाती है।

नियंत्रण

मैलाथियान 200 से 500 मिलीलीटर या क्विनालफास 300 से 500 मिलीलीटर प्रति हेक्टेयर की दर से घोल बनाकर छिड़काव करना चाहिये।

लेस बग

यह कीट भूरे-काले रंग के होते है जिनके पंखों पर स्पष्ट रोंयें और जाल की तरह निशान बना होता है। जिसके कारण इसे लेस बग के नाम से जाना जाता है कीट का प्रौढ़ और शिशु पोदीने की कोमल पत्तियों के रस को चूसते हैं जिससे पत्तियों का रंग पीला पड़ने लगता है। ये कीट काले रंग का पदार्थ अपने शरीर से निकालते है। जिससे पत्तियाँ दूर से जली हुयी दिखाई देती है। इसके प्रकोप से बढ़वार रूक जाती है और उत्पादन बहुत कम हो जाता है।

नियंत्रण

डायमिथियेट 300-500 मिलीलीटर का घोल बनाकर छिड़काव करने से फसल को बचाया जा सकता है।

माहू

कीट कोमल तनों और ऊपरी निकलने वाली पत्तियों के पास लगकर रस चूसते है। इससे पोदीने का पौधा धीरे-धीरे कमजोर हो जाता है। कभी पोदीने में झुलसा रोग भी इस कीट के कारण फैलता है।

मनुष्य का जीवन और पर्यावरण का रिश्ता अटूट

भाषण प्रतियोगिता में कुसुम रही पहले स्थान पर

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : मेरा युवा भारत युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार द्वारा विकास क्षेत्र पौड़ी के पराज इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस पौड़ी में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर भाषण एवं पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान कुसुम, द्वितीय स्थान आरुषि एवं तृतीय स्थान साक्षी राणा ने प्राप्त किया। विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पराज इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज के निदेशक डॉ. वी.पी. बालोदी ने पर्यावरण के प्रति युवाओं को जागरूक करते हुए कहा कि आज हम सब यहां एक बहुत ही महत्वपूर्ण और विचारणीय विषय पर चर्चा करने के लिए एकत्रित हुए हैं। हर वर्ष 5 जून को पूरी दुनिया में विश्व पर्यावरण दिवस मनाया जाता है। इस दिन को मनाने का मुख्य उद्देश्य प्रकृति के प्रति लोगों में जागरूकता फैलाना और पर्यावरण की सुरक्षा के लिए ठोस कदम उठाना है। मनुष्य का जीवन और पर्यावरण का रिश्ता अटूट है। हमें सांस लेने के लिए शुद्ध हवा, पीने के लिए पानी और खाने के लिए अनाज, सब कुछ प्रकृति से ही मिलता है। लेकिन आज

विडंबना यह है कि आधुनिकता और विकास की दौड़ में हमने अपनी इस जीवनदायिनी प्रकृति को भारी नुकसान पहुंचाया है। अंधाधुंध कटाई, बढ़ता प्रदूषण और प्लास्टिक का अत्यधिक उपयोग आज हमारे सामने सबसे बड़ी चुनौतियां बन चुके हैं। ग्लोबल वार्मिंग के कारण मौसम का चक्र बिगड़ रहा है। यदि हमने अब भी प्रकृति को बचाने के लिए कदम नहीं उठाए, तो हमारा आने वाला भविष्य खतरे में पड़ जाएगा। पर्यावरण की रक्षा के लिए हमें बड़े-बड़े आंदोलनों के साथ-साथ अपने दैनिक जीवन में भी छोटे-छोटे बदलाव करने होंगे। हमें अधिक से अधिक पेड़ लगाने चाहिए, पानी बचाना चाहिए और सिंगल-यूज प्लास्टिक का बहिष्कार करना चाहिए। प्रकृति हमें बहुत कुछ देती है, अब समय आ गया है कि हम भी उसे अपना योगदान वापस लौटाएं। अपने पर्यावरण की रक्षा करेंगे और इस धरती को आने वाली पीढ़ियों के लिए हरा-भरा और रहने योग्य बनाएंगे। इस मौके पर राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवी नितिन चौहान, संजना, शीतल मंमगाई, अक्षिता अग्रवाल, अक्षत खुगशाल, प्रियंका असवाल, सलोनी, साक्षी आदि उपस्थित रहे।

एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत रोपे विभिन्न प्रजातियों के पौधे

जयन्त प्रतिनिधि। थलीसैंण : शुक्रवार को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय थलीसैंण में नमामि गंगे एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वावधान में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय परिसर में विभिन्न फलदार और छायादार प्रजातियों के पौधों का रोपण किया गया। नमामि गंगे द्वारा निर्धारित थीम ह्वप्रकृति से प्रेरित जलवायु के लिए, हमारे भविष्य के लिएह्व के अनुरूप आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण तथा प्रकृति के प्रति सामाजिक जिम्मेदारी की भावना को प्रोत्साहित करना था। कार्यक्रम का शुभारम्भ महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. योगेन्द्र चन्द्र सिंह ने किया। उन्होंने महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापकों, शिक्षणेत्तर कर्मचारियों एवं छात्र-छात्राओं को पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम जलवायु परिवर्तन और प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा पर केंद्रित है, जिसका उद्देश्य प्लास्टिक कचरे को कम करना, पुनर्चक्रण को बढ़ावा देना और प्राकृतिक संसाधनों के क्षरण को रोकना है। नमामि गंगे के नोडल अधिकारी डॉ. विवेक रावत ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण की शुरुआत व्यक्तिगत स्तर से होती है, जैसे हर वर्ष कम से कम एक पेड़ लगाना, सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग कम करना आदि।

एक नजर

सीओ गुप्तकाशी को सौंपी घटना की जांच

रुद्रप्रयाग : केदारनाथ मंदिर परिसर में निकासी गेट पर श्रद्धालुओं पर कार्रवाई का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद घटना की जांच पुलिस उपाधीक्षक गुप्तकाशी को सौंपी गई है। वहीं पुलिस कर्मी को ड्यूटी प्वाइंट से हटा दिया गया है। पुलिस उपाधीक्षक रुद्रप्रयाग विकास पुंडीर ने बताया कि कुछ श्रद्धालु निकासी गेट से मंदिर परिसर में प्रवेश करने का प्रयास कर रहे थे। पुलिसकर्मियों के समझाने के बावजूद लोग उसी रास्ते से जाने का प्रयास करते रहे जिससे निकासी कर रहे श्रद्धालुओं की आवाजाही प्रभावित हो रही थी। (एजेंसी)

ऊखीमठ में हेलिकॉप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग

रुद्रप्रयाग : बदरीनाथ से यात्रियों को लेकर सहस्त्रधारा जा रहे एक हेलिकॉप्टर को केदारघाटी में मौसम खराब होने के कारण ऊखीमठ में इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। हेलिकॉप्टर में 6 यात्री और एक पायलट था। मौसम साफ न होता देख हेलिकॉप्टर फाटा लौट गया और यहीं सभी यात्रियों को उतार दिया। हेली सेवा के नोडल अधिकारी राहुल चौबे ने कहा कि सेंडन कंपनी के हेलिकॉप्टर ने शुक्रवार दोपहर यात्रियों को लेकर बदरीनाथ से सहस्त्रधारा के लिए उड़ान भरी थी कि केदारघाटी में मौसम खराब हो गया। ऐसे में दोपहर करीब 2:25 बजे राजकीय इंटर कॉलेज ऊखीमठ के खेल मैदान में पायलट ने हेलिकॉप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग कराई। करीब 40 मिनट रुकने के बाद भी मौसम साफ नहीं हुआ तो 3:05 बजे हेलिकॉप्टर फाटा लौट गया। पायलट ने सभी यात्रियों को फाटा में उतार दिया। (एजेंसी)

दहेज उत्पीड़न के आरोप में पति और सास अदालत से दोषमुक्त

नई टिहरी। घनसाली थाने में दर्ज दहेज उत्पीड़न मामले में नामजद पति अनिल पंवार और सास डबली देवी को अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत ने दोषमुक्त कर दिया है। यह मामला फरवरी 2024 में दर्ज एफआईआर से संबंधित था। अभियोजन के अनुसार, वादिनी ने 10 फरवरी 2024 को तहरीर दी थी कि उसका विवाह अक्टूबर 2022 में अनिल पंवार निवासी ग्राम कुंडी थाती बूढ़ाकेदार बालंगा तहसील से हुआ था। आरोप था कि विवाह के बाद पति अनिल और सास डबली देवी द्वारा दहेज के लिए मारपीट व उत्पीड़न किया गया, जिसके चलते वह नवंबर 2023 में अपने मायके ग्राम चामी पट्टी नैलचामी लौट आई। महिला हेल्पलाइन में काउंसलिंग और समझौते के प्रयास भी हुए, लेकिन स्थिति में सुधार नहीं हुआ। पुलिस जांच के बाद दोनों के खिलाफ आरोप पत्र न्यायालय में दाखिल किया गया। बचाव पक्ष ने दलील दी कि विवाह के समय दहेज की मांग नहीं हुई थी तथा गर्भ से संबंधित तथ्य को लेकर भी तर्क प्रस्तुत किए गए, जिन्हें मामले में विरोधाभासी पाया गया। सभी पक्षों को सुनने के बाद अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट/अपर सिविल जज (सीडि) ऐश्वर्या बोरा की अदालत ने अनिल पंवार और डबली देवी को आरोपों से दोषमुक्त कर दिया।

मुख्य सचिव के फ्लीट वाहन ने कार को मारी टक्कर

नई टिहरी। मुख्य सचिव के फ्लीट वाहन ने एक कार को टक्कर मार दी। वहीं एक स्कूटी चालक तेज रफ्तार फ्लीट वाहन से बचने के चक्कर में सड़क किनारे गिर गया। मौके पर लोगों ने हंगामा कर दिया और चालक को गिरफ्तार करने की मांग की। मुख्य सचिव आनंद वर्धन बीती शाम को दो दिनों के टिहरी दौरे पर पहुंचे हैं। उनके साथ उनके फ्लीट वाहन भी पहुंचे हैं। देहरादून से आई पुलिस फ्लीट वाहन का चालक शुक्रवार सुबह अकेले ही नगर क्षेत्र की सड़कों पर निकल पड़ा। तेज रफ्तार वाहन ने बौराड़ी में एक कार को टक्कर मारते हुए क्षतिग्रस्त कर दिया। जबकि एक स्कूटी चालक तेज रफ्तार फ्लीट वाहन से बचने के चक्कर में सड़क किनारे गिर गया। स्थानीय निवासी प्रवीन सिंह ने बताया कि वह सुबह करीब साढ़े नौ बजे बीपुरम अपनी ड्यूटी के कार से जा रहे थे। लेकिन तभी पेट्रोल पंप से ठोड़ा नीचे की ओर सामने से आ रहे तेज रफ्तार फ्लीट वाहन से बचने के लिए वह अपनी कार को सड़क के बिल्कुल किनारे ले गए।इसके बावजूद फ्लीट चालक ने उनकी कार को रगड़ मारते हुए क्षतिग्रस्त कर दिया है। वहीं, स्थानीय निवासी राकेश प्रसाद उनियाल ने बताया कि वह भी बौराड़ी पेट्रोल पंप की ओर जा रहे थे, लेकिन तेज रफ्तार फ्लीट वाहन से बचने के चक्कर में वह सड़क किनारे गिर गए।

प्रकृति के प्रति ईमानदारी से निभाएं अपना कर्तव्य

जयन्त प्रतिनिधि।

लैंसडौन : राजकीय बालिका इंटर कॉलेज लैंसडौन में विश्व पर्यावरण दिवस धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिसमें छात्राओं ने अपनी प्रतिभा दिखाई। प्रधानाचार्या श्रीमती भगवती सिंह ने कहा कि पर्यावरण केवल हमारे जीवन का आधार नहीं है बल्कि आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित भविष्य की नींव है। बढ़ते प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन एवं प्राकृतिक संसाधनों के अंधाधुंध दोहन के इस दौर में हम सभी की नैतिक जिम्मेदारी है कि अधिक से अधिक पेड़ लगाकर मिट्टी का कटाव रोका जाए, जल-संरक्षण को बढ़ावा दिया जाए। उन्होंने कहा कि प्रकृति के प्रति अपना कर्तव्य ईमानदारी से निभाएं। तीलू रौतेली सदन से रौनक ने पर्यावरण दिवस के विषय में विस्तार पूर्वक जानकारी दी। वैष्णवी टैगोर सदन से कविता के माध्यम से पर्यावरण के प्रति जागरूक किया। रितिका शिवाजी सदन ने आओ हम पर्यावरण बचाएं नामक शीर्षक से विद्यार्थियों में जोश भरा। मणिकर्णिका सदन से खुशी ने भविष्य में पर्यावरण

में होने खतरों से कैसे बचा जा सकता है पर अपने विचार व्यक्त किए। शिक्षिका दीक्षा पाण्डेय, तन्वी और रौनक द्वारा पर्यावरण गीत (पर्यावरण हमारा प्यारा) गाकर भाव पूर्ण माहौल बना दिया। कार्यक्रम में दीक्षा पाण्डेय ने छात्राओं को मिष्ठान वितरित किया। इस अवसर पर शिक्षिका दीप्ति गुंसाई, मीना अधिकारी, कुमुद थपलियाल, श्रीमती प्रतिमा, मेघा जदली, सुचित्रा बिष्ट, चित्रा रावत, तरुछाया अग्रवाल, भावना सती सहित छात्र सुदर्शन, आदित्या, सोनी, दीपक, इमरान, साजन, मनीषा, आयुश, अमन, सोम्य, प्रिया, सीमा, खुशी, तन्वी आदि मौजूद थे।

भालू से भिड़ कर सरोप सिंह ने बचाई जान

श्रीनगर गढ़वाल : विधानसभा श्रीनगर क्षेत्र के पैठाणी इलाके के खंड मल्ला गांव के सरोप सिंह पर भालू ने हमला कर उन्हें घायल कर दिया। मवेशी चराने गए 33 वर्षीय सरोप सिंह ने हमले के दौरान भालू के दोनों जबड़ों को पकड़कर अपनी जान बचाई। गंभीर रूप से घायल अवस्था में उन्हें राजकीय मेडिकल कॉलेज श्रीनगर के बेस अस्पताल लाया गया जहां सर्जरी विभाग की टीम ने तत्काल उपचार शुरू किया। फिलहाल उनकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। बृहस्पतिवार शाम सरोप सिंह रोज की तरह घर के पास मवेशियों को चराने गए थे। इसी दौरान झाड़ियों से निकलकर एक भालू ने उन पर अचानक हमला बोल दिया। काफी देर तक दोनों के बीच संघर्ष चलता रहा। शोर सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और हल्ला मचाया, जिसके बाद भालू जंगल की ओर भाग गया। हालांकि सरोप सिंह के हाथ और सिर पर गंभीर घाव आए हैं। ग्रामीण उन्हें तत्काल बेस अस्पताल श्रीनगर लेकर पहुंचे जहां इमरजेंसी वार्ड में उनका उपचार किया गया। बेस अस्पताल के सर्जरी विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. धनंजय डोभाल के नेतृत्व में उनका उपचार चल रहा है। डॉ. डोभाल ने बताया कि भालू के हमले से मरीज को कई गंभीर चोटें आई हैं। प्राथमिक उपचार और आवश्यक सर्जिकल ट्रीटमेंट कर दिया गया है। संक्रमण और घावों की निगरानी के लिए मरीज को डॉक्टरों की देखरेख में रखा गया है।

बेस अस्पताल की व्यवस्थाओं में सुधार को लेकर सत्याग्रह आंदोलन शुरू

चमोली : महिला बेस अस्पताल सिमली की व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने की मांग के लिए ग्राम प्रधान संगठन चमोली के जिलाध्यक्ष उमेश खंडूड़ी ने सिमली बाजार में अनिश्चितकालीन सत्याग्रह आंदोलन शुरू कर दिया। उमेश खंडूड़ी का कहना है कि करोड़ों की लागत से बने अस्पताल में उपचार भी नहीं मिल पा रहा है। सरकार को इस पर ध्यान देकर इसका नियमित संचालन करना चाहिए जिससे पूरे जिले को इसका लाभ मिल सके। शुक्रवार सुबह 10 बजे सिमली बाजार में जिलाध्यक्ष उमेश खंडूड़ी ने सत्याग्रह आंदोलन शुरू कर दिया। उन्होंने कहा कि विगत एक दशक पूर्व तत्कालीन कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में विधानसभा उपाध्यक्ष डॉ. एपी मैखुरी ने लोगों को स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया कराने के दृष्टिकोण से जनपद चमोली के केंद्र बिंदु सिमली में महिला बेस अस्पताल की स्वीकृति प्रदान की थी। यहां करोड़ों की लागत से अस्पताल और विभागीय कर्मियों के लिए आवासीय भवनों का निर्माण भी हो चुका है लेकिन वर्तमान में सिमली बेस अस्पताल की दयनीय स्थिति बनी है। उन्होंने कहा कि जब तक बेस अस्पताल सिमली में स्त्री रोग विशेषज्ञ, बाल रोग विशेषज्ञ, रेडियोलॉजिस्ट, फिजीशियन, नेत्र रोग विशेषज्ञ, दंत रोग विशेषज्ञ सहित एक्सरे, अल्ट्रासाउंड मशीन के तकनीशियन, पैथोलॉजी लैब, ऑपरेशन थिएटर आदि की व्यवस्थाओं को दुरुस्त नहीं किया जाता ।

अध्यक्ष और महासचिव पद पर दो-दो प्रत्याशी मैदान में

श्रीनगर गढ़वाल : श्रीनगर व्यापार सभा चुनाव के लिए व्यापारियों में उत्साह बना हुआ है। नामांकन प्रक्रिया पूरी होने के बाद अध्यक्ष और महासचिव पद के लिए दो-दो उम्मीदवार मैदान में रह गए हैं। दोनों पदों पर इस बार युवा व्यापारियों ने भी दावेदारी पेश की है। चुनाव अधिकारी दिनेश प्रसाद भट्ट ने बताया कि सभी नामांकन पत्रों की जांच और आवश्यक औपचारिकताएं पूरी कर ली गई हैं व चुनाव प्रक्रिया निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि चुनाव को निष्पक्ष और सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने की तैयारियां की जा रही हैं। कोषाध्यक्ष पद के लिए केवल एक नामांकन पत्र वैध पाए जाने के बाद पंकज नेगी का निर्विरोध निर्वाचन तय हो गया है। व्यापार सभा के जिलाध्यक्ष वासुदेव कंडारी ने व्यापारियों से मतदान में अधिक से अधिक भागीदारी की अपील की। उन्होंने कहा कि व्यापारियों की सक्रिय सहभागिता संगठन की मजबूती को दर्शाती है। अध्यक्ष और महासचिव पद के लिए मतदान 12 जून को होगा, जिसके बाद दोनों पदों के विजेताओं का फैसला होगा। (एजेंसी)

डीएम ने किया ईवीएम-वीवीपैट वेयरहाउस का त्रैमासिक निरीक्षण

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी गौरव कुमार ने शुक्रवार को राजनीतिक दलों के पदाधिकारियों की उपस्थिति में ईवीएम एवं वीवीपैट वेयरहाउस का त्रैमासिक निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्थाओं एवं मशीनों के रखरखाव का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने वेयरहाउस में स्थापित सुरक्षा एवं निगरानी प्रणालियों का गहनता से परीक्षण करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान ईवीएम एवं वीवीपैट मशीनें निर्वाचन आयोग के निर्धारित मानकों के अनुरूप डबल लॉक व्यवस्था में सुरक्षित रखी गई पाई गईं। जिलाधिकारी ने वेयरहाउस की विद्युत व्यवस्था, सीसीटीवी कंट्रोल रूम, साफ-सफाई, सुरक्षा प्रबंधों का भी निरीक्षण किया। डीएम ने व्यवस्थाओं को चुस्त-दुरुस्त बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने सुरक्षा के लिए स्थापित सीसीटीवी कैमरों, अग्निशमन यंत्रों तथा अलार्म सिस्टम की कार्यशीलता की स्वयं जांच की। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी निगरानी एवं सुरक्षा उपकरणों की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए तथा किसी भी तकनीकी खराबी का तत्काल निस्तारण किया जाए, ताकि वेयरहाउस की सुरक्षा व्यवस्था हर समय प्रभावी बनी रहे।

जंगल हमारी साझा धरोहर, संरक्षण में सबकी भागीदारी जरूरी : डीएम

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर गुरुवार को गोपेश्वर स्थित घिंगराण रोड वन पंचायत परिसर में आयोजित कार्यक्रम में जिलाधिकारी गौरव कुमार ने ह्वएक पेड़ माँ के नामह्व अभियान के अंतर्गत वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। उन्होंने जनपदवासियों से अधिक से अधिक पौधे लगाने एवं उनके संरक्षण का संकल्प लेने का आह्वान किया। इस अवसर पर केदारनाथ वन प्रभाग द्वारा वनाग्नि रोकथाम एवं जनजागरूकता पर आधारित लघु फिल्म बड़ाग का विमोचन भी किया गया।

इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी गौरव कुमार ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल एक दिवस तक सीमित विषय नहीं है, बल्कि यह हमारी संस्कृति, परंपराओं और जीवन शैली का अभिन्न अंग रहा है। उन्होंने कहा कि वर्ष 1972 में आयोजित स्टॉकहोम सम्मेलन से भी पूर्व भारतीय सभ्यता में प्रकृति एवं पर्यावरण के संरक्षण की समृद्ध परंपरा रही है। हमारे पूर्वजों ने जल, जंगल और जमीन के संरक्षण को जीवन का आधार माना तथा प्रकृति के साथ संतुलन बनाकर विकास की अवधारणा को अपनाया। कहा कि वर्तमान समय में जलवायु परिवर्तन वैश्विक चुनौती बनकर उभरा है। ऐसे में प्रकृति से प्रेरणा लेते हुए विकास और पर्यावरण संरक्षण के मध्य संतुलन स्थापित करना समय की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि हमें आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को सुरक्षित रखने के लिए प्राकृतिक संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग करना होगा तथा विकास की प्रत्येक गतिविधि में पर्यावरणीय सरोकारों को प्राथमिकता देनी होगी। कार्यक्रम के दौरान अन्य वक्ताओं ने कहा वन केवल वन विभाग की जिम्मेदारी नहीं हैं, बल्कि यह समाज की साझा धरोहर हैं। जंगल हमें स्वच्छ वायु, जल स्त्रोतों का संरक्षण, जैव विविधता तथा आजीविका के अनेक साधन प्रदान करते हैं। इसलिए इनके संरक्षण में प्रत्येक नागरिक की सहभागिता आवश्यक है। उन्होंने वनाग्नि की घटनाओं को रोकने के लिए जनजागरूकता बढ़ाने तथा सामुदायिक सहभागिता सुनिश्चित करने पर जोर देते हुए कहा कि वनाग्नि से बचाव ही इसका सबसे प्रभावी उपाय है। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष दौलत सिंह बिष्ट, वन संरक्षक नंदा देवी बायोस्फीयर रिजर्व पंकज कुमार, पुलिस अधीक्षक सुरजीत सिंह पंवार, मुख्य विकास अधिकारी डॉ. अभिषेक त्रिपाठी, प्रभागीय वनाधिकारी अलकनंदा भूमि संरक्षण वन प्रभाग प्रियंका सुंडली, प्रभागीय वनाधिकारी बदरीनाथ-केदारनाथ वन प्रभाग सर्वेश कुमार दुबे, वन पंचायत सरपंच गोपेश्वर सुनीता भट्ट, महिला मंगल दल अध्यक्ष विजया बिष्ट आदि मौजूद थे।

फायर वॉचर राजेंद्र को दी श्रद्धाजंलि

कार्यक्रम के दौरान जनपद चमोली में वनाग्नि नियंत्रण के दौरान अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए सर्वोच्च बलिदान देने वाले फायर वॉचर स्वर्गीय राजेंद्र सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। उपस्थित सभी लोगों ने दो मिनट का मौन रखकर उनके प्रति सम्मान व्यक्त किया तथा वन संरक्षण के क्षेत्र में उनके योगदान को स्मरण किया।

विश्व पर्यावरण दिवस पर पर्यावरण योद्धाओं का सम्मान

विश्व पर्यावरण दिवस समारोह के दौरान जनपद में पर्यावरण संरक्षण, वृक्षारोपण, स्वच्छता, जैव विविधता संरक्षण एवं जनजागरूकता के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले व्यक्तियों को प्रशस्ति पत्र एवं शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वालों में चंद्रकला बिष्ट, सुशीला सेमवाल, सुनील पुंडीर, सुनील बिष्ट, आशीष, मानश्वी पुंडीर, गंभीर बिष्ट, ललिता देवी, शशि रावत, नीरज थपलियाल, बलवंत राणा, सार्थक, प्रकाश चंद्र, सोनम, प्रियांशी पुंडीर, सगीता देवी, सुशीला देवी, दर्शन, दिव्या कंडारी, मोहित, जयप्रकाश, शुभम, अनूप, पृथ्वी नेगी, राजेंद्र, चंद्रमोहन, प्रियंका, दीपा, युवराज सिंह, अंशुल, आलोक एवं विनोद सहित अन्य पर्यावरण प्रहरी शामिल रहे।

खंडूड़ी का जीवन राष्ट्रसेवा और अनुशासित राजनीति की मिसाल : बिट्टा

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : पूर्व मुख्यमंत्री भुवन चंद्र खंडूडी को याद करते हुए अखिल भारतीय आतंकवाद विरोधी मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनिंदरजीत सिंह बिट्टा ने कहा कि खंडूडी का जीवन हम सभी के लिए प्रेरणा दायक है। कहा कि उनका व्यक्तित्व देश भक्ति, विकास और जनसेवा का अद्वितीय संगम था। उन्होंने कहा कि खंडूड़ी के योगदान को आने वाली पीढ़ियां भी याद रखेंगी।

दुर्गापुरी स्थित एक बारातघर में आयोजित श्रद्धांजलि कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों ने स्व. खंडूड़ी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस अवसर पर बिट्टा ने कहा कि पहाड़ के साधारण परिवेश से निकलकर खंडूड़ी ने सेना और राजनीति दोनों क्षेत्रों में उल्लेखनीय पहचान बनाई। केंद्र सरकार में सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री के रूप में उन्होंने देश

के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी द्वारा स्वर्णिम चतुर्भुज परियोजना की जिम्मेदारी सौंपे जाने के बाद खंडूड़ी ने देश के विभिन्न राज्यों और दूरस्थ क्षेत्रों को बेहतर सड़क नेटवर्क से जोड़ने का कार्य किया। आज इन्हीं सड़कों के कारण विकास गतिविधियों के साथ-साथ सेना की रणनीतिक आवाजाही भी तेज और प्रभावी हो सकी है। कार्यक्रम में विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी भूषण ने अपने पिता को याद करते हुए कहा कि उन्होंने उनसे राष्ट्रहित, अनुशासन और कर्तव्यनिष्ठा की सीख प्राप्त की।

उन्होंने बताया कि सेना में सेवा के दौरान उनके पिता का अधिकांश समय देश को समर्पित रहा। 1971 के युद्ध के बाद जब वे घर लौटे तो उनके छोटे भाई ने उन्हें पहचान तक नहीं पाया था। यह सैनिक परिवारों के त्याग और संघर्ष का एक भावनात्मक उदाहरण है। ऋतु खंडूड़ी ने कहा कि सैनिकों के परिवार भी देशसेवा की इस यात्रा में अनेक कठिनाइयों का सामना करते हैं। युद्धकाल में परिवारों की चिंता और जिम्मेदारियां बढ़ जाती हैं। ऐसे समय में उनकी माता सैनिक परिवारों और वीर नारियों का हौसला बढ़ाने का कार्य करती थीं। उन्होंने संकल्प व्यक्त किया कि वे अपने पिता के आदर्शों और मूल्यों पर चलकर जनसेवा करती रहेंगी।

इस दौरान भुवन चंद्र खंडूड़ी के पुत्र मनीष खंडूड़ी ने भी उनके जीवन और कार्यों को स्मरण करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश प्रवक्ता विपिन कैथोला, जिलाध्यक्ष राजगौरव नौटियाल, कर्नल अजय कोठियाल, महापौर शैलेंद्र सिंह रावत, सुमन कोटनाला, अमित भारद्वाज, गौरव जोशी, राजेंद्र जजेड़ी, अमिताभ अग्रवाल सहित अनेक गणमान्य नागरिक और स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

जयन्त

संस्थापक : नरेन्द्र उनियाल

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित।

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कोटद्वार, (गढ़वाल) उत्तराखण्ड होगा।

CONT. 9412081969
PRGI NO. 35469/79

अश्विन को उम्मीद, अफगानिस्तान के खिलाफ हर्ष को मिलेगा डेब्यू का अवसर

चेन्नई । दिग्गज स्पिनर रविचंद्रन अश्विन को उम्मीद है कि अफगानिस्तान के खिलाफ शनिवार से मुल्लांपुर में शुरू हो रहे एकमात्र क्रिकेट टेस्ट मैच में बाएं हाथ के युवा स्पिनर हर्ष दुबे को अंतिम ग्यारह में जगह मिलेगी। अश्विन के अनुसार पिछले कुछ समय में हर्ष ने घरेलू क्रिकेट में काफी अच्छा प्रदर्शन कर अपने को साबित किया है। इसके अलावा अश्विन को उम्मीद है कि शुभमन गिल की कप्तानी में टीम अच्छा प्रदर्शन करेगी। अश्विन के अनुसार जिस प्रकार से शुभमन ने अब तक बल्लेबाजी की है उससे मुझे उम्मीद है कि वह बेहतर प्रदर्शन करेंगे। अश्विन ने कहा, हालांकि मेरी नजरें हर्ष पर टिकी हुई हैं और मैं यह जानने के लिए बेहद उत्सुक हूँ कि उन्हें इस बड़े प्रारूप में अवसर मिलता है या नहीं। गौरतलब है कि टीम प्रबंधन को मानव सुथार और हर्ष दुबे के बीच किसी एक को चुनना होगा पर हर्ष ने जिस प्रकार से पिछले कुछ समय से घरेलू क्रिकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है, उससे मेरा मानना है कि उसे ही अवसर मिलना चाहिये। अश्विन ने इस स्पिनर के आईपीएल में अच्छे प्रदर्शन को भी एक कारण बताया है। अश्विन के अनुसार वह हर्ष को भारतीय टेस्ट कैप पहने देखना चाहते हैं। साथ ही कहा ये स्पिनर टीम में जगह का अधिकारी है।

लॉर्ड्स टेस्ट- ओली रॉबिन्सन ने इंग्लैंड को पहली पारी में दिलाई बढ़त, न्यूजीलैंड पिछड़ी

लॉर्ड्स।

लॉर्ड्स के ऐतिहासिक मैदान में इंग्लैंड के खिलाफ खेले जा रहे टेस्ट मैच में न्यूजीलैंड की पहली पारी 113 रन पर सिमट गई। इंग्लैंड को पहली पारी के आधार पर 27 रन की अहम बढ़त मिली है। न्यूजीलैंड को पहली पारी में 113 रन पर समेटने में इंग्लैंड के दाएं हाथ के तेज गेंदबाज ओली रॉबिन्सन का अहम योगदान रहा। रॉबिन्सन ने 10.5 ओवर में 39 रन देकर 5 विकेट लिए। इसके अलावा, जोश टंग ने 10 ओवर में 40 रन देकर 3 विकेट लिए। गस एटकिंसन को 5 ओवर में 9 रन खर्च कर 2 विकेट मिले। न्यूजीलैंड की बल्लेबाजी पर गौर करें तो कीवी टीम पहली पारी में इंग्लैंड के गेंदबाजों का सामना मात्र 29.5 ओवर कर सकी और 113 रन पर सिमट गई। कीवी टीम के लिए नौवें नंबर पर आए काइल जैमिसन ने सर्वाधिक 38 रन बनाए। इसके अलावा ग्लेन फिलिप्स ने 34 रन बनाए। नाथन स्मिथ ने 15 रन बनाए। न्यूजीलैंड के शीर्ष 6 बल्लेबाज सिर्फ 20 रन का योगदान दे सके। इसके पहले टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड की टीम टेस्ट के पहले दिन की 140 रन पर सिमट गई थी। इंग्लैंड के लिए हैरी ब्रूक ने सर्वाधिक 56 रन बनाए थे। बेन डकेट 19 रन बनाकर दूसरे सर्वश्रेष्ठ स्कोरर रहे। इंग्लैंड के भी 6 बल्लेबाज 2 अंकों में नहीं पहुंच सके थे। न्यूजीलैंड के लिए काइल जैमिसन ने शानदार गेंदबाजी की थी और 14 ओवर में 62 रन देकर 5 विकेट झटके थे।

नाथन स्मिथ ने 3 और विल ओरूर्के ने 2 विकेट लिए थे। टेस्ट मैच के पहले दिन (गुरुवार) और दूसरे दिन (शुक्रवार) के पहले सत्र में विकेटों का पतझड़ देखने को मिला है। दूसरे दिन के बचे दो सत्र में न्यूजीलैंड के गेंदबाजों के प्रदर्शन पर नजर रहेगी।

एशिया कप अंडर-18 हॉकी टूर्नामेंट में भारतीय टीम के जीतने की अधिक संभावना पाक अधिकारी

लाहौर।

पाकिस्तान टीम के एक अधिकारी का मानना है कि एशिया अंडर-19 हॉकी टूर्नामेंट में भारतीय टीम जीत की प्रबल दावेदार है। दोनो देशों के बीच होने वाले सेमीफाइनल से पहले पाक अधिकारी ने ये बात कही है। इस अधिकारी का कहना है कि भारतीय टीम की तैयारियों उससे बेहतर हैं। इसके अलावा भारतीय टीम के पास उसने कही बेहतर सुविधाएं हैं। इस टूर्नामेंट पाक टीम ने अपने अंतिम ग्रुप मुकाबले में चीन को 5-2 से जबकि भारतीय टीम ने कजाकिस्तान को 13-0 से हराया। इससे अंदाज होता है कि भारतीय टीम कितनी अधिक हावी है। इसके अलावा भारतीय टीम ने दक्षिण कोरिया की मजबूत टीम को भी 4-1 से हराया था। टूर्नामेंट में मेजबान जापान ने भी दमदार प्रदर्शन किया है। जापान ने भारत, चीनी

इस पाक अधिकारी का मानना है कि टूर्नामेंट के लिए भारतीय टीम की तैयारी काफी अधिक अच्छी थी, क्योंकि उन्होंने ऑस्ट्रेलियनई जूनियर टीम से हाल में पांच मैच खेले थे और इसके बाद यूरोप का भी दौरा किया था। वहीं हमारी टीम के खिलाड़ी पहली बार अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उतरे हैं। इसके अलावा दोनो की ट्रेनिंग के स्तर में भी अंतर हैं।

सूर्यकुमार की जगह श्रेयर अय्यर बनेंगे भारतीय टी20 टीम के कप्तान

तिलक को मिलेगी उपकप्तानी

मुम्बई।

बल्लेबाज श्रेयस अय्यर अब भारतीय टी20 क्रिकेट टीम के नये कप्तान बनने जा रहे हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार गत दिवस भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की एपेक्स कमेटी की बैठक में श्रेयस को कप्तान बनाने पर अंतिम फैसला हो गया। श्रेयस को शनिवार को सूर्यकुमार यादव की जगह पर कप्तान बनाये जाने की घोषणा होगी। अय्यर शनिवार को बीसीसीआई की चयन बैठक में शामिल होंगे। इसमें आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे के लिए टीम के साथ-साथ एशियाई खेलों के लिए भी टीम चयन होगा। ध्यान रहे कि श्रेयस ने अंतिम बार दिसंबर 2023 में बेंगलुरु में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेला था। उन्होंने आईपीएल 2026 में पंजाब किंग्स की ओर से 498 रन बनाये थे। भारतीय टीम का लक्ष्य अब आयरलैंड के खिलाफ बेहतर प्रदर्शन करना रहेगा। उसे आयरलैंड के खिलाफ दो टी20 मैच खेलने हैं। इसके बाद टीम इंग्लैंड में पांच टी20 और तीन एकदिवसीय मैच खेलेगी। आयरलैंड के खिलाफ पहला टी20 मैच 26 जून को और दूसरा 28 जून को खेला जाएगा.एक रिपोर्ट के अनुसार बीसीसीआई चयन समिति के मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर, मुख्य कोच गौतम गंभीर और चयन समिति युवा बल्लेबाज तिलक वर्मा को उपकप्तान बनाने तैयार है।

पोलैंड की माजा च्वालिंस्का फ्रेंच ओपन टेनिस के फाइनल में पहुंची

खिताबी मुकाबले में एंड्रीवा का सामना करेंगी

पेरिस ।

पोलैंड की माजा च्वालिंस्का ने फ्रेंच ओपन टेनिस 2026 के फाइनल में पहुंच गयी हैं। च्वालिंस्का ने इसी के साथ ही एक बड़ी उपलब्धि अपने नाम कर ली है। इसी के साथ ही वह किसी ग्रैंड स्लैम के खिताब मुकाबले में पहुंचने वाली पहली क्वालिफायर खिलाड़ी बन गयी हैं। च्वालिंस्का ने महिला एकल सेमीफाइनल में रूस की डायना श्नाइडर को दो घंटे से अधिक समय तक चले संघर्षपूर्ण मुकाबले में सीधे सेटों में 7-6(4), 6-4 से हराकर खिताबी मुकाबले में जगह बनायी। च्वालिंस्का ने इस टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल नौ मैच जीते हैं। इनमें तीन मैच क्वालिफाइंग और छह मैच मुख्य ड्रॉ के हैं।

इस प्रकार वह ओपन युग में किसी ग्रैंड स्लैम फाइनल तक पहुंचने वाली केवल दूसरी क्वालिफायर बनी हैं। इससे पहले, यह रिकार्ड ब्रिटेन की महिला टेनिस स्टार एम्मा राडुकानू ने साल 2021 अमेरिकी ओपन में किया था। सेमीफाइनल मुकाबले में च्वालिंस्का ने अपने अच्छे प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया।

जीत के बाद च्वालिंस्का बेहद उत्साहित दिखीं। अब फाइनल में

च्वालिंस्का का मुकाबला 8वीं वरीयता प्राप्त मीरा एंड्रीवा से होगी।

संक्षिप्त समाचार

ऋषभ का ध्यान अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट में बेहतर प्रदर्शन करना

उपकप्तानी से हटाये जाने से नाराज नहीं : टेन डोशेट

मोहाली ।

पिछले कुछ समय से खराब दौर से गुजर रहे भारतीय क्रिकेट टीम के आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत का ध्यान अब शनिवार से अफगानिस्तान के खिलाफ शुरु हो रहे एकमात्र क्रिकेट टेस्ट में बेहतर प्रदर्शन करना है। ऋषभ इस मैच में लय हासिल कर आने आने वाली सीरीज के लिए अपनी दावेदारी पक्की करना चाहेंगे। इससे पहले आईपीएल में वह कप्तानी और बल्लेबाजी दोनो में असफल रहे थे जिसके बाद उनको लखनऊ सुपरजायंट्स की कप्तानी से इस्तीफा देना पड़ा था। इसके बाद उन्हें टेस्ट टीम की उपकप्तानी से भी बाहर कर दिया गया है हालांकि वह इससे निराश नहीं हैं। अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट टीम में वह विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर पर ही उतरेंगे। वहीं इस मैच से पहले भारत के सहायक कोच रयान टेन डोशेट ने कहा कि 28 साल के इस बल्लेबाज से चयनकर्ताओं से कोई समस्या नहीं है पर टीम प्रबंधन चाहता है कि वह अपनी बल्लेबाजी में पुरानी लय हासिल करें। डोशेट ने कहा, ÷लीडर बनने के लिए औपचारिक पद की जरूरत नहीं होती। हमें उनसे उम्मीद है कि वह अपनी बल्लेबाजी को हालातों के अनुसार ढालेंगे। उन्होंने उपकप्तानी से हटाए जाने पर कोई शिकायत भी नहीं की है।÷इस क्रिकेटर ने टेस्ट उपकप्तानी के साथ-साथ लखनऊ सुपर जायंट्स की कप्तानी भी छोड़ दी। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज के दूसरे टेस्ट में चोटिल शुभमन गिल के नहीं होने पर कप्तानी की थी। इस टेस्ट में भारतीय टीम को 408 रनों से हार का सामना करना पड़ा था। वहीं हाल ही में खत्म हुए आईपीएल में टीम के खराब प्रदर्शन के बाद उन्होंने लखनऊ सुपर जायंट्स की कप्तानी भी छोड़ दी थी क्योंकि उनकी टीम अंक तालिका में सबसे नीचे 10 वें स्थान पर रही थी। टेस्ट क्रिकेट में हालांकि उनका प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2024-25 के अंत में इस बल्लेबाज ने कुछ जबरदस्त पारियां खेलीं. इसमें सिडनी में अर्धशतक भी शामिल है। एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी में उन्होंने लीड्स टेस्ट में दोनों पारियों में शतक लगाये थे।

वैभव बन सकते हैं सबसे कम उम्र में डेब्यू करने वाले भारतीय

मुम्बई।

15 साल के वैभव सूर्यवंशी भारतीय क्रिकेट टीम से डेब्यू करने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन सकते हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) चयन समिति शनिवार को आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे के लिए चुनी जाने वाली टी20 टीम में उन्हें शामिल कर सकती है। वैभव की उम्र 15 साल और 70 दिन है। वहीं भारतीय क्रिकेट में सबसे कम उम्र में डेब्यू करने वाले खिलाड़ी तेंदुलकर हैं। उन्होंने 16 साल 205 दिन की उम्र में पाकिस्तान के खिलाफ 1989 में डेब्यू किया था। इस रिपोर्ट के अनुसार बीसीसीआई अब सूर्यकुमार यादव की जगह श्रेयस अय्यर को नया कप्तान बना रहा है। वैभव ने आईपीएल 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए 776 रन बनाए जिसमें स्ट्राइक रेट 237.30 का रहा था। जिसके बाद से ही उन्हें टी20 प्रारुप के लिए टीम में शामिल किये जाने की मांग तेज होने लगी थी। भारत 26 और 28 जून को बेलफास्ट में आयरलैंड के खिलाफ दो टी20 मैच खेलेगा, फिर 1 से 11 जुलाई तक इंग्लैंड में पांच टी20 मैच

होंगे। वैभव को आयरलैंड सीरीज के लिए टीम में शामिल किया जा सकता है। वहीं सबसे कम उम्र में अपने देश की तरफ से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू करने वाले खिलाड़ियों की सूची में पाकिस्तान के हसन रजा नंबर एक पर हैं।

उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में केवल 14 साल और 227 दिन में जिम्बाब्वे के खिलाफ 1996 में डेब्यू किया था।

2007 टी20 विश्वकप खेलने से सचिन, द्रविड और गांगुली ने इंकार कर दिया था : ललित मोदी

मुम्बई । आईपीएल के पूर्व चेयरमैन ललित मोदी ने खुलासा किया है कि साल 2007 में जब पहली बार आईपीएल शुरु हुआ था तो सचिन तेंदुलकर, राहुल द्रविड़ और सौरव गांगुली जैसे अनुभवी खिलाड़ियों ने उसमें खेलने से इंकार कर दिया था। इन लोगों ने इस प्रारुप को बेवकूफी बताया था। वहीं आज टी20 क्रिकेट इतना बड़ा खेल बन गया है कि इसके आगे टेस्ट और वनडे की चमक फीकी पड़ गई है।ललित मोदी के अनुसार टी20 विश्व कप 2007 से पहले भारतीय टीम इंग्लैंड दौरे पर थी, जहां उन्हें तीन टेस्ट मैच और 7 एकदिवसीय मैचों की सीरीज खेलनी थी। इसके बाद टी20 विश्वकप शुरु होना था। तब इंग्लैंड दौरे के लिए राहुल द्रविड़, सचिन तेंदुलकर और सौरव गांगुली जैसे सीनियर स्टार टीम का हिस्सा थे।

इंग्लैंड न्यूजीलैंड पहले टेस्ट में गेंदबाज रहे हावी, दिन भर में गिरे 16 विकेट

मेजबान टीम के 140 रनों के जवाब में कीवी टीम ने 61 रनों पर गंवाये 6 विकेट

लॉर्ड्स ।

यहां इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच लॉर्ड्स में शुरु हुए पहले क्रिकेट टेस्ट मैच के पहले दिन गेंदबाज हावी रहे। इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि दिन भर में कुल 16 विके गिरे। मैच में मेहमान न्यूजीलैंड टीम ने टॉस जीतकर मेजबान टीम का पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। इंग्लैंड के बल्लेबाज कीवी टीम के तेज गेंदबाजों विशेषरुप से काइल जैमिसन के सामने टिक नहीं पाये और पूरी टीम अपनी पहली पारी मे 140 रन पर ही पेवेलियन लौट गयी। जैमिसन ने पांच विकेट लेकर इंग्लैंड की बल्लेबाजी ढ़हा दी। वहीं इसके बाद बल्लेबाजी के लिए उतरी कीवी टीम का हाल तो इससे भी खराब रहा।

ओली रॉबिन्सन के सामने कीवी बल्लेबाज टिक नहीं पाये और दिन का खेल समाप्त होने के समय तक टीम ने पहली पारी में 61 रनों पर ही छह विकेट खो दिये। रॉबिन्सन ने शुरुआती ओवर में तीन विकेट लेकर न्यूजीलैंड के शीर्ष क्रम को ध्वस्त कर दिया, जिससे टीम स्टंप्स तक भी उबर नहीं सकी. न्यूजीलैंड ने दिन का खेल खत्म होने तक 61 रन पर 6 विकेट गंवा दिए हैं। इस प्रकार मेजबान इंग्लैंड टीम अभी भी पहली पारी के आधार पर 79 रन आगे है। अब देखना है कि कीवी बल्लेबाज दूसरे दिन रन बना पाते हैं या नहीं

कीवी कप्तान टॉम लैथम का पहले गेंदबाजी करने का फैसला बिल्कुल सही था। कीवी टीम के चारों तेज गेंदबाजों ने इंग्लैंड के बल्लेबाजी क्रम को कोई अवसर नहीं दिया। . जैमिसन ने पिच से मिल रही अतिरिक्त उछाल और सीम का पूरा फायदा उठाया। . इंग्लैंड की आक्रामक बल्लेबाजी की रणनीति पूरी तरह से विफल रही। टीम पहले 10 ओवरों में केवल 24 रन ही बना पायी। बेन डकेट ने 19, जैकब बेथेल ने 6 और जो रूट ने केवल 1 रन बनाया। मैच में बारिश से भी बाधा आई। इंग्लैंड की ओर से केवल हैरी ब्रूक ही टिक पाये। ब्रूक ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए 56 रन बनाये।

वैभव का आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए चयन तय

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने वाले सबसे कम उम्र के भारतीय बनेंगे

मुम्बई ।

15 साल के भारते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय टी20 टीम में चुना जाना तय नजर आ रहा है। वैभव ने पिछले कुछ समय में जैसी बल्लेबाजी की है। उससे उनको टीम से बाहर रखना संभव नजर नहीं आता। इंडियन प्रीमियर लीग वैभव ने सबसे ज्यादा रन बनाकर ऑरेंज कैप जीतकर अपने को साबित कर दिया है।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) चयनकर्ता शनिवार शनिवार को मुंबई में होने वाली बैठक में टीम चयन के दौरान ही उनके नाम पर भी मोहर लगा सकते हैं। माना जा रहा है कि उन्हें इन दोनों टीमों के लिए शामिल किया जाएगा। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार, ÷वैभव को पहली बार टीम इंडिया में मौका मिलने जा रहा है। चयनकर्ता 2028 के लॉस एंजिल्स ओलंपिक और उसी साल ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में होने वाले टी20 विश्वकप को देखते हुए टीम तैयार कर रहे हैं।÷वैभव ने आईपीएल से पहले अंडर 19 विश्वकप में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का पुरस्कार जीता था। इसके अलावा घरेलू क्रिकेट में भी अच्छा प्रदर्शन किया था।

फीफा विश्वकप के अभ्यास मुकाबले में कोटे डी आइवर ने फ्रांस को हराकर किया उलटफेर

इराक और स्पेन का मुकाबला बराबरी पर रहा

मैड्रिड ।

11 जून से शुरु हो रहे फीफा विश्व कप फुटबॉल 2026 के अभ्यास मुकाबले जारी हैं। पूर्व चैम्पियन फ्रांस को 2-1 से हराकर सनसनी फैला दी। वहीं इराक ने अपने से कही बेहतर टीम स्पेन को 1-1 की बराबरी पर रोककर सभी को हैरान कर दिया। वहीं स्वीडन और यूनान का मुकाबला 2-2 से बराबरी पर रहा। में स्पेन और इराक के मुकाबले की बात करें तो जहां स्पेनिश टीम कई बदलावों के साथ उतरी। वहीं इराक ने अपनी अनुभवी टीम उतारी। मैच की शुरुआत से ही स्पेन ने हमले शुरु कर दिये। 16वें मिनट में ही फेरान टोरेस ने शानदार गोल कर टीम को बढ़त दिलाई। वहीं 27वें मिनट में इराक ने एक गोली कर मुकाबला बराबरी पर ला दिया। ये गोल मर्चास डोस्की ने दागा। इसके बाद दोनो ही टीमों ने कई प्रयास किये पर गोल करने में सफल नहीं हुईं। वहीं स्वीडन और यूनान के बीच खेला गया दूसरा अभ्यास मैच भी 2-2 से बराबरी पर रहा। दोनों ही टीमों ने आक्रामक खेल दिखाया। यूनान की ओर से कोस्टास सिमि कास ने 10वें मिनट में ही एक गोल कर पहला गोल दागा। इसके बाद स्वीडन

की ओर से आर्सेनल के स्ट्राइकर विक्टर ग्योकेरेस ने डिफ्लेक्टेड फ्री-किक पर गोल कर टीम को बराबरी पर ला दिया। स्वीडन ... 69वें मिनट में दूसरा गोल किया। वहीं इंजरी टाइम में जॉर्जोस मासौरास ने गोलदागकर यूनान को बराबरी पर ला दिया।

राहुल को व्यस्त कार्यक्रम के कारण किसी टीम ने नहीं खरीदा

मुम्बई ।

बल्लेबाज केएल राहुल को व्यस्त कार्यक्रम होने से किसी भी टीम ने महाराजा टी20 ट्रॉपी (केएससीए) टी20 लीग के लिए शामिल नहीं किया है। ये लीग , 20 जून से शुरु होने जा रही है। इस लीग के लिए राहुल पर भी सभी की नजरें लगीं थीं पर उन्हें किसी भी टीम ने नहीं खरीदा। इसका कारण उनका उनकी बल्लेबाजी या फॉर्म नहीं बल्कि व्यस्त कार्यक्रम है। राहुल को शनिवार से अफगानिस्तान के खिलाफ शुरु हो रहे टेस्ट मैच में खेलना है। इसके लिए उन्हें टीम का उप-कप्तान बनाया गया है। वहीं टेस्ट मैच के बाद राहुल को अफगानिस्तान के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज भी खेलनी है। इसके बाद भारतीय टीम का इंग्लैंड दौरे पर जाना है। ऐसें लगातार खेलने जा रहे राहुल के पास किसी भी लीग में खेलने का समय नहीं है। इस कारण से वह केएससीए लीग से बाहर हैं और किसी टीम ने उनपर बोली नहीं लगायी। लीग के लिए राहुल और प्रसिद्ध कृष्णा दोनों के नाम सामने रखे गये थे। इसमें कृष्णा को मैसूर वॉरियर्स ने 2.6 लाख रुपये में खरीदा। राहुल ने हाल ही में हुए आईपीएल 2026 में काफी अच्छा प्रदर्शन करते हुए 14 मैचों में उन्होंने 45 से अधिक की औसत के साथ 593 रन बनाए थे।